फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 115 प्रभात जयपुर, गुरूवार 26 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



Not a word spoken

Sometimes, the communication is in the wrinkled forehead. At other times, it is in the eyes. Most dangerously, it is in the silence

The Secret Behind the Blue

Qing dynasty jewellery often combined these vivid blue feathers with gold, pearls, coral, glass and semi-precious stones

आज बुधवार को राहुल गांधी अमेरिका से लौटे

कल, गुरुवार से, ''गुरु'' के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रदर्शनों का सिलसिला शुरु

- कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों का फोकस है, ''वोट चोरी'' तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्ती। जब तक इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता, संसद को चलने नहीं दिया जाएगा।
- अभी तक संसद के मानसून सत्र का अवसान नहीं किया गया है। अतः तुरंत आनन-फानन में मानसून सत्र के अवसान की कार्यवाही शुरु की जा सकती है।
- अभी स्पष्ट नहीं है कि सरकार इस मुतल्लिक क्या करना चाहती है, क्योंकि अभी सरकार के पास सांसदों की पर्याप्त संख्या नहीं है, संविधान में संशोधन का विधेयक पारित करा सके। पार्टी किसी भी तरह अपने संविधान संशोधन विधेयक को सदन में गिरने नहीं देना चाहती।
- बहरहाल, राहुल गांधी अपना विरोध प्रदर्शन पूरे देश में चलाना चाहते हैं, जिससे ''मैसेज'' जाए कि कांग्रेस ज्ञानेश कुमार की बर्खास्ती व ''एस.आई.आर.'' के मुद्दे पर, पूरी तरह गंभीर है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। अमेरिका के दौरे के बाद राहुल गांधी दिल्ली लौट आए हैं, और कल से कांग्रेस पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू करने जा रही है।

पार्टी, संसद का सत्र नहीं बुलाए जाने, संविधान से जुड़े मुद्दे और वोट चोरी के आरोपों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुद्दा भी शामिल है।

पार्टी राहुल गांधी के लौटने का इंतजार कर रही थी, क्योंकि अब वे विरोध प्रदर्शनों के ''गुरु'' बन गए हैं। वे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश और नई ऊर्जा भरते हैं और उन्हें सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने तथा उसे घेरने के लिए प्रेरित करते हैं।

फिलहाल इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि संसद का सत्र कब बुलाया जाएगा, क्योंकि अभी तक इस संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है।

संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के लिए 14 दिन पहले सूचना देना जरूरी है।

वहीं, मानसून सत्र को आगे जारी रखने के लिए तत्काल बैठक बुलाई जा सकती है।

सरकार की ओर से कई तरह की बातें और जानकारियां सामने रखी जा रही हैं, लेकिन चूँकि उनके पास संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं है और सरकार यह जोखिम भी नहीं उठा सकती कि विधेयक सदन में गिर जाए, इसलिए फिलहाल स्थिति पूरी तरह अनिश्चित बनी हुई है। मानसून सत्र को अभी तक अधिकारिक तौर पर समाप्त नहीं किया गया है। ऐसे में यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि सरकार आखिर क्या चाहती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो बनीं मिस यूनिवर्स



नई दिल्ली, 25नवंबर। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का 75वां संस्करण संपन्न हो गया है, जिसमें पोर्तो रिको की जेनिफर बैरेटो विजेता बनीं। मौजूदा मिस यूनिवर्स, मेक्सिको की फातिमा बॉश ने अपनी उत्तराधिकारी को ताज पहनाया।

जेनिफर यह खिताब जीतने वाली पहली शादीशुदा महिला और मां हैं। उन्होंने फरवरी 2026 में पहली बार रैंप वॉक किया था। जून में मिस यूनिवर्स पोर्तो रिको का खिताब जीतने के बाद वे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहुंचीं। उन्होंने प्रतियोगिता के लिए 30 किलो वजन भी घटाया। जेनिफर ने भारतीय कारीगरों की बारीक कढ ाई से सजा एक खास गाउन पहना था।

उनकी जीत के साथ पोर्तो रिको ने छठी बार यह ताज जीता हैं।

इस प्रतियोगिता में डोमिनिकन रिपब्लिक की मेलिसा नुनेज फर्स्ट और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विधानसभा चुनाव में, भाजपा का चेहरा कमल होगा, न कि योगी आदित्यनाथ'

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जौनपुर में पत्रकारों से बात करते हुए यह बात उजागर की

- एबीपी के कॉन्क्लेव में, हालांकि, केशव प्रसाद मौर्य ने लीपापोती करने की कोशिश की।
- इस कॉन्क्लेव में, जब योगी आदित्यनाथ से चुनाव के बाद मु.मंत्री के पद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बड़ी बेफिक्री से कहा, ''सब जानते हैं, कौन मु.मंत्री है और कौन मु.मंत्री बनेगा।''

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। अगर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बयान को गंभीरता से लिया जाए तो इस सबसे बड़े राज्य में भगवा पार्टी के लिए सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मौर्य ने आज कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा का चुनाव चिन्ह 'कमल' ही पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा होगा। उनके इस बयान से राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खेमे में हलचल मच गई है।

मौर्य ने कभी भी मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा छिपाई नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद जीते हुए विधायक और पार्टी के केन्द्रीय पर्यवेक्षक तय करेंगे कि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनेंगे या किसी और को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

बताया जाता है कि मौर्य केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी हैं और उनके निर्देशानुसार काम करते हैं। यह भी विदित ही है कि अमित शाह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पसंद नहीं करते।

जौनपुर में पत्रकारों से बात करते हुए मौर्य ने कहा, ''चुनाव के दौरान भाजपा का चेहरा उसका चुनाव चिह्न 'कमल' होता है। चुनाव खत्म होने और विधायकों के चुने जाने के बाद, उनकी बैठक होती है। केन्द्रीय पर्यवेक्षक आते हैं और उस बैठक में बनी सहमति के आधार पर नेता चुना जाता है। फिलहाल हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। वे आगे भी मुख्यमंत्री बने रहेंगे या कोई और यह जिम्मेदारी संभालेगा, यह फैसला करना मेरे हाथ में नहीं है। इसका फैसला उस समय चुने गए विधायक करेंगे।''

मौर्य का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहले भी उनके और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच मतभेदों की खबरें आती रही हैं।

हालांकि इससे पहले, एबीपी न्यूज के एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया था।

उन्होंने कहा था कि भाजपा एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुवार को लखनऊ में विशाल धरने, प्रदर्शन व मार्च किए जा रहे हैं

मल्लिकार्जुन खड़गे, सपा के अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी व चंद्रशेखर, अपने-अपने नवगठित गठबंधनों की राजनीतिक रैलियां आयोजित कर रहे हैं

- हालांकि, कई मार्च व प्रदर्शनों को अभी सरकार की ओर से आयोजित करने की स्वीकृति नहीं मिली है। पर, लगभग सभी राजनीतिक दल व गठबंधन अनुमति न मिलने को मुद्दा नहीं बना रहे हैं, बल्कि मार्च के लिए वैकल्पिक रुख अपना रहे हैं।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की अहम राजनीतिक लड़ाई का माहौल तैयार करते हुए, गुरुवार को लखनऊ में राजनीतिक कार्यक्रमों की हलचल रहेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्य सरकार द्वारा पैदल मार्च की अनुमति नहीं दिए जाने के बावजूद, लखनऊ में पार्टी के 'संविधान रक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे। इसी दिन समाजवादी पार्टी अपना 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' घोषणापत्र जारी करेगी। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आज़ाद की आज़ाद समाज पार्टी का नया गठबंधन भी राजधानी में अपनी पहली संयुक्त राजनीतिक रैली करेगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने संविधान रक्षा सम्मेलन के तहत पैदल मार्च निकालने की योजना बनाई थी। इसकी शुरुआत गांधी भवन में पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होनी थी और समापन हजरतगंज में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर होना था। लेकिन अधिकारियों द्वारा मार्च की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद, उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने कार्यक्रम को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित करने का फैसला किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीजे बंद कराने गई पुलिस टीम पर हमला

जयपुर, 25 नवंबर । खो नागोरियान थाना इलाके में डीजे बंद करवाने पहुंची पुलिस टीम के साथ मारपीट और राजकार्य में बाधा डालने

- खो नागोरियान में आधा दर्जन आरोपी गिरफ्तार।

का मामला सामने आया है। आरोप है कि करीब एक दर्जन लोगों ने उपनिरीक्षक (एसआई) रामफूल सहित, पुलिसकर्मियों के साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ दी और उनके मोबाइल फोन छीनकर जमीन पर पटककर तोड़ दिए।

घटना 23 नवंबर की देर रात करीब 12 बजे की है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, एसआई रामफूल पुलिस जाप्ते के साथ इलाके में डीजे बंद करवाने पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट शुरू कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस लेफ्ट पार्टियों से चुनावी गठबंधन की संभावनाएं तलाश रही है

पंजाब में अकाली दल व भाजपा के गठबंधन के बाद, ष पंजाब में राजनीतिक गठबंधनों का फैशन चल पड़ा है

- प्रदेशाध्यक्ष परगट सिंह व विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गठबंधन की संभावनाओं का स्वागत किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। पंजाब के विधानसभा चुनावों से पहले शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) और भारतीय जनता पार्टी के बीच गठबंधन पक्का हो जाने के बाद, अब कांग्रेस वामपंथी दलों, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ चुनावी गठबंधन की संभावनाएं तलाश रही है। इससे राज्य में राजनीतिक गठबंधन के नए समीकरण बनने के संकेत मिल रहे हैं।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह ने पुष्टि की है कि कम्युनिस्ट पार्टियों के साथ बातचीत चल रही है और इस संबंध में कई दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने भी गठबंधन की संभावना का समर्थन किया है, जिससे संकेत मिलता है कि कांग्रेस के राज्य नेतृत्व में इस प्रस्ताव को समर्थन प्राप्त है।

हालांकि कांग्रेस ने बातचीत शुरू कर दी है, लेकिन प्रस्तावित गठबंधन का स्वरूप, खासकर सीटों के बंटवारे को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। परगट सिंह और बाजवा ने संकेत दिया है कि सीटों का बंटवारा सभी पार्टियों की भूमिका और उनकी राजनीतिक ताकत को ध्यान में रखकर किया जाएगा। फिलहाल, अलग-अलग सीटों पर बातचीत शुरू करने से पहले एक आपसी सहमति बनाने की संभावना तलाशने पर जोर दिया जा रहा है।

बदले हुए राजनीतिक माहौल में यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के दोबारा साथ आने से राज्य के राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। दोनों पूर्व सहयोगी कई वर्षों तक अलग रहने के बाद फिर एक साथ आए हैं, जिससे उनके संगठनात्मक नेटवर्क और समर्थक आधार एक साझा चुनावी ढांचे में आ गए हैं। उनके गठबंधन के बाद अन्य राजनीतिक दलों ने भी विधानसभा चुनावों से पहले अपनी रणनीतियों पर नए सिरे से विचार करना शुरू कर दिया है।

सीजेपी के सौरभ दास से जन्मस्थान को लेकर स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली, 25 नवंबर। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास के पासपोर्ट में दी गई जन्मस्थान की जानकारी को लेकर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने प्रश्न खड़ा किया था जिसके बाद उनसे

- उल्लेखनीय है कि उन्हें लंदन जाते समय एयरपोर्ट पर रोका गया था।

स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनसे कहा गया है कि स्पष्टीकरण मिलने तक वे अपने पासपोर्ट का इस्तेमाल न करें।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न पर कहा कि पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय अपेक्षा की जाती है कि आवेदक सही जानकारी दें। इसमें कमी या त्रुटि पाए जाने पर आवेदक को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है। चेन्नई के क्षेत्रीय कार्यालय से आधिकारिक जानकारी मिलने पर नोटिस दिया गया है। सौरभ दास को सात दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है और जवाब मिलने तक पासपोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में दस में से नौ महिलाएं, मैट्रो स्टेशन या बस स्टॉप के रास्ते में भारी असुरक्षा महसूस करती हैं

एक समाचार एजेंसी द्वारा प्रसारित सर्वे रिपोर्ट में यह चिंताजनक ष पहलू पूर्णतया उजागर हुआ

- इस असुरक्षा की जड़ में है, दिल्ली शहर का इंफ्रास्ट्रक्चर तथा पुरुषों का आपत्तिजनक व्यवहार।
- महिलाओं ने यह भी कहा, सर्वे के दौरान, कि उन्हें यह स्पष्ट नहीं है कि किसी सरकारी एजेंसी से कैसे संपर्क किया जाए व शिकायत की जाए तथा किस सरकारी एजेंसी की जिम्मेवारी है, सड़कों और रास्तों को महिलाओं के लिए सुरक्षित रखने की।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में सर्वेक्षण में शामिल करीब 10 में से 9 महिलाओं और लड़कियों का कहना है कि निकटतम मेट्रो स्टेशन या बस स्टॉप तक जाते समय वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं।

सेंटर फॉर इक्विटी एंड इन्क्लूजन (सीक्विन) के इस अध्ययन में पाया गया कि खराब बुनियादी सुविधाएं, पुरुषों का अनुचित व्यवहार और सार्वजनिक स्थानों की देख-रेख के लिए कौन सा सरकारी विभाग जिम्मेवार है, इसे लेकर अनिश्चितता लोगों की शहर में स्वतंत्र रूप से आने-जाने की क्षमता को प्रभावित करती है।

सीक्विन के एक बयान के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल 87.5 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि वे निकटतम मेट्रो स्टेशन या बस स्टॉप तक पैदल जाते समय असुरक्षित महसूस करती हैं, जबकि 88.9 प्रतिशत ने अंधेरा होने के बाद अपने निकटतम सार्वजनिक पार्क में असुरक्षित महसूस करने की बात कही। तीन-चौथाई से अधिक महिलाओं ने बताया कि फुटपाथों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होती। वहीं, 60 प्रतिशत ने कहा कि फुटपाथ टूटे हुए हैं या कई जगह मौजूद ही नहीं हैं।

ये निष्कर्ष 1,588 महिलाओं, लड़कियों और एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों से मिली प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं। सीक्विन ने कहा कि सुरक्षा को लेकर चिंताएं केवल यौन हिंसा के खतरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें वे परिस्थितियां भी शामिल हैं, जिनका सामना लोगों को रोजाना शहर में आते-जाते समय करना पड़ता है।

करीब 80 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि पुरुषों का व्यवहार, जिसमें घूरना, अश्लील टिप्पणियां करना और पीछा करना शामिल है, उनकी रोजमर्रा की यात्राओं को असुरक्षित बनाता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि 80.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नागरिक एजेंसी जिम्मेदार है। इस कारण उन्हें यह समझ नहीं आता कि सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षा होने पर वे किससे संपर्क करें।

''एवरीडे जर्नीज: विमेन्स एंड गर्ल्स एक्सेस टू फुटपाथ एंड पब्लिक पार्क्स इन दिल्ली'' नामक इस अध्ययन में बताया गया है कि किस तरह बुनियादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल को जमानत मिली

जयपुर, 25 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने करोड़ों रुपए के जल जीवन मिशन

- एसीबी ने जल जीवन मिशन घोटाले में उन्हें 9 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया था।

घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित, विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता दिनेश दिनेश गोयल व अधीक्षण अभियंता महेन्द्र प्रकाश सोनी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि अपीलार्थियों के संबंध में जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन हजारों पेज के विस्तृत रिकॉर्ड व 124 गवाहों के दर्ज होने वाले प्रस्तावित बयानों को देखते हुए लगता है कि ट्रायल में लंबा समय लगेगा। अभी तक आरोप भी तय नहीं हो पाए हैं। अन्य सह आरोपी पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित, अन्य आरोपियों को भी इस अदालत व हाईकोर्ट ने जेल से बाहर आने की मंजूरी दे दी है। इसलिए आरोपियों को हिरासत में रखना किसी सार्थक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा। इसलिए तीनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करना उचित होगा। जस्टिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बहुत सी तथा बड़ी गलती किये बिना कोई व्यक्ति बड़ा और महान नहीं बनता। –ग्लेड स्टोन

कृषि शिक्षा के दोहरे मापदंड: निजी कॉलेजों पर डंडा, सरकारी विश्वविद्यालयों में सन्नाटा क्यों?

मानकों के नाम पर निजी संस्थानों की एनओसी पर रोक, लेकिन सरकारी कैंपस में 80 फीसदी तक खाली पदों पर चुप्पी

भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि की नींव मजबूत कृषि अनुसंधान और गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा पर टिकी है। ऐसे में कृषि शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का हालिया बयान अत्यंत महत्वपूर्ण और समसामयिक है। 14 अक्टूबर 2026 को एग्रीविजन के दसवें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्धारित मानकों के बिना तेजी से खुल रहे निजी कृषि महाविद्यालयों और केवल डिग्रियां बांटने के कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा भी की कि चिकित्सा शिक्षा में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (मेडिकल काउंसिल) की तर्ज पर कृषि शिक्षा को विनियमित करने के लिए जल्द ही एक कृषि परिषद का गठन किया जाएगा। मंत्री का यह कथन सर्वथा उचित है कि केवल फीस वसूलकर डिग्रियां बांटने वाले संस्थानों को संचालित होने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि विद्यार्थियों की डिग्रियों की विश्वसनीयता और उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

निस्संदेह, केंद्र सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान की डिग्री केवल सरकारी या निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का एक कागजी प्रमाणपत्र मात्र नहीं है, बल्कि यह खेती-किसानी, मृदा स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, फसल संरक्षण और देश की खाद्य सुरक्षा जैसे संवेदनशील व महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैज्ञानिक दक्षता का प्रमाण है। यदि बिना पर्याप्त योग्य शिक्षकों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान प्रक्षेत्रों (फार्मों) और व्यावहारिक प्रशिक्षण के विद्यार्थियों को डिग्रियां बांटी जाती हैं, तो इससे न केवल उन विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता है, बल्कि दीर्घकाल में देश की संपूर्ण कृषि व्यवस्था और उत्पादन क्षमता को भी अपूरणीय क्षति पहुंचती है।

हालांकि, कृषि शिक्षा में सुधार की इस व्यापक बहस का एक दूसरा और उतना ही गंभीर पहलू भी है, जिसे नीति-निर्माताओं द्वारा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक ओर जहां निजी कृषि महाविद्यालयों के गिरते मानकों और अनियमितताओं पर कड़े सवाल उठाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्वयं सरकार द्वारा संचालित कृषि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय भी शिक्षकों एवं संसाधनों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में राजस्थान की स्थिति एक ज्वलंत उदाहरण के रूप में हमारे सामने है।

राजस्थान में वर्तमान में पांच सरकारी कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं-महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (उदयपुर), स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (बीकानेर), श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय (जोबनेर), कृषि विश्वविद्यालय (कोटा) और कृषि विश्वविद्यालय (जोधपुर)। प्रदेश की कृषि जलवायु विविधता को देखते हुए इन विश्वविद्यालयों की स्थापना क्षेत्रीय कृषि आवश्यकताओं और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। लेकिन विडंबना यह है कि इन सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षण और अनुसंधान से जुड़े पदों की बड़ी संख्या में रिक्तियां लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

उच्च शिक्षण संस्थानों, विशेषकर कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी का नकारात्मक असर केवल कक्षाओं में होने वाले सैद्धांतिक अध्यापन तक सीमित नहीं रहता। कृषि एक प्रायोगिक और क्षेत्र-आधारित विज्ञान है, जिसमें विद्यार्थियों को प्रयोगशालाओं, अनुसंधान फार्मों, खेतों में होने वाले परीक्षणों और किसानों की जमीनी समस्याओं के बीच रहकर सीखना होता है। योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों की अनुपस्थिति में न तो विद्यार्थियों को प्रभावी प्रायोगिक प्रशिक्षण मिल पाता है और न ही उच्च स्तरीय कृषि अनुसंधान की निरंतरता को बनाए रखना संभव होता है। कई विभागों में अतिथि संकाय (गेस्ट फैकल्टी) या संविदा शिक्षकों के भरोसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिससे स्थायी अकादमिक नेतृत्व और दीर्घकालिक शोध परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब स्वयं सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में ही पर्याप्त नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, तो कृषि शिक्षा के स्तर को वैश्विक मानकों तक ऊंचा उठाने के सरकारी दावे धरातल पर कैसे साकार होंगे?

कृषि शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन भी एकांगी होने के बजाय व्यापक और समग्र होना चाहिए। निजी और सरकारी-दोनों ही प्रकार के संस्थानों में शिक्षकों की शैक्षिणक योग्यता, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, प्रयोगशालाओं की स्थिति, आधुनिक उपकरणों, अनुसंधान सुविधाओं, प्रायोगिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के वास्तविक शैक्षणिक परिणामों की नियमित और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

यहां सबसे बड़ी विडंबना नियमों के अनुपालन में दिखने वाले दोहरे मापदंड की है। निजी महाविद्यालयों के लिए योग्य शिक्षकों की नियमित नियुक्ति, यूजीसी या निर्धारित मानकों के अनुसार वेतन भुगतान, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और बायोमीट्रिक उपस्थिति जैसी शर्तों का कड़ाई से पालन अनिवार्य बताया जा रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर 2026 में राजस्थान उच्च न्यायालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की बी.एससी. (कृषि) काउंसलिंग में शामिल होने की मांग करने वाले कई निजी कृषि महाविद्यालयों की याचिकाओं को खारिज कर दिया। खबरों के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा इन संस्थानों के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का नवीनीकरण निर्धारित मानकों और शर्तों का पालन नहीं किए जाने के कारण रोका गया था।

न्यायालय का यह निर्णय और प्रशासन की यह कार्रवाई निश्चित रूप से नियमों के कठोर अनुपालन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। इससे यह संदेश जाता है कि शिक्षा के क्षेत्र में मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि नियमन, पारदर्शिता और जवाबदेही की यह कसौटी केवल निजी संस्थानों तक ही सीमित क्यों रहे? यदि निजी संस्थानों से शत-प्रतिशत मानकों के पालन की अपेक्षा की जाती है, तो सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में रिक्त शिक्षण पदों को भरने की समस्या का समाधान भी उतनी ही तत्परता और संवेदनशीलता से होना चाहिए।

इस दिशा में ठोस पहल करते हुए सरकार को चाहिए कि वह राज्य के सभी सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में स्वीकृत, कार्यरत और रिक्त शिक्षण पदों का विश्वविद्यालयवार एवं विषयवार विस्तृत विवरण सार्वजनिक करे। साथ ही, भर्ती प्रक्रियाओं में हो रहे असामान्य विलंब के कारणों को स्पष्ट किया जाए और आवश्यक पदों पर पारदर्शी नियुक्तियों के लिए एक समयबद्ध कार्ययोजना घोषित की जाए। यदि किसी सरकारी विश्वविद्यालय या उसके घटक महाविद्यालय में बड़ी संख्या में-यहां तक कि कुछ रिपोर्टों और चर्चाओं के अनुसार लगभग 70 से 80 प्रतिशत तक-शिक्षण पद रिक्त होने की स्थिति बनती है, तो उसे एक सामान्य प्रशासनिक कमी मानकर टाला नहीं जा सकता। ऐसे आंकड़ों की आधिकारिक समीक्षा और पुष्टि के साथ सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर इतने कम शिक्षकों के सहारे उन संस्थानों में पठन-पाठन, प्रायोगिक कार्य, शोध और विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था किस प्रकार संचालित हो रही है।

कृषि शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन भी एकांगी होने के बजाय व्यापक और समग्र होना चाहिए। निजी और सरकारी-दोनों ही प्रकार के संस्थानों में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, प्रयोगशालाओं की स्थिति, आधुनिक उपकरणों, अनुसंधान सुविधाओं, प्रायोगिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के वास्तविक शैक्षणिक परिणामों की नियमित और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जो संस्थान-चाहे वे निजी हों या सरकारी-निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरते, उनके विरुद्ध नियमानुसार सुधारात्मक या दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही, जो संस्थान ईमानदारी से मानकों को पूरा करना चाहते हैं, उन्हें आवश्यक नीतिगत सहयोग, संसाधन और योग्य शिक्षक उपलब्ध कराने की एक सुगम व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए।

अत: समय की मांग है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कृषि शिक्षा के पुनरुत्थान के लिए एक समग्र, संतुलित और दीर्घकालिक नीति तैयार करें। एक ओर जहां निजी महाविद्यालयों में फर्जी डिग्रियों, मानकों की अनदेखी और व्यावसायिक शोषण पर सख्ती से रोक लगे, वहीं दूसरी ओर सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी को दूर करने, अनुसंधान सुविधाओं को आधुनिक बनाने और उनकी वित्तीय स्वायत्तता एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर कदम उठाए जाएं। अंतत:, कृषि शिक्षा में गुणवत्ता और विश्वसनीयता का पैमाना किसी संस्थान का सरकारी या निजी होना नहीं, बल्कि वहां दी जा रही शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता ही होनी चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

देश का पथ प्रदर्शक: हमारा संविधान



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

26 नवंबर... 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने हमारे संविधान को अंगीकार किया था। आज हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों का स्मरण करते हैं। उनकी महानता इस बात में थी कि उन्होंने एक आधुनिक संविधान के निर्माण में भारत की समृद्ध परंपराओं और हमारी सभ्यता के अनुभव को भरपूर स्थान दिया।

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में, जहां अनेक पंथ हैं, भाषाएं हैं, रीति-रिवाज हैं, विचार परंपराएं हैं, वहां ये बहुत जरूरी है कि संविधान की गूंज संसद और अदालतों की चारदीवारी से कहीं आगे तक पहुंचे। हमारा प्रयास रहा है कि जन-जन की चेतना से, विशेषकर हमारे युवाओं से संविधान का जुड़ाव और गहरा हो। इससे राष्ट्रीय एकता की वो भावना और मजबूत होगी, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ एक दशक पहले हमारी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

हमारा संविधान मेरे साथ करोड़ों भारतीयों की जीवन यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन के वो साधारण हालात, जीवन के वो संघर्ष, जब भी मैं उस दौर को याद करता हूं, संविधान के प्रति मेरा हृदय अपार कृतज्ञता से भर जाता है। एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला बालक, जिसे विरासत में कोई विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, ये हमारे संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है। ये हमारे संविधान की ही देन है कि आज किसी व्यक्ति के जन्म की परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करतीं। हमने अपने विनम्र प्रयासों से संविधान को और अधिक सशक्त बनाकर कृतज्ञता के इस ऋण को चुकाने की कोशिश की है।

प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को 'first and foremost a social document' बताया था। विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है।

जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है।

जब मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों और रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के ऋण मिलता है, तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना जमीन पर उतरती है। जब डिजिटल टेक्नोलॉजी, रूपे कार्ड और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म तक हर नागरिक की पहुंच होती है, तब समावेशिता का संवैधानिक आदर्श साकार होता है। पहले इसे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित कर दिया गया था। संविधान की शक्ति से सामान्य मानवी को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं।

हमारी सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधनों को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। 101वें संविधान संशोधन से जीएसटी जैसे बड़े सुधार का रास्ता खुला, जिसका लंबे समय से इंतजार था। हमारी सरकार द्वारा किए गए 103वें संविधान संशोधन को भी लोगों ने सराहा। 1950 के बाद पहली बार आज हमारे संविधान का अपडेटेड वर्जन आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। इससे हमारा संविधान जनसामान्य के और करीब आया है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद भी हमारे देश में 1860 के दशक में, गुलामी के दौर में बनी दंड संहिता ही लागू रही। भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से हमने अपने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में मौलिक बदलाव लाने का प्रयास किया है। गुलामी के दौर की व्यवस्था में दंड पर जोर था। भारतीय न्याय संहिता का जोर नागरिक आधारित व्यवस्था और न्याय पर है।

बीते एक दशक में हमने नागरिकों के कर्तव्यों पर विशेष बल दिया है। यहां मैं एक और सच्चाई देशवासियों के साथ साझा करना चाहता हूं। हमारे इतिहास में ऐसे अवसर भी आए हैं, जब उन्हीं लोगों ने संविधान को कमजोर करने का रास्ता चुना, जिन पर इसकी रक्षा का दायित्व था। विडंबना देखिए कि ये वही लोग हैं, जिन्हें पांच दशकों तक देश की बागडोर संभालने का अवसर मिला।

इस वर्ष, 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के 75 साल पूरे हो चुके हैं। उस समय देश में एक ऐसी सरकार थी, जिसे जनता ने चुनकर नहीं भेजा था। उस सरकार ने अंतरिम संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल करके नागरिकों की मौलिक आजादी छीन ली थी। यह संशोधन देश के पहले आम चुनाव से कुछ ही महीने पहले किया गया था। इससे साफ है कि इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना और लोगों के विरोध की आवाज को दबाना था।

इसी प्रकार आपातकाल के दौरान किए गए 42वें संविधान संशोधन के भी 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस संशोधन ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सीमित किया और देश की संस्थाओं के बीच शक्तियों के संतुलन को बुनियादी रूप से बदल दिया। मैं युवाओं से यह भी आग्रह करूंगा कि वे 38वें और 39वें संविधान संशोधनों का भी अध्ययन करें। इससे वे समझ सकेंगे कि सत्ता की लालची और संविधान-विरोधी सोच रखने वाली सरकार किस स्तर तक जा सकती है।

चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए बार-बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग भी हमारे इतिहास का एक चिंताजनक अध्याय है। एक राजनीतिक दल के नाम करीब सौ बार आर्टिकल 356 थोपने का रिकॉर्ड दर्ज है। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्धशतक भी लगाया है।

हमारे संविधान निर्माताओं की अपेक्षा थी कि पूरे भारत में संविधान अपने मूल स्वरूप और अपनी मूल भावना के साथ लागू हो। लेकिन 70 साल से भी अधिक समय तक आर्टिकल 370 और 35-ए के कारण जम्मू-कश्मीर में हमारा पूरा संविधान लागू नहीं हो पाया। वहां एससी, एसटी, ओबीसी समाज और महिलाओं के अधिकारों का हनन होता रहा। 2019 में जाकर इस ऐतिहासिक अन्याय का अंत हुआ।

दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा, जो हमारे संविधान ने उसे दिए हैं। इस वर्ष नक्सलवाद के खात्मे से मुझे विशेष संतोष मिला है। अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी बिना किसी भय के अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। हमारे संविधान निर्माता, विशेषकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे।

हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं के स्मरण के बिना भी अधूरी है, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। नारीशक्ति को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को विपक्ष के एक प्रमुख दल ने पारित नहीं होने दिया। एक बार फिर उसने दिखाया है कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उसके मन में कितना कम सम्मान है। मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका स्पष्ट रूप से तय है। दुर्भाग्य से विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी आज विरोध पक्ष से ज्यादा अवरोध पक्ष बनती जा रही है। उसे समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालना, अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने का विकल्प कभी नहीं हो सकता। आज भारत एक बेहद अहम मोड़ पर खड़ा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के हमारे सामूहिक प्रयासों को दो सरल लेकिन शक्तिशाली मंत्र दिशा दे सकते हैं.. हमारी सोच में 'राष्ट्र प्रथम' और हमारे हर कार्य में 'कर्तव्य भाव'। इन दो मंत्रों को अपना मार्गदर्शक बनाकर और संविधान से शक्ति लेते हुए हम आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

–नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

संविधान की दुहाई, अंबेडकर की अनदेखी!



डॉ. सौम्या गुर्जर

न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व ये चार शब्द भारत के संविधान की प्रस्तावना में लिखे शब्द भर नहीं है। भारतीय राष्ट्र जीवन को दिशा देने वाले मूल्य हैं। भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का आधार है और इसकी सबसे बड़ी ताकत इसके पीछे निहित विचार हैं। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इन मूल्यों को केवल संवैधानिक प्रावधानों तक सीमित नहीं रखा। वे चाहते थे कि ये भारतीय समाज की जीवनशैली और सार्वजनिक व्यवहार का हिस्सा बनें। आज जब हम संविधान गौरव की बात करते हैं, तो यह केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का समय भी है कि हम बाबासाहेब के सपनों के भारत के कितने करीब पहुंचे हैं।

जिस संविधान को डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने देश के लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की बुनियाद बनाया, उसी संविधान में कांग्रेस ने अपने शासनकाल में 75 बार संशोधन किए। देश के संविधान में अब तक हुए 106 संशोधनों में से 75 संशोधन कांग्रेस के शासन के दौरान हुए। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस के लिए संविधान एक पवित्र राष्ट्रीय संकल्प था या सत्ता की सुविधा के मुताबिक बदलने वाला दस्तावेज? आज संविधान की प्रति हाथ में ले उसकी रक्षा का दावा करने वाली कांग्रेस को अपने इस इतिहास का जवाब देना चाहिए।

बाबासाहेब का संविधान सत्ता को निरंकुश बनाने के लिए नहीं, बल्कि सत्ता को मर्यादा में रखने के लिए था। उसका उद्देश्य हर नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का भरोसा देना था। लेकिन कांग्रेस का राजनीतिक इतिहास बताता है कि जब-जब सत्ता और संविधान के बीच चुनाव की स्थिति आई, कांग्रेस ने संविधान की मूल भावना से समझौता करने में संकोच नहीं किया। आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

नेहरू सरकार ने पहले ही संविधान संशोधन के जरिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमाएं लगाईं। इंदिरा गांधी के दौर में 24वें और 25वें संशोधन के जरिए संसद की शक्तियों और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन प्रभावित हुआ। फिर 1975 में आपातकाल लगा। विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई और नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। इसी दौर में 42वां संशोधन लाया गया, जिसे 'लघु संविधान' कहा गया। सत्ता को केंद्र में समेटने और न्यायिक स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश हुई। जिस संविधान को बाबासाहेब ने लोकतंत्र की ढाल बनाया था, कांग्रेस ने उसी को सत्ता बचाने का औजार बना दिया।

यह केवल संविधान के साथ कांग्रेस का व्यवहार नहीं था, बाबासाहेब के साथ भी उसका रवैया ऐसा ही रहा। कांग्रेस आज उन्हें अपना बताने की कोशिश करती है, लेकिन इतिहास में ऐसे कई प्रसंग हैं जो उसके दावों की पोल खोलते हैं। बाबासाहेब स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे, लेकिन नेहरू मंत्रिमंडल में उन्हें वह महत्व नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे। आर्थिक नीति, दलितों के सवाल, कश्मीर और विदेश नीति पर उनके विचारों की अनदेखी हुई। हिंदू कोड बिल को आगे बढ़ाने में नेहरू सरकार की अनिच्छा से वे निराश थे। अंतत: 1951 में उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा केवल एक मंत्री का पद छोड़ना नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था के प्रति असहमति थी जिसमें सामाजिक सुधार के सवालों को राजनीतिक प्राथमिकता नहीं मिल रही थी। कांग्रेस की उपेक्षा बाबासाहेब के निधन के बाद भी जारी रही। दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद रहा। उनके आवास को राष्ट्रीय स्मारक बनाने का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया गया। उन्हें भारत रत्न भी कांग्रेस सरकारों ने नहीं, बल्कि 1990 में दिया। आज जो पार्टी बाबासाहेब के सम्मान की बात करती है, उसे बताना चाहिए कि दशकों तक सत्ता में रहते हुए उसने उनके सम्मान के लिए क्या किया?

सामाजिक न्याय के मोर्चे पर भी कांग्रेस का रिकॉर्ड सवालों से घिरा है। वे धर्म के आधार पर आरक्षण और समाज को बांटने वाली राजनीति के समर्थक नहीं थे। कांग्रेस को बताना चाहिए कि वह बाबासाहेब के विचारों के साथ खड़ी है या अपने राजनीतिक तुष्टिकरण के एजेंडे के साथ?

भाजपा ने बाबासाहेब को केवल स्मरण नहीं किया, उनकी विरासत को सम्मान और संस्थागत पहचान देने का काम किया है। जनसंघ ने आपातकाल के बाद लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली के संघर्ष में भूमिका निभाई। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति-जनजाति के हितों को मजबूत करने वाले संवैधानिक कदम उठाए गए और सर्व शिक्षा अभियान के जरिए शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, राज्यों को ओबीसी सूची बनाने का अधिकार और महिलाओं के लिए संसद तथा विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून को भी मजबूत किया गया। बाबासाहेब के जीवन से जुड़े पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया। दिल्ली में अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाया गया, उनके लेखों और भाषणों का डिजिटलीकरण हुआ और 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की गई। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने 2010 में संविधान गौरव यात्रा का नेतृत्व किया था। संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' अभियान चलाया गया।

बाबासाहेब की सोच राष्ट्रीय एकता और समान नागरिक अधिकारों की भी पक्षधर थी। उन्होंने अनुच्छेद 370 का विरोध किया था। 2019 में मोदी सरकार ने इसे समाप्त कर राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिया। समान नागरिक संहिता और महिलाओं के समान अधिकारों को लेकर बाबासाहेब का दृष्टिकोण भी भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। आज कांग्रेस संविधान की किताब हाथ में लेकर राजनीति कर सकती है, लेकिन इतिहास के सवालों से बच नहीं सकती। बाबासाहेब का नाम लेना आसान है, उनके विचारों पर चलना कठिन। भाजपा का विश्वास है कि अंबेडकर की विरासत किसी परिवार की राजनीतिक जागीर नहीं, बल्कि राष्ट्र की धरोहर है। अंत्योदय और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ हम सामाजिक न्याय को जमीन पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यही बाबासाहेब के प्रति सच्चा सम्मान है।

आइए, इस संविधान दिवस पर हम संकल्प लें कि बाबा साहब के समतामूलक भारत के सपने को साकार करने, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान देंगे।

–डॉ. सौम्या गुर्जर, पूर्व महापौर, जयपुर ग्रेटर।

संविधान बचाने से पहले संविधान समझें!



सूर्य प्रताप सिंह राजावत

आज देश में लगभग प्रत्येक राजनीतिक दल, संगठन और सार्वजनिक मंच से लोकतंत्र बचाने, संविधान बचाने और राष्ट्र की रक्षा करने की आवाज सुनाई देती है। राजनीतिक विमर्श में संविधान और लोकतंत्र की चर्चा पहले से कहीं अधिक प्रमुखता प्राप्त कर रही है। लेकिन इस व्यापक विमर्श के बीच एक बुनियादी प्रश्न उठता है कि क्या हम वास्तव में उस संविधान को जानते और समझते हैं, जिसकी रक्षा करने का दावा किया जा रहा है? किसी भी विषय की रक्षा करने से पहले उसका वास्तविक स्वरूप, उद्देश्य और मूल भावना समझना आवश्यक है। संविधान के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। जब विभिन्न राजनीतिक दल यह दावा करते हैं कि संविधान खतरे में है अथवा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर संकट है, तब देश के युवा, नागरिक और मतदाता इतने जागरूक अवश्य होने चाहिए कि वे अपने विवेक और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह समझ सकें कि किस राजनीतिक दल की नीतियां, निर्णय और कार्य संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं तथा किन कार्यों से संविधान की मूल भावना प्रभावित होती है। लोकतंत्र में यह निर्णय राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान के ज्ञान, संवैधानिक सिद्धांतों और निष्पक्ष विवेक के आधार पर होना चाहिए।

इसी पृष्ठभूमि में 'संविधान जानो' (Know Your Constitution – KYC) अभियान की आवश्यकता महसूस होती है। इस अभियान की सफलता के लिए संविधान को केवल विधिक दस्तावेज अथवा कानून की पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं होगा। नागरिकों का इससे भावनात्मक, सांस्कृतिक और बौद्धिक जुड़ाव भी आवश्यक है। संविधान से जुड़े ऐसे रोचक और प्रेरणादायक तथ्यों का प्रचार होना चाहिए, जो प्रत्येक भारतीय में अपने संविधान के प्रति आत्मीयता और गौरव का भाव उत्पन्न करें। भारतीय संविधान की मूल प्रति इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण संदेश यह होना चाहिए कि प्रत्येक पीढ़ी को अपने समय के अनुरूप कुछ दायित्व प्राप्त होते हैं। संविधान सभा ने अपने समय में अनेक क्रांतिकारी निर्णय लिए। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, अस्पृश्यता का उन्मूलन, महिलाओं की समानता, बालश्रम के निषेध तथा उपाधियों की समाप्ति जैसे प्रावधान उस समय के सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ में दूरगामी परिवर्तनकारी कदम थे। आज की युवा पीढ़ी को भी यह समझना होगा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया निरंतर चलने वाली यात्रा है और प्रत्येक पीढ़ी की अपनी जिम्मेदारियां होती हैं। इसी दृष्टिकोण से समान नागरिक संहिता, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के प्रश्न तथा अन्य राष्ट्रीय और संवैधानिक लक्ष्यों पर लोकतांत्रिक विमर्श को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसी प्रकार विधायिका के सदस्यों के लिए न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता तथा विद्यालयों और महाविद्यालयों में एनसीसी की तर्ज पर अनुशासन, नागरिक कर्तव्य और राष्ट्रीय चेतना से संबंधित प्रशिक्षण जैसे विषयों पर भी व्यापक चर्चा हो सकती है।

संविधान में अनेक प्रावधान ऐसे हैं जिनका क्रियान्वयन अपेक्षित स्तर तक नहीं हो पाया है। इसी प्रकार न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं को यह समझना होगा कि विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता के बीच संवैधानिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक व्यवस्था की सर्वोच्चता को बनाए रखने का दायित्व भी सभी संस्थाओं और नागरिकों का है।

संविधान निर्माण की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझना भी इस अभियान का अनिवार्य अंग होना चाहिए। विभिन्न समितियों की सिफारिशों और विचारों को समाहित करते हुए प्रारूपण समिति ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में प्रारूप संविधान तैयार किया। अंतत: 26 न

राजस्थान जिला प्रमुख चुनाव 2026
जिलेवार विजेता प्रत्याशी एवं दल

जिले का नाम	विजेता प्रत्याशी	दल
अजमेर	पूजा भंसाली	भाजपा
अलवर	अनीता मीणा	कांग्रेस
बालोतरा	सुशीला	भाजपा
बांसवाड़ा	रीना	भारतीय आदिवासी पार्टी
बाड़मेर	गफूर अहमद	कांग्रेस
ब्यावर	ममता गुर्जर	कांग्रेस
भरतपुर	रेनू बाला	कांग्रेस
भीलवाड़ा	कैलाश चंद्र मीणा	कांग्रेस
बीकानेर	निकिता करवासरा	कांग्रेस
बूंदी	हंसा गुर्जर	कांग्रेस
चित्तौड़गढ़	रत्नी देवी	कांग्रेस
चूरू	कनिका सिंह	भाजपा
दौसा	बीना	कांग्रेस
डीडवाना-कुचामन	बुद्धाराम गर्वा	भाजपा
डीग	रेनू सिंह	भाजपा
धौलपुर	अनीशा सिंह	कांग्रेस
डूंगरपुर	अनुतोष रोत	भारतीय आदिवासी पार्टी
हनुमानगढ़	रेनू	कांग्रेस
जयपुर	यशवीर सूरा	कांग्रेस
जैसलमेर	संतोष कुमारी	कांग्रेस
जालौर	आसू राम	कांग्रेस
झालावाड़	वर्षा झाला	भाजपा
झुंझुनूं	कोमल भंवरिया	कांग्रेस
जोधपुर	प्रमिला चौधरी	कांग्रेस
खैरथल-तिजारा	इंद्रजीत यादव	भाजपा
कोटपूतली-बहरोड़	रामनिवास	कांग्रेस
नागौर	पांचूराम	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी
पाली	सीता	भाजपा
फलोदी	यशवंत कंवर	कांग्रेस
प्रतापगढ़	हकरी कुमारी	भाजपा
राजसमंद	सुंदर	कांग्रेस
सलूंबर	पुष्पा कुमारी मीणा	कांग्रेस
सवाई माधोपुर	आशा देवी	कांग्रेस
सीकर	सुनीता गठाला	कांग्रेस
सिरोही	गुमान सिंह	कांग्रेस
टोंक	अलका बैरवा	कांग्रेस
उदयपुर	हिम्मत सिंह झाला	भाजपा

वनरक्षक भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला गिरफ्तार

मूल अभ्यर्थी की जगह दूसरे युवक से दिलवाई थी परीक्षा

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी दिलवाने के मामले में दस हजार रुपए के इनामी आरोपी सौरभ मीणा उर्फ टिंकू मीणा (30) निवासी भुसावर जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को 23 नवंबर 2026 को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की ओर से आयोजित वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में गड़बड़ी को लेकर 26 सितंबर 2025 को एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था। जहां एसओजी की जांच में सामने आया कि मूल अभ्यर्थी भारत मीणा (28) निवासी भुसावर जिला भरतपुर की जगह डमी अभ्यर्थी दिनेश कुमार बिश्नोई (29) निवासी सांचौर जिला जालौर ने परीक्षा दी थी। डमी अभ्यर्थी दिनेश कुमार को एसओजी पहले ही 24 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर चुकी है।



आरोपी सौरभ मीणा उर्फ टिंकू

- आरोपित पर 10 हजार रु. इनाम घोषित कर रखा था एसओजी ने

एसओजी के अनुसार सौरभ मीणा उर्फ टिंकू और मूल अभ्यर्थी भारत मीणा एक ही परिवार के हैं। सौरभ लगातार दिनेश कुमार विश्नोई के संपर्क में था। वह उसे जयपुर के जगतपुरा से निजी टैक्सी में बैठाकर भरतपुर स्थित परीक्षा केंद्र ले गया था। जहां दिनेश ने भारत मीणा के स्थान पर परीक्षा दी थी।

इस मामले में सौरभ की मध्यस्थता सामने आने पर उसकी तलाश की जा रही थी और उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। एसओजी के अनुसार आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर पूछताछ की जा रही है।

प्रदेश में 15 शहरों का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे

जयपुर। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में धीरे-धीरे सर्दी परवान पर आने लगी है। प्रदेश के 15 शहरों का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 1.5 डिग्री के साथ माउंट आबू की रात सबसे सर्द रही। शेखावाटी और उसके आस-पास के इलाकों में भी तेज सर्दी का असर देखा गया।

मौसम विभाग के अनुसार अजमेर, अलवर, चित्तौड़गढ़, चूरू, डबोक, पिलानी, सीकर, वनस्थली, सिरोही, फतेहपुर, करौली, झुंझुनूं, माउंट आबू, नागौर और लूणकरणसर का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह मौसम साफ रहने और पारे में गिरावट की संभावना जताई है। प्रदेश में बाड़मेर सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 32.7 और न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर में भी अब सर्दी तेज होने लगी है। मंगलवार रात जयपुर के पारे में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर में बुधवार को भी दिनभर हल्की हवाएं चली। इससे पारे में और गिरावट आने की संभावना है। जयपुर का अधिकतम तापमान 27.7 और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर के दिन के पारे में भी मामूली गिरावट देखी गई है।

'प्रदेश में 9.64 लाख मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक उपलब्ध'

खाद की कम आपूर्ति करने वाली कंपनियों का आवंटन दूसरी कंपनियों को मिलेगा : मुख्य सचिव

जयपुर। प्रदेश में रबी फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को यूरिया और डीएपी की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। किसानों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था मजबूत की जाए। निर्धारित आवंटन के अनुरूप खाद नहीं भेजने वाली कंपनियों का आवंटन दूसरी सक्षम कंपनियों को अंतरित किया जाएगा।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने खाद आपूर्ति को लेकर बैठक ली।

- 30 नवंबर तक सभी जिलों में लागू होगी एफएफएस व्यवस्था; कालाबाजारी पर 31 एफआईआर दर्ज की, 12375 बैग जब्त

कृषि आयुक्त नरेश गोयल ने बताया कि अनुदानित उर्वरकों के औद्योगिक उपयोग में डायवर्जन और कालाबाजारी रोकने के लिए 12,141 डीलरों का निरीक्षण किया गया। 193 नमूने लिए, 1,282 फर्मों को नोटिस दिए, 64 प्रतिष्ठानों की बिक्री रोकी और 93 फर्मों के लाइसेंस निलंबित किए गए। वहीं 31 एफआईआर दर्ज कर 12,375 उर्वरक बैग जब्त किए गए। इनमें दौसा के बालाहेड़ा में पकड़ा गया अवैध डीईएफ यूरिया संयंत्र भी शामिल है।

मुख्य सचिव ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, एसएसपी, एनपीके और जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और उत्पादन लागत घटाने में मदद मिलेगी। बैठक में एग्रीस्टैक आधारित एफएफएस व्यवस्था की समीक्षा की गई। सिरोही और राजसमंद में सफल परीक्षण के बाद यह व्यवस्था 18 जिलों में लागू है और 30 नवंबर तक सभी जिलों में लागू होगी। फार्मर आईडी आधारित बुकिंग से खाद वितरण में पारदर्शिता आएगी और कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा।

मुख्य सचिव ने ग्राम सेवा सहकारी समितियों और केवीएसएस के माध्यम से गांवों तक खाद पहुंचाने तथा पीओएस मशीनों की तकनीकी समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में सहकारिता विभाग के शासन सचिव समित शर्मा तथा इफको, कृभको, आईपीएल, सीएफसीएल और एनएफएल सहित प्रमुख उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

10 महीने से फरार गांजा विक्रेता पकड़ा

जयपुर। सेज थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचने के मामले में करीब 10 महीने से फरार चल रहे आरोपी हाकम सिंह सांसी (53) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हाकम सिंह मूल रूप से टोंक जिले के दूनी थाना क्षेत्र के पोल्याडा गांव की सांसीयों की ढाणी का निवासी है। वर्तमान में वह बगरू की बंजारा कच्ची बस्ती, रीको एरिया में रह रहा था। आरोपी को 24 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उससे मादक पदार्थों के सप्लायरों और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशान्त किरण के अनुसार आरोपी संगठित रूप से अवैध मादक पदार्थों के खरीद-फरोख्त में शामिल रहा है। उसके खिलाफ मादक पदार्थों, हथकढ़ शराब और देशी शराब से जुड़े कुल आठ मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के सप्लायरों और अन्य संपर्कों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी उदय सिंह शेखावत के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 9 फरवरी 2026 को थानाधिकारी निरीक्षक राजेन्द्र गोदारा ने बंजारा कच्ची बस्ती, रीको एरिया बगरू में आरोपी के मकान के सामने कार्रवाई की थी। पुलिस के अनुसार आरोपी वहां अवैध रूप से गांजा और देशी शराब बेच रहा था। पुलिस वाहन देखकर वह गांजा, देशी शराब, बिक्री की राशि और मोबाइल फोन मौके पर छोड़कर झाड़ियों में भाग गया था। पुलिस ने मौके से 534 ग्राम शुद्ध गांजा, बिक्री के 2400 रुपए और मोबाइल फोन जब्त किए थे।

2028 चुनाव में फिर बनेगी भाजपा सरकार : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को पंचायती राज चुनावों में 10 जिलों में भाजपा के जिला प्रमुख बनने पर जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और भाजपा जनादेश का सम्मान करती है। पार्टी जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करती है। आगामी दो वर्षों में और अधिक गति से राजस्थान की सेवा की जाएगी तथा 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर से सरकार बनाएगी।

राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस को अपने कथित झूठे प्रचार के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर गलत बातें कहीं, ईवीएम को बदनाम किया और चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाए। अब जनता के सामने सच्चाई आ गई है। इसलिए कांग्रेस को जनता और भाजपा से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज चुनावों के परिणाम विधानसभा चुनावों की जीत की गारंटी नहीं होते। पूर्व में हुए चुनावों के परिणाम भी इस बात को साबित करते हैं। राजस्थान की जनता ने भाजपा को पांच साल के लिए सेवा का अवसर दिया है और पार्टी अगले दो वर्षों तक पूरी प्रमाणिकता एवं प्रतिबद्धता से काम करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की भरतपुर चुनाव को लेकर की गई टिप्पणी को अराजकता फैलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह किसी जिम्मेदार राजनेता का बयान नहीं हो सकता। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह संयम बनाए रखा, उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। राठौड़ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की कथनी और करनी में अंतर है। चूरू में भाजपा की जीत पर उनका बयान कुछ और होता है, जबकि ब्यावर में कांग्रेस की जीत पर उनका रुख बदल जाता है।

राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज चुनावों में मिली सफलता से कांग्रेस के नेता अतिउत्साहित होकर बयान दे रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के मुंह से सुशासन की बात करना बेमानी प्रतीत होता है, क्योंकि सुशासन और कांग्रेस का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कांग्रेस शासन में सरकार होटल से चलती हुई जनता ने देखी थी और इसका परिणाम कांग्रेस को 2023 के विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस को अहंकार से बचने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी क्षमता के साथ 2028 के विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देंगे।

मालवीय कॉन्वेंट स्कूल का 19वां वार्षिकोत्सव 28 को

जयपुर (कासं)। मालवीय कॉन्वेंट स्कूल का 19वां वार्षिकोत्सव "प्रयास" 28 नवंबर को स्टेच्यू सर्किल स्थित बिडला सभागार में शाम 4 बजे आयोजित होगा। स्कूल के निदेशक डॉ. सन्नी कपूर (सीए) ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व स्कूल के चेयरमैन राजीव अरोडा करेंगे, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईएएस महेन्द्र खींची होंगे।

निगम में 11 अधिकारियों के जोन बदले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम में मेयर सुनील कोठारी ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। निगम के 11 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां दी हैं। फेरबदल में पशुप्रबंधन, फायर, उद्यान, स्टोर, एनयूएलएम और अलग-अलग जोन शामिल हैं। मेयर ने कुछ ऐसे विभागों में भी अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली है, जिनके कामकाज को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं। वहीं उनके अधिकारियों के बीच सामंजस्य की कमी की बात कही जा रही थी।

नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर नरेंद्र कुमार बंसल ने बुधवार को आदेश जारी किए। इसमें करणी सिंह को पशु प्रबंधन विभाग से हटाकर किशनपोल जोन का उपायुक्त बनाया गया है। मनोहर लाल जाट को सिविल लाइंस जोन से पशु प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। निहारिका शर्मा को किशनपोल जोन से हटाकर झोटवाड़ा और वैशाली नगर जोन का उपायुक्त बनाया गया है। वहीं एपीओ चल रहे सुनील बैरवा को सिविल लाइंस जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निगम के प्रशासनिक फेरबदल में पवन कुमार शर्मा को विशेषाधिकारी मेयर की जिम्मेदारी दी गई है। इससे मेयर कार्यालय के कामकाज में समन्वय और प्रशासनिक संवाद की जिम्मेदारी उनके पास रहेगी। निगम में मेयर के कार्यभार संभालने के बाद यह बदलाव राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सार-समाचार

आरुटा ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत प्रोफेसर पद पर पदोन्नत वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के 8 वर्षों से लंबित वेतन निर्धारण एवं सेवा लाभों के निस्तारण की मांग को लेकर ऑल राजस्थान यूनिवर्सिटीज टीचर्स एसोसिएशन (आरुटा) एवं सोसाइटी फॉर पब्लिक ग्रीवेंस (एसपीजी), इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने शीघ्र समाधान के लिए हस्तक्षेप का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अध्यक्ष प्रो. बी. डी. रावत (पूर्व महासचिव-आरयूटीए, पूर्व सिंडिकेट सदस्य एवं पूर्व प्राचार्य-यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज) ने किया। उनके साथ महासचिव एवं पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो. बी. एल. गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रो. मधुसूदन शर्मा और प्रो. अनिल बंसल मौजूद रहे। ज्ञापन में बताया गया कि 98 सेवानिवृत्त शिक्षकों के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय ने 29 नवंबर 2018 को प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से सेवा लाभ देने के आदेश दिए थे। उच्च शिक्षा विभाग की स्वीकृति के बाद विश्वविद्यालय ने 25 सितंबर 2021 को पात्र शिक्षकों की प्रोफेसर पद पर पदोन्नित के आदेश जारी किए। यूजीसी नियमों और उच्च शिक्षा विभाग के 30 अप्रैल 2026 के पत्र का हवाला देते हुए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पदोन्नित पात्रता तिथि के आधार पर तय होनी चाहिए और प्रक्रिया में विलंब प्रशासनिक स्तर पर हुआ है। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, कुलगुरु प्रो. बी. पी. सारस्वत, विधायक एवं सिंडिकेट सदस्य गोपाल शर्मा तथा राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े को भी प्रकरण से अवगत करा चुका है। प्रो. बी. डी. रावत ने कहा कि वर्षों की सेवा के बाद वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसरों को वैधानिक वेतन निर्धारण और बकाया लाभों के लिए अनिश्चितता में रखना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने मुख्य सचिव से शीघ्र कार्रवाई कराने का आग्रह किया।

जयपुर में गूंजेंगे साहिर के नगमे

जयपुर। देशभक्ति और इंसानियत के शायर साहिर लुधियानवी की याद में विकल्प नाट्य संगठन की ओर से शनिवार, 28 नवंबर को सायं 5:30 बजे, रंगायन, जवाहर कला केंद्र में सास्कृतिक संध्या 'जश्ने-ए-साहिर - वो सुबह कभी तो आएगी' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रख्यात पत्रकार राजेश बादल द्वारा लिखित साहिर लुधियानवी की जीवनी 'ज़िंदगी का साथ निभाता चला गया का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर राजेश बादल इस महान शायर और नगमानिगार साहिर का जिंदगीनामा अपनी ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर साहिर के अमर नगमों की संगीतमय प्रस्तुति भी होगी, जिसमें शहर के नामचीन गायक कलाकार राजीव भट्ट, रेखा भट्ट, मनमोहन सिंह रावत, केशव तैलंग, यशवर्धन, ओम गोस्वामी, डॉ. कविता माथुर, पप्पू सिंह, भारती शर्मा और मनोहर पोपली अपनी आवाज़ का जादू बिखेरेंगे। शामिल होंगे। मुख्य आयोजक विकल्प के अध्यक्ष एम एल गोयल ने बताया कि इस संध्या का उद्देश्य नई पीढ़ी को साहिर की शायरी, उनके विचारों और मानवतावादी दृष्टिकोण से जोड़ना है। वो सुबह कभी तो आएगी सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि उम्मीद, बराबरी और बेहतर कल की आस का प्रतीक है। यह कार्यक्रम दर्शक कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट्स और राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सह आयोजक प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय सचिव प्रेमचंद गांधी ने बताया कि वर्षों बाद साहिर लुधियनवी की याद में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम जयपुर में होने जा रहा है। कार्यक्रम में दर्शकों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

भाजयुमो का युवा संवाद कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) राजस्थान की ओर से सीतापुरा स्थित रीजनल कॉलेज में बुधवार को युवा संवाद कार्यक्रम हुआ। "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" के मुख्य विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय महामंत्री हर्षवर्धन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजयुमो राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रिया शर्मा और गुर्दित सिंह की भी विशेष उपस्थिति रही। दोपहर 12 बजे प्रारंभ हुए इस संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और मोर्चा के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, समाज में अराजकता के विरुद्ध एकजुट होने तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

'संविधान भारतीय संस्कृति का प्रतिबिम्ब'

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा पवित्र ग्रंथ भर नही है बल्कि यह भारतीय संस्कृति का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। राज्यपाल बागडे ने संविधान दिवस (26 नवम्बर) की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि संविधान की उद्देशिका "हम भारत के लोग" देश में संप्रभुता और लोकतांत्रिक भारतीय मूल्यों का ही दर्शन है। संविधान की आस्था 'लोकतंत्रात्मक शासन पद्धित' में है। उन्होंने कहा कि संविधान का मूल भाव मानवता है। नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा हमारा संविधान देश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का घोषणा पत्र है। राज्यपाल ने कहा कि संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में दिए अपने पहले भाषण में "संवैधानिक नैतिकता" शब्द का प्रयोग किया था। यही हमारे गणतंत्र की पहचान है।

'मेजर मिनरल ब्लॉक ऑक्शन में राजस्थान पूरे देश में अव्वल, अब खान चालू करने पर जोर'

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अंतर्विभागीय मुद्दों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

जयपुर। राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 24 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। अब राज्य सरकार का फोकस नीलाम खानों को जल्द परिचालन में लाने और खनन गतिविधियों से निवेश, रोजगार व राजस्व बढ़ाने पर है।

- इस वित्तीय वर्ष में 24 मेजर और 716 माइनर मिनरल खानों को परिचालन में लाया गया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में खान विभाग से जुड़े अंतरविभागीय प्रकरणों की राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नीलाम खानों को परिचालन में लाने में भी राजस्थान को देश में अग्रणी बनाना है। इसके लिए संबंधित विभाग आवश्यक अनुमतियां जारी करने और खनन कार्य शुरू कराने में तेजी लाएं। उन्होंने अरावली जिलों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में खनिज अन्वेषण और खनन ब्लॉकों पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में भारतीय खान ब्यूरो, वन, नगरीय विकास, राजस्व और परिवहन विभाग से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने विभागों को आपसी समन्वय से लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोधपुर शहर से जुड़े खनिज ब्लॉकों में खनन अनुमति के लिए अलग से बैठक करने तथा खान और परिवहन विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर अवैध खनन परिवहन में लगे वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। साथ ही सिया-सेक स्तर पर लंबित पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) के प्रकरणों का तेजी से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि वित्तीय वर्ष में 55 मेजर मिनरल ब्लॉकों के साथ माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी का रोडमैप तैयार कर क्रियान्वयन किया जा रहा है। खानधारकों और संबंधित विभागों के बीच समन्वय के लिए पोस्ट ऑक्शन फैसिलिटेशन सेल बनाया गया है। मेजर मिनरल खानों के परिचालन में तेजी लाई गई है और अब तक 716 माइनर मिनरल खानों को परिचालन में लाया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि नीलाम खानों की पर्यावरण स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी आई है, लेकिन अभी और प्रयास जरूरी हैं। सिया-सेक द्वारा पर्यावरण स्वीकृति के प्रस्तावों पर निर्णय के समय संबंधित खानधारकों को भी बुलाने से लंबित औपचारिकताएं तत्काल पूरी कराई जा सकेंगी। उन्होंने जोधपुर, जयपुर-सांगानेर और कोटा सहित शहरी क्षेत्रों के खनन ब्लॉकों में स्वीकृतियां जारी करने पर जोर दिया, ताकि अवैध खनन रोका जा सके।

अपर्णा अरोरा ने कहा कि खनिज संपदा वाले चिन्हित क्षेत्रों में वन, राजस्व और नगरीय विकास विभाग किसी परियोजना या अन्य निर्णय से पहले खान विभाग से समन्वय करें। अवैध खनन परिवहन में लिप्त चिन्हित वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने तथा खनिज परिवहन वाहनों में गति नियंत्रक लगाने के आदेशों की सख्ती से पालना कराने की आवश्यकता भी जताई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वन आनंद कुमार ने अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संबंधित विभागों को शामिल करने और संरक्षण क्षेत्र घोषित करने से पहले खान विभाग से समन्वय करने की बात कही। अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास आलोक गुप्ता ने बताया कि बजरी से जुड़े प्रकरणों में अनुमति जारी कर दी गई है। सचिव परिवहन पुरुषोत्तम शर्मा ने गति नियंत्रक लगाने के निर्देशों की पालना के लिए अभियान चलाने और खान विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई करने की जानकारी दी। बैठक में सिया अध्यक्ष मुनिश गर्ग, विशिष्ट सचिव खान नम्रता वृष्णि, सिया सचिव शैलजा देवल, मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक केसीए अरुण प्रसाद, कोविता, उप सचिव राकेश कुमार, निदेशक खान एमपी मीणा, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, एसएमई जोधपुर देवेन्द्र गौड़, ओएसडी डॉ. अनुज सक्सेना, श्रीकृष्ण शर्मा सहित गृह, वन, राजस्व, परिवहन, खान तथा सिया के अधिकारी मौजूद रहे।

बैंड प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस का शानदार प्रदर्शन

जयपुर (कासं)। 27वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता-2026 में राजस्थान पुलिस के बैंड दलों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में 16 से 20 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस की महिला पाइप बैंड टीम ने स्वर्ण पदक, जबकि ब्रास बैंड टीम ने रजत पदक हासिल किया।

महिला पाइप बैंड टीम का नेतृत्व बैंड मास्टर पूनम सपेरा ने किया। टीम ने लगातार तीसरे वर्ष अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता में पदक जीतने की उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले महिला पाइप बैंड ने 26वीं प्रतियोगिता-2025 में कांस्य और 25वीं प्रतियोगिता-2024 में स्वर्ण पदक जीता था।

इसी प्रकार राजस्थान पुलिस की ब्रास बैंड टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। टीम का नेतृत्व बैंड मास्टर योगेन्द्र कुमार ने किया। इससे पहले ब्रास बैंड टीम 24वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता-2023 में भी रजत पदक जीत चुकी है। प्रतियोगिता में पदक जीतकर जयपुर लौटने पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने दोनों बैंड दलों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आर्म्ड बटालियन) रूपिंदर सिंघ, पुलिस उप महानिरीक्षक (आरएसी) श्वेता धनकड और पुलिस उप महानिरीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी बैंड वादकों को बधाई दी और उनका उत्साह बढ़ाया।

कश्मीर घाटी के 25 बच्चे राज्यपाल से मिले



सामाजिक चेतना अभियान के तहत भारत दर्शन यात्रा पर राजस्थान आए कश्मीर घाटी के 25 बच्चों ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। राज्यपाल ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कश्मीर के इतिहास, संस्कृति और उसे भारत से अलग करने के षड्यंत्रों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी राष्ट्र के विकास में समान भूमिका निभाएं, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

अजमेर जिला प्रमुख चुनाव में क्रॉस वोटिंग से भाजपा की पूजा भंसाली ने जीत दर्ज की

जिला प्रमुख चुनाव में भाजपा की पूजा भंसाली को 21 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी दशरथ कंवर को 11 वोट मिले

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिला परिषद में जिला प्रमुख पद पर भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया है। बुधवार को हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पूजा भंसाली ने कांग्रेस की दशरथ कंवर को 10 मतों से हराकर जीत दर्ज की। पूजा भंसाली को कुल 21 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी दशरथ कंवर को 11 वोट मिले। वहीं एक वोट नोटा के खाते में गया। पूजा भंसाली की जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपाइयों ने जिला परिषद परिसर के बाहर आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।



भाजपा की पूजा भंसाली अजमेर जिला परिषद में जिला प्रमुख पद पर विजयी घोषित हुई।

- जिला परिषद की 33 सीटों में से भाजपा ने 19, कांग्रेस ने 12 और आरएलपी ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की थी
- चुनाव परिणाम सामने आने के बाद कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग को लेकर चर्चाएं तेज हुई

जानकारी के अनुसार जिला प्रमुख पद के लिए बुधवार सुबह 10 बजे भाजपा की पूजा भंसाली और कांग्रेस की दशरथ कंवर अपने समर्थकों एवं पार्टी नेताओं के साथ जिला परिषद पहुंचीं। दोनों प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। जिला प्रमुख का पद महिला के लिए आरक्षित होने के चलते दोनों ही पार्टियों ने महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था। दोपहर करीब तीन बजे मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य मतदान के लिए पहुंचे। उनके साथ आरएलपी की उम्मीदवार गुलाबी देवी भी मौजूद थीं। इस दौरान मतदान शुरू नहीं होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने विरोध जताया। करीब सवा तीन बजे भाजपा प्रत्याशी और पार्टी के सदस्य भी मतदान के लिए पहुंचे। इसके बाद मतदान की प्रक्रिया पूरी करवाई गई। करीब चार बजे मतदान संपन्न होने के बाद मतगणना शुरू हुई। मतगणना के परिणाम सामने आते ही भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई।

कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग की आशंका :- चुनाव परिणाम सामने आने के बाद कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार जिला परिषद की कुल 33 सीटों में से भाजपा ने 19, कांग्रेस ने 12 और आरएलपी ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की थी। मतदान के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी को केवल 11 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के 12 सदस्य जीतकर आए थे। वहीं भाजपा के 19 सदस्य होने के बावजूद पूजा भंसाली को 21 वोट मिले। ऐसे में भाजपा को अतिरिक्त दो वोट मिलने और कांग्रेस के एक वोट कम होने को लेकर राजनीतिक गलियारों में क्रॉस वोटिंग के कयास लगाए जा रहे हैं।

नामांकन के दौरान पूर्व मंत्री रघु शर्मा कांग्रेस के साथ 13 सदस्यों के समर्थन का दावा कर रहे थे। इसके बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी को 11 वोट ही मिलना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं भाजपा को अपने 19 सदस्यों के मुकाबले 21 वोट मिलने से उसकी रणनीति सफल रही। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया तथा पूजा भंसाली को बधाई दी।

अजमेर के भिनाय में बाइक सवार तीन जनों ने युवक पर फायरिंग की

हमले में युवक के सीने में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया

अजमेर, (निसं)। जिले के भिनाय थाना क्षेत्र में फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सांतोला से अपने घर लौट रहे एक युवक पर बाइक सवार होकर आए तीन युवकों ने अचानक फायरिंग कर दी। हमले में युवक के सीने में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

- पुराने लेनदेन के विवाद में वारदात की आशंका, गंभीर हालत में अजमेर जेएलएन अस्पताल रेफर किया

जानकारी के अनुसार भिनाय थाना क्षेत्र के नांदसी पालडलिया निवासी महेन्द्र सांतोला से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाइक पर सवार होकर आए तीन युवकों ने उसे निशाना बनाते हुए गोली चला दी। गोली लगने से महेन्द्र गंभीर रूप से घायल होकर नीचे गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल महेन्द्र को तत्काल उपचार के लिए केकड़ी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर अजमेर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोली महेन्द्र के सीने में लगी है।

पीड़ित महेन्द्र के अनुसार वारदात के पीछे पुराने लेन-देन का विवाद होने की आशंका जताई जा रही है। इसी विवाद के चलते उस पर फायरिंग किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि फायरिंग के वास्तविक कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस आरोपियों की तलाश और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

एक वोट से झालावाड़ जिला प्रमुख बनीं भाजपा की वर्षा झाला

झालावाड़, (निसं)। जिला परिषद के जिला प्रमुख पद के चुनाव में बुधवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दोनों दलों के बीच कांटे की टक्कर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिला प्रमुख की कुर्सी का फैसला महज एक वोट से हुआ। भाजपा प्रत्याशी वर्षा झाला ने कांग्रेस की कुसुमलता मीणा

- भाजपा की वर्षा झाला ने कांग्रेस की कुसुमलता मीणा को 17-16 से शिकस्त दी

को 17 के मुकाबले 16 वोट हासिल कर शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही महज 21 वर्ष की वर्षा झाला झालावाड़ जिले की अब तक की सबसे युवा जिला प्रमुख बन गई हैं।



झालावाड़ की नवनिर्वाचित जिला प्रमुख वर्षा झाला

जानकारी के अनुसार जिला परिषद की कुल 33 सीटों में से 32 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने 16-16 सीटें जीतकर बराबरी की थी, जबकि एक सीट पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुई थीं। इसके चलते जिला परिषद में भाजपा का पलड़ा भारी माना जा रहा था। हालांकि जिला प्रमुख पद के चुनाव में दोनों दलों के बीच सीधा मुकाबला हुआ। मतदान के बाद जिला परिषद कार्यालय में हुई मतगणना में भाजपा ने 17-16 से जीत दर्ज कर जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया।

पहली बार चुनाव लड़कर सीधे शीर्ष पद तक पहुंची :- वर्षा झाला ने पहली बार जिला परिषद का चुनाव लड़ा और सीधे जिले की सबसे बड़ी पंचायती राज संस्था के शीर्ष पद तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। वर्षा राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके दादा पूर्व में पिड़ावा पंचायत समिति के प्रधान रह चुके हैं, जबकि उनके पिता प्रताप सिंह पूर्व सरपंच रहे हैं। वर्षा वर्तमान में बीएड की पढ़ाई कर रही हैं। इससे पहले उन्होंने राजनीति विज्ञान विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। जिला परिषद सदस्य के चुनाव में वर्षा झाला ने वार्ड संख्या 15 से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें 12,130 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सीमा कंवर को 7,333 मत प्राप्त हुए थे। जिला प्रमुख के चुनाव में उनका मुकाबला वार्ड संख्या 26 से निर्वाचित कांग्रेस प्रत्याशी कुसुमलता मीणा से हुआ। यहां मुकाबला बेहद करीबी रहा और वर्षा ने महज एक वोट से जीत हासिल कर सियासी समीकरण अपने पक्ष में कर लिए।

जिला प्रमुख निर्वाचित होने के बाद वर्षा झाला ने अपनी प्राथमिकताओं को लेकर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों और ग्राम पंचायतों का विकास उनकी पहली प्राथमिकता रहेगा। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और सांसद दुष्यंत सिंह को देते हुए पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

आपसी विवाद में व्यक्ति का अपहरण किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित शोभावतों की ढाणी में एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया। उसे गाड़ी में डालकर ले गए और फिर कॉल कर उसकी पत्नी को जान की धमकी दी गई। पीड़ित महिला ने कुछ लोगों को नामजद कर केस दर्ज कराया है। आरंभिक जांच में बताया गया कि इनके बीच आपसी विवाद चल रहा है। पुलिस अब जांच में जुटी है।

- अपहरण के बाद कॉल कर पत्नी को जान की धमकी दी

चौहाबो पुलिस ने बताया कि मूलत: पुरखावास चिंचड़ली हाल शोभावतों की ढाणी, मरूधर केसरी नगर में रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 19 नवंबर की रात को उसके पति को महेश, दिनेश उर्फ भाउड़ा, अशोक एवं रामनिवास आदि ने घर के बाहर बुलाया। बाद में उसे गाड़ी में डालकर अपहरण कर अपने साथ ले गए। बाद में महिला को धमकी दी गई कि उसके पति को मार दिया जाएगा। आरोपियों ने बाद में उसके पति को छोड़ दिया। पुलिस ने आरंभिक पड़ताल में बताया कि उनके बीच कोई विवाद चल रहा है। लेनदेन की भी आशंका है।

बैंक खाते से लाखों की राशि निकाली

सीकर, (निसं)। सीकर में एक युवक के बैंक खाते से 3.09 लाख रुपए निकलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मोहम्मद अयूब ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

शिकायत के अनुसार, 22 नवंबर को उनके बैंक खाते से 3.09 लाख रुपए निकल गए। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का मैसेज आने के बाद उन्हें खाते से रकम निकाले जाने की जानकारी मिली। युवक ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

सीकर, (निसं)। सीकर में 21 साल की युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इलाके के ही एक युवक ने पहले युवती से दोस्ती की और शादी का भरोसा दिलाया। इसके बाद उसे अपने गांव बुलाकर उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट भी की। युवती का आरोप है कि युवक ने कई बार उसे मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ रेप किया। अब आरोपी शादी करने से इनकार कर रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार 21 वर्षीय युवती की पहचान उसके ही इलाके में रहने वाले एक युवक से थी। युवक ने उससे बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे शादी करने का भरोसा दिलाने लगा। इसी दौरान आरोपी ने युवती को अपने गांव मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि वहां युवक ने युवती के साथ रेप किया। जब युवती ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने उसे यह कहकर भरोसा दिलाया कि वह उसकी होने वाली पत्नी है। युवती के अनुसार, इसके बाद भी आरोपी उसे कई बार मिलने के लिए बुलाता रहा और उसके साथ दरिंदगी करता रहा। अब आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया है।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। दरगाह थाना पुलिस ने एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पकड़ा।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक क्षेत्र में धारदार चाकू लेकर घूम रहा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए दरगाह थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और बताए गए स्थान पर पहुंचकर संदिग्ध युवक की तलाश शुरू की। इस दौरान पुलिस टीम ने युवक को पकड़कर उसकी तलाशी ली, जिसमें उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने चाकू को जब्त कर युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह चाकू लेकर किस उद्देश्य से घूम रहा था और किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना तो नहीं बना रहा था।

सास की हत्या करने वाले आरोपी को पकड़ा

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा पुलिस ने हत्या के एक मामले में कार्रवाई करते हुए अपनी सास की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या करने वाले वांछित आरोपी भोजराज भील को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस की विशेष टीम ने दीपपुरा घाटा के जंगलों से डिटेन कर गिरफ्तार किया है।

- वारदात के बाद से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस की विशेष टीम ने दीपपुरा घाटा के जंगलों से डिटेन किया

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि 17 नवंबर को चंद्रपुरिया निवासी प्रार्थी छोटूलाल भील ने रावतभाटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी के पूर्व पति भोजराज पुत्र मोहनलाल भील निवासी भील बस्ती झालरबावड़ी ने प्रार्थी की पत्नी मांगीबाई के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उनकी हत्या कर दी। रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रावतभाटा गोपाल सिंह कानावत के निर्देशन, पुलिस उपाधीक्षक शंकरलाल मीणा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी संजीव स्वामी के नेतृत्व में आरोपी भोजराज पुत्र मोहनलाल भील निवासी भील बस्ती झालरबावड़ी, चारभुजा, रावतभाटा की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी, लेकिन अभियुक्त अपने ठिकाने से फरार होकर छिपा रहा। इसके बाद 24 नवंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दीपपुरा घाटा के जंगलों से वांछित आरोपी भोजराज को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।

तीन लाख रुपए के लिए विवाहिता को घर से निकालने का आरोप

अजमेर, (निसं)। शहर के लोहागल क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। लोहागल निवासी विवाहिता रेनू मेघवाल ने अपने पति सन्नी मेघवंशी और ससुराल पक्ष के खिलाफ पुलिस अधीक्षक को परिवाद सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति और ससुराल पक्ष की ओर से पीहर से तीन लाख रुपए लाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे घर से बाहर निकाल दिया गया।

- विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ एसपी को परिवाद सौंपकर न्याय की गुहार लगाई
- विवाहिता ने पुलिस से अपने सोने-चांदी के आभूषण और पूरा स्त्रीधन वापस दिलाने की मांग की

पीड़िता ने परिवाद में बताया कि उसका विवाह 8 दिसंबर 2022 को हुआ था। विवाह के बाद 29 सितंबर 2024 को उसने एक पुत्र को जन्म दिया। इसी दौरान उसके पिता की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। पीड़िता का आरोप है कि पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाले मुआवजे की राशि को लेकर पति और ससुराल पक्ष ने उससे तीन लाख रुपए पीहर से लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। रुपए नहीं लाने पर उसे परेशान किया जाने लगा। विवाहिता के अनुसार, ससुराल में घर खर्च के लिए पर्याप्त राशि नहीं मिलने के कारण उसे नौकरी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, पति को उसका नौकरी करना पसंद नहीं था। आरोप है कि इसी बात को लेकर पति ने उसके साथ मारपीट की, जिसमें उसके शरीर के साथ दाहिनी आंख में भी चोट आई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे अपने बच्चे से अलग करने की धमकी दी गई तथा उसका स्त्रीधन और सोने-चांदी के आभूषण भी ससुराल पक्ष ने अपने पास रख लिए।

पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना करने के बाद उसे घर से निकाल दिया गया। इसके चलते अब उसे अपने बच्चे के साथ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक को परिवाद सौंपकर पति सहित ससुराल पक्ष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। विवाहिता ने पुलिस से अपने सोने-चांदी के आभूषण और पूरा स्त्रीधन वापस दिलाने के साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 387 दिनांक :- 23/11/2026

निविदा सूचना संख्या 11/2026-27

राजस्थान आवासन मण्डल की आवासीय योजना प्रताप नगर, जयपुर में पेयजल व सीवरेज का संचालन व संधारण का कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 02.12.2026 से 14.12.2026 को सायं 6:00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in** एवं मण्डल वेबसाईट **https://rhb.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

UBN No. :- RHB2627WSOB00238 & RHB2627WSOB00239

राज.संवाद/सी/26/13655 आवासीय अभियन्ता, पी.एच.ई. खण्ड-प्रथम, जयपुर

दूरभाष सं. 0141-2742548

राजस्थान सरकार

निदेशालय मत्स्य विभाग, पशुधन भवन, टोंक रोड, जयपुर

क्रमांकः एफ.2 (4) निम/लेखा/ठेका/2026-27/9543 दिनांकः-18/11/2026

जलाशयों में मत्स्याखेट अनुज्ञा हेतु ई-नीलामी बोली सूचना 07

मत्स्य विभाग के अधीन राज्य में स्थित विभिन्न श्रेणी के जलाशयों में वर्ष 2026-27 से 5 वर्ष के लिये मत्स्याखेट के अधिकार आंवटन हेतु इच्छुक पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-नीलामी बोलियां दिनांक 18.11.2026 से दिनांक 02.12.2026 को सांय 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। भाग लेने वाले प्रत्येक बोलीदाता को मत्स्य विभाग के NeML द्वारा संचालित E-Auction portal/market.neml.in पर पंजीयन कराना आवश्यक है। दिनांक 18.11.2026 से 01.12.2026 को सांय 5.00 बजे तक निर्धारित प्रक्रिया अनुसार बोली प्रपत्र एवं प्रकिया शुल्क तथा अमानता राशि जमा कराई जायेगी तथा हस्ताक्षिरत सारांश बोली दस्तावेज rjfisheries.neml.in पोर्टल पर अपलोड किये जायेगे। तत्पश्चात् दिनांक 02.12.2026 को प्रातः 11.00 बजे से सांय 2.00 बजे तक Online live Auction किया जायेगा। बोली की विस्तृत सूचना एवं शर्तें www.fisheries.rajasthan.gov.in तथा rjfisheries.neml.in पर learning awareness में देखी जा सकती है।

DIPR/C/18515/2026 (संचिता बिश्नोई) आई.ए.एस. निदेशक

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/229 - 231 Date :- 19/11/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या : 64/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 485.00 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	20.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 30.11.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	20.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 30.11.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	01.12.2026 को प्रातः 11:00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00376

राज.संवाद/सी/26/13601 अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 13)/2026/ई-17645

ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या (ERCC/RCC 13)/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारीं लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संठाहण के कुल 19 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/18631/2026 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

कांग्रेस की संतोष कुमारी ने राजस्थान की सबसे कम उम्र की जिला प्रमुख बनने का इतिहास रचा

21 वर्षीय संतोष कुमारी जैसलमेर जिला प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुई

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर जिला परिषद की नवनिर्वाचित जिला प्रमुख संतोष कुमारी ने महज 21 वर्ष की उम्र में राजस्थान की सबसे कम उम्र की जिला प्रमुख बनने का इतिहास रच दिया है। कांग्रेस के टिकट पर जिला परिषद वार्ड संख्या 21 से चुनाव जीतने के बाद संतोष कुमारी जिला प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुईं। उनके राजनीतिक सफर में चुनाव के चौथे चरण में होना भी एक महत्वपूर्ण संयोग साबित हुआ।

जानकारी के अनुसार संतोष कुमारी का जन्म 15 अक्टूबर 2005 को हुआ। यदि जैसलमेर में पंचायत चुनाव पहले चरण में होते और नामांकन 13 अक्टूबर को होता, तो उनकी उम्र 21 वर्ष पूरी होने में दो दिन कम रहती। ऐसी स्थिति में न्यूनतम आयु की पात्रता पूरी नहीं होने के कारण वे चुनाव नहीं लड़ पातीं। लेकिन चौथे चरण में चुनाव होने से 4 नवंबर को नामांकन के समय उनकी उम्र 21 वर्ष 19 दिन हो चुकी थी और वे चुनाव लड़ने के लिए पात्र हो गईं।

जैसलमेर जिला परिषद के कुल 21 वार्डों में कांग्रेस ने 20 वार्डों में जीत हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। वार्ड संख्या 21 से चुनाव



नवनिर्वाचित जिला प्रमुख संतोष कुमारी।

- जिला प्रमुख बनने के बाद संतोष कुमारी ने कहा कि जैसलमेर के प्रत्येक गांव और ढाणी में समान रूप से विकास करवाना उनका उद्देश्य है
- चौथे चरण में चुनाव होने से 4 नवंबर को नामांकन के समय संतोष कुमारी की उम्र 21 वर्ष 19 दिन हो चुकी थी और संतोष कुमारी चुनाव लड़ने के लिए पात्र हो गई

मैदान में उतरी संतोष कुमारी ने भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मी को 6,137 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की।

कांग्रेस के स्पष्ट बहुमत के चलते जिला प्रमुख चुनाव में उनके सामने किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया और वे निर्विरोध जिला प्रमुख चुनी गईं। संतोष कुमारी पोकरण क्षेत्र की निवासी हैं तथा उन्होंने पोकरण से 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। उनके पिता चौथाराम ग्रामसेवक हैं, जबकि उन्हें उनके ताऊ फकीराराम ने गोद लिया है। इसी कारण सरकारी दस्तावेजों में उनके पिता का नाम फकीराराम दर्ज है। जिला प्रमुख बनने के बाद अब संतोष कुमारी के सामने पूरे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी होगी।

उन्होंने कहा कि जैसलमेर के प्रत्येक गांव और ढाणी में समान रूप से विकास करवाना उनका उद्देश्य है। सभी के प्रति समान दृष्टिकोण रखते हुए विकास कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। महज 21 वर्ष की उम्र में जिले की ग्रामीण विकास व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालने वाली संतोष कुमारी की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित निजी अस्पताल के मोड़ पर डंपर चालक की लापरवाही से बाइक सवार युवक की जान चली गई। मृतक के भाई की तरफ से बनाड़ थाने में डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि रामदेव नगर, नांदड़ी निवासी देवेंद्र पुत्र गोविंदराम की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसका भाई 42 वर्षीय धनराज बाइक लेकर बोराडा डेयरी के पास सनसिटी अस्पताल के मोड़ से निकल रहा था। तब एक डंपर के चालक ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। बनाड़ पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। गाड़ी नंबर से चालक की पहचान की जा रही है। जांच एएसआई रामचंद्र की तरफ से की जा रही है।

16 साल बाद जयपुर की ग्रामीण सत्ता में कांग्रेस की वापसी

यशवीर सूरा बने जयपुर के 11वें जिला प्रमुख, 57 में से 42 वोट लेकर भाजपा के राजेश गुर्जर को हराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर की ग्रामीण राजनीति में बुधवार को सत्ता का समीकरण बदल गया। जिला परिषद् के जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस के यशवीर सिंह सूरा ने जीत दर्ज कर भाजपा के लगातार दबदबे को चुनौती दी और 16 साल बाद कांग्रेस की जिला परिषद सत्ता में वापसी का रास्ता साफ कर दिया। सूरा को 42 वोट मिले, जबकि भाजपा के प्रत्याशी राजेश गुर्जर को 14 मत हासिल हुए। इस जीत के साथ सूरा जयपुर जिला परिषद के 11वें जिला प्रमुख बन गए हैं।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2010 में कांग्रेस के हजारीलाल नागर जिला प्रमुख बने थे। उसके बाद 2015 में भाजपा के मूलचंद मीना और 2021 में भाजपा की रमा देवी चौपड़ा ने जिला प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली। अब 2026 में कांग्रेस ने फिर जिला परिषद की कमान अपने हाथ में लेकर भाजपा के ग्रामीण राजनीतिक वर्चस्व को बड़ा झटका दिया है।

- **भाजपा के 13 सदस्यों के बावजूद प्रत्याशी को मिले 14 वोट, आरएलपी का एक सदस्य वोट देने नहीं पहुंचा**

इस चुनाव में कांग्रेस की जीत का आधार उसके सदस्यों की संख्या रही। कुल 57 सदस्यीय जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस के 42 सदस्य निर्वाचित हुए थे। भाजपा के पास 13 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के दो सदस्य थे। कांग्रेस ने अपने सभी सदस्यों को एकजुट रखते हुए सूरा के पक्ष में मतदान कराया। वहीं भाजपा के 13 सदस्यों के मुकाबले उसके प्रत्याशी को 14 वोट मिले। यह एक अतिरिक्त मत चुनावी गणित में चर्चा का विषय बना रहा। आरएलपी के दो सदस्यों में से एक मतदान के लिए नहीं पहुंचा।



जयपुर जिला प्रमुख यशवीर शूरा (माला पहने हुए)



जयपुर जिला प्रमुख के मतदान के बाद कांग्रेस ने सदस्यों को बाड़ेबंदी में भेजा।



जयपुर जिला परिषद् में मतदान के बीच कांग्रेस नेताओं और पुलिस में खींचतान हुई।

भाजपा की ओर से राजेश गुर्जर ने नामांकन दाखिल किया था। कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए जाने के बाद नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी हुई और मुकाबला सीधे दोनों दलों के बीच रहा। मतदान के लिए 57 में से 56 सदस्य पहुंचे।

सूरा यूथ कांग्रेस में रहे सक्रिय, सुबह बने आधिकारिक प्रत्याशी

सूरा जयपुर जिला परिषद के वार्ड 28 से सदस्य हैं और युवा कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं। कांग्रेस ने चुनाव के दिन सुबह ही उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी थी। पार्टी ने युवा नेतृत्व को ग्रामीण सत्ता की जिम्मेदारी सौंपकर संगठन में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया।

बाड़ेबंदी में भेजे गए कांग्रेस जिला परिषद सदस्य

कांग्रेस ने जीत के बाद अपने जिला परिषद सदस्यों को वापस बाड़ेबंदी में भेज दिया। गुरुवार को उप जिला प्रमुख के चुनाव के लिए सदस्यों को फिर जिला परिषद परिसर लाया जाएगा।

कांग्रेस की जीत पर आतिशबाजी

जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस की जीत के बाद परिषद परिसर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। विजयी होने की खुशी में आतिशबाजी की गई और मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस दौरान कांग्रेस समर्थकों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

जीत के बाद सूरा से मिले भाजपा प्रत्याशी राजेश गुर्जर, दी बधाई

जयपुर जिला परिषद जिला प्रमुख चुनाव में मतगणना समाप्त होने और जीत दर्ज करने के बाद नव निर्वाचित जिला प्रमुख यशवीर सूरा से भाजपा प्रत्याशी राजेश गुर्जर ने मुलाकात की। इस दौरान राजेश गुर्जर ने सूरा को जीत की बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दोनों नेताओं की यह मुलाकात राजनीतिक सौहार्द्र का संदेश देती नजर आई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस यूथ अध्यक्ष अभिषेक चौधरी भी यशवीर सूरा के साथ मौजूद रहे। जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा।

विकसित जयपुर बनाएंगे : सूरा

नव निर्वाचित जिला प्रमुख यशवीर सूरा ने जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जीत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सूरा ने दावा किया कि 2028 में राजस्थान में कांग्रेस और 2029 में केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। सूरा ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को ऐतिहासिक जनादेश दिया है। इसके लिए उन्होंने जयपुर की जनता, जिला परिषद के 42 सदस्यों, कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का धन्यवाद किया। विकास को लेकर सूरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाना, गांव-ढाणियों की समस्याओं का समाधान, युवाओं को सशक्त करना और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बोर्ड ग्रामीण जयपुर के विकास के लिए काम करेगा और एक सुनहरा, विकसित जयपुर बनाने का प्रयास करेगा।

कलेक्ट्री चौराहे पर लगा लंबा जाम

जयपुर जिला परिषद के जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस के यशवीर सिंह सूरा की जीत का परिणाम घोषित होने के बाद शहर में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। देर शाम कलेक्ट्री चौराहे पर लंबा जाम देखने को मिला। इसके साथ ही आस-पास के कई मार्गों पर वाहनों की कतारें लग गईं। जाम के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात लंबे समय तक धीमी गति से चलता रहा। चुनाव परिणाम के बाद कलेक्ट्री चौराहे और आस-पास के रास्तों पर यातायात का दबाव बढ़ गया। देर शाम तक जाम की स्थिति बनी रही। कई वाहन चालक अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी देर तक रास्तों में फंसे रहे।

कांग्रेस ने सुबह घोषित किया नाम

कांग्रेस ने चुनाव के दिन सुबह यशवीर सिंह सूरा को जिला प्रमुख प्रत्याशी घोषित किया। सूरा वार्ड 28 से जिला परिषद सदस्य हैं और युवा कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं। भाजपा ने राजेश गुर्जर को मैदान में उतारा। दोनों प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए।

नामांकन वापसी का समय समाप्त होने के बाद कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशी मैदान में रहे। मतदान दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया था। समय से पहले मतदान पूरा होने पर मतगणना शुरू की गई।

मतदान के बीच परिसर के बाहर हंगामा

मतदान के दौरान कांग्रेस नेताओं ने जिला परिषद के मुख्य द्वार से अंदर जाने का प्रयास किया। पुलिस जवानों के साथ खींचतान हुई। कांग्रेस विधायक विद्याधर चौधरी की पुलिस अधिकारियों से बहस हुई। बातचीत के बाद मामला शांत हुआ और मतदान प्रक्रिया जारी रही।

57 में से 56 सदस्यों ने किया मतदान

जिला परिषद के कुल 57 सदस्यों में से 56 ने मतदान किया। वार्ड 15 से आरएलपी सदस्य मतदान के लिए नहीं पहुंचे। यशवीर सूरा को 42 और राजेश गुर्जर को 14 वोट मिले। कांग्रेस ने जीत के बाद अपने सदस्यों को वापस बाडेबंदी में भेज दिया।

सफाई व्यवस्था जांचने सड़कों पर घूमे महापौर सुनील कोठारी



महापौर सुनील कोठारी ने बुधवार सुबह कई घंटों तक सड़कों पर घूम-घूमकर सफाई व्यवस्था जांची।

जयपुर। शहर की सफाई व्यवस्था को जांचने के लिए बुधवार सुबह महापौर सुनील कोठारी फील्ड में उतरे। कई घंटों तक सड़कों पर घूम-घूमकर मुख्य सड़कों के साथ गलियों की सफाई देखी और जहां पर गदंगी मिली वहां पर अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर कार्रवाई करवाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सफाई व्यवस्था के निरीक्षण की शुरूआत महापौर ने स्टेच्यू सर्किल से की। महापौर ने सिविल लाइन और विद्याधर नगर जोन के अलग-अलग हिस्सों में जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सुबह 9 बजे महापौर सबसे पहले स्टेच्यू सर्किल पहुंचे। इसके बाद तिलक मार्ग, डियर पार्क सचिवालय के आसपास का क्षेत्र अशोक उद्यान, चौमूं हाउस सर्किल, रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस डिपो, अंबाबाड़ी सर्किल, परशुराम गैराज सर्किल, मंदिर मोड विद्याधर नगर सहित विभिन्न स्थानों की सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। महापौर ने अतिक्रमण और गदंगी देखकर मौके पर ही दुकानदारों के चालान भी कटवाए। जयपुर जंक्शन पर सुलभ शौचालय का भी निरीक्षण किया। एक स्थान पर शौचालय बंद मिला तो ताला तुड़वाकर उसे चालू करवाया।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी स्मैक के नशे का आदी है और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए मोटरसाइकिलें चुराकर औने-पौने दामों में बेच देता था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी निरीक्षक सुनील गोदारा के अनुसार दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर राजेश उर्फ सन्नू (31) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी मूल रूप से करौली जिले के टोडाभीम तहसील के नांगल शेरपुर गांव का निवासी है। वर्तमान में वह खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में बंध्या रोड स्थित नारायण सिटी में नारायण होटल के पास गोविन्द प्रजापत के मकान में किराए पर रह रहा था। आरोपी मौका देखकर राह चलते या लावारिस खड़ी मोटरसाइकिलें चुराता था और उन्हें कम कीमत पर बेचकर मिलने वाली रकम नशे पर खर्च करता था।

आई.डी.बी.आई. बैंक के निजीकरण के विरोध में जयपुर में बैंककर्मियों का विरोध प्रदर्शन

'3 दिसंबर की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में राजस्थान के बैंक कर्मचारी पूरी ताकत से भाग लेंगे'

जयपुर । आईडीबीआई बैंक के निजीकरण और विदेशीकरण के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आव्हान पर बुधवार को बगड़िया भवन, सी-स्कीम स्थित आईडीबीआई बैंक के सामने बैंक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सभा की। प्रदर्शन में ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन और ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन से जुड़े आईडीबीआई सहित विभिन्न बैंकों के कर्मचारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आईडीबीआई बैंक के निजीकरण और विदेशीकरण को तत्काल रोकने की मांग की।

सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज यूनियन (एआईबीईए) के उप महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा ने कहा कि आईडीबीआई बैंक देश की जनता की संपत्ति है और इसे निजी एवं विदेशी हाथों में सौंपना देशहित के खिलाफ है। यह केवल आईडीबीआई कर्मचारियों का नहीं, बल्कि सार्वजनिक बैंकिंग तंत्र को बचाने का सवाल है।

यूनियन के चेयरमैन आरजी शर्मा ने कहा कि 3 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल में राजस्थान के लाखों बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी पूरी ताकत से भाग लेंगे। उन्होंने निजीकरण की नीति वापस लेने की मांग करते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

सभा को सचिव महेश शर्मा, एमएस भटेजा और राम बाबू गुप्ता ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि हड़ताल से पहले प्रदेश के विभिन्न केंद्रों पर प्रदर्शन, काली पट्टी धारण करने और ट्विटर (एक्स) अभियान चलाया जाएगा।

सार-समाचार

"मुस्कानों के पीछे" चित्रकला प्रदर्शनी



जयपुर। जवाहर कला केंद्र की सुरेख आर्ट गैलरी में समकालीन चित्रकार डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा की एकल चित्रकला प्रदर्शनी "मुस्कानों के पीछे" का बुधवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार एवं तक्षमन-28 आर्ट ग्रुप, उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. विद्यसागर उपाध्याय तथा सृष्टि आर्ट ग्रुप सोसायटी, जयपुर के अध्यक्ष डॉ. नथूलाल वर्मा रहे। प्रो. सारस्वत ने कलाकार की मौलिक कलात्मक दृष्टि की सराहना करते हुए कला विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर विकसित करने, कला बाजार को समझने और नए मंच तलाशने का सुझाव दिया। डॉ. विद्यसागर उपाध्याय एवं डॉ. नथूलाल वर्मा ने भी चित्रों में अभिव्यक्त मानवीय संवेदनाओं और कलात्मक शैली की प्रशंसा की। प्रदर्शनी में मानवीय जीवन, पारिवारिक संबंधों, सामाजिक परिवेश और भीतर छिपे संघर्षों को राजस्थान की सांस्कृतिक संवेदना, रंगों और लोकजीवन के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। चित्रों के जरिए कलाकार ने मुस्कान के पीछे छिपी भावनाओं, जिम्मेदारियों, इच्छाओं और अनकही कहानियों को सामने लाने का प्रयास किया है। दर्शकों ने चित्रों को अपने जीवन और अनुभवों से जोड़कर सराहा। इस अवसर पर प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. तनुजा सिंह, प्रो. आई. यू. खान, डॉ. अमिता राज गोयल, विनय शर्मा, चिंतन उपाध्याय, मनीष शर्मा, मोहम्मद सलीम, कृष्ण महावर, रितिका गर्ग, प्रेम शंकर, हरि सिंह भाटी, विनय त्रिवेदी, डॉ. हरकेश मीणा, अर्चना मीणा और निशा मीणा सहित अनेक कलाकार, कला समीक्षक, शोधार्थी एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी 30 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 7 बजे तक सुरेख आर्ट गैलरी में खुली रहेगी।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन



जयपुर। जयपुर के निर्वाण विश्वविद्यालय के ज्ञानधारा केंद्रीय पुस्तकालय एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग ने अपने संदेश में कहा कि पुस्तकें ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। विद्यार्थियों को नियमित पठन की आदत विकसित कर पुस्तकों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। इस दौरान कहानी लेखन एवं वाचन, पोस्टर निर्माण, अंत्याक्षरी, म्यूजिकल चेयर, समूह चर्चा, भाषण प्रतियोगिता, एपीए शैली में संदर्भ सूची निर्माण तथा नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गत 16 नवंबर को आयोजित उदघाटन समारोह में निर्वाण विश्वविद्यालय के कर्नल डॉ. जसपाल सिंह ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के बजाय पुस्तकों के अध्ययन को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. एस. एल. गोदारा ने नियमित पठन की आदत विकसित करने के लिए सप्ताह में दो दिन पुस्तकालय कालांश निर्धारित करने का सुझाव दिया। उपकुलपति डॉ. भावना देथा ने अपने संदेश में कहा कि पुस्तकें विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता एवं आलोचनात्मक चिंतन को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव डॉ. सी. एम. राजोरिया ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन एवं पुस्तकों के माध्यम से अपने जान और व्यक्तित्व को समृद्ध करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम संयोजक एवं मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रीना आनंद ने कहा कि पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र हैं, जो ज्ञान के साथ जीवन को सही दिशा प्रदान करती हैं। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

जयपुर में साइबर ठगों का आतंक

ट्रेडिंग में मुनाफे और कस्टमर केयर सर्विस के नाम पर ठगी तथा बैंक खाते हैक करने जैसे मामले सामने आए

जयपुर (कासं)। राजधानी में साइबर ठग लगातार लोगों को निशाना बना रहे हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में साइबर ठगी के आधा दर्जन मामले सामने आए हैं। कहीं ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपए ठग लिए गए तो कहीं कस्टमर केयर पर कॉल करना भारी पड़ गया। ऑनलाइन धमकी देकर भी लोगों से रकम ऐंठी गई। वैशाली नगर में एक व्यक्ति से 64 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मोतीडूंगरी थाना क्षेत्र के सेठानी जी का बाग निवासी तरु अग्रवाल (48) को ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 9 लाख 31 हजार 36 रुपए ठग लिए गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 23 नवंबर को मामला दर्ज किया।

गांधी नगर थाना क्षेत्र में 72 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद जैन से 94,140 रुपए की ठगी हुई। उन्होंने 25 अक्टूबर को टाटा 1एमजी की डिलीवरी जल्दी करवाने के लिए कस्टमर केयर नंबर पर कॉल किया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे 5 रुपए ट्रांसफर करने को कहा। पीड़ित ने फोन-पे के जरिए इंडसइंड बैंक खाते से भुगतान का प्रयास किया, जिसके बाद उनका खाता हैक कर 94,140 रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए गए।

वैशाली नगर की गंगासागर कॉलोनी निवासी 69 वर्षीय हरि सिंह बुंदेला को ऑनलाइन डराने और चोट पहुंचाने की धमकी देकर एक लाख रुपए ठग लिए गए। वहीं हनुमान नगर निवासी रिकू लाल गौतम (36) के साथ 64 लाख रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में जीरो नंबर एफआईआर के आधार पर वैशाली नगर थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज किए हैं। चित्रकूट थाना क्षेत्र में भी साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं। शालीमार बाग निवासी कपिल जालान के साथ अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की, जबकि सेक्टर-6 निवासी सर्वज्ञ गुप्ता को टेलीग्राम के जरिए ठगी का शिकार बनाया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने 23 नवंबर को मुकदमे दर्ज किए। पुलिस के अनुसार सभी मामलों में बैंक खातों, ऑनलाइन लेन-देन, मोबाइल नंबर और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

डीसीपी करण शर्मा ने जनसुनवाई की



जयपुर। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बुधवार को गलता गेट पुलिस थाने में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान परिवादियों की ओर से प्रस्तुत शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निस्तारण किया गया। जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम आलोक सिंघल और गलता गेट थानाधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा मौजूद रहे। पुलिस उपायुक्त ने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पुलिस का उद्देश्य शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना है। इस दौरान उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

पुलिस के अनुसार जयपुर उत्तर जिले के अधीनस्थ थानों में प्रत्येक बुधवार को जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के तहत सभी थानों में आमजन की शिकायतें सुनकर उनका प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा।

पेट्रोल पंप के पास खड़ी कार में आग लगी

जयपुर (कासं)। शहर के कर्बला इलाके में पेट्रोल पंप के पास खडी एक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। कार से आग की लपटें उठती देख पेट्रोल पंप कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। खास बात यह रही कि आग की चपेट में आई कार से महज 20 मीटर की दूरी पर पेट्रोल से भरा टैंकर खड़ा था। ऐसे में आग फैलने पर बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने तत्काल फायर सिलेंडर लेकर आग

- **पंप कर्मचारियों और मौके पर मौजूद युवकों की सूझबूझ से 20 मिनट में आग पर काबू पाया गया**

बुझाने का प्रयास शुरू किया। कुछ युवक भी अपनी जान की परवाह किए बिना मदद के लिए आगे आए।

करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। समय रहते आग बुझने से संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें कार में आग लगते ही कुछ लोग मौके से दूर जाते दिखाई दे रहे हैं, जबकि पंप कर्मचारी और कुछ युवक आग बुझाने में जुटे नजर आ रहे हैं।

आग बुझने के बाद कार चालक ने दूसरी गाड़ी की मदद से कार को टोचिंग करवाया और मौके से रवाना हो गया। बताया गया कि कार रामगढ़ मोड़ होते हुए जयसिंहपुरा खोर की ओर जा रही थी। कार में आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

सोने की चेन लेकर बदमाश फरार

जयपुर । माणक चौक थाना क्षेत्र के हल्दियों का रास्ता स्थित शारदा चेन शोरूम में ग्राहक बनकर आए एक व्यक्ति ने दो सोने की चेन चोरी कर ली। वारदात 12 नवंबर को शाम करीब 5 बजे हुई। शोरूम मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शोरूम मालिक दीपक महरवाल (49) निवासी देव चिरंजीव कॉलोनी गोपालपुरा बाईपास ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी ग्राहक बनकर शोरूम में आया और मौका पाकर दो सोने की चेन लेकर फरार हो गया।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि पीड़ित ने वारदात का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध करवाया है। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है।

ARBiT
it happens here...



A Sweet Celebration of Joy and Togetherness

National Cake Day, observed on 26 November, is a light-hearted yet delightful celebration of one of the world's most beloved desserts. From classic sponges and rich chocolate truffles to regional favourites like fruit-based or cream-filled varieties, cake symbolises celebration, comfort, and shared moments. The day encourages people to bake, share, and indulge, reminding us how food can bring people together across cultures and generations. Whether it marks birthdays, festivals, milestones, or simple joy, cake carries a sense of warmth and nostalgia. National Cake Day is not just about dessert, it's about happiness served by the slice.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
26 November 2026
A-B

#DIANCUI

The Secret Behind the Blue

Qing dynasty jewellery often combined these vivid blue feathers with gold, pearls, coral, glass and semi-precious stones





Why did traditional Chinese jewellery glow in such an extraordinary shade of blue? It was not paint, turquoise or enamel. The colour came from the brilliant feathers of a kingfisher, painstakingly attached to precious metal in an ancient decorative technique known as dian cui (also called tian tsui), meaning kingfisher feather decoration.

The technique involved craftsmen carefully cutting tiny pieces of iridescent kingfisher feathers and attaching them to metal surfaces, often using delicate gold or silver settings. The result looked almost like enamel or precious gemstones, producing a brilliant blue that could shift towards turquoise and green depending on the angle of the light.

Unlike ordinary pigments, the colour was not created by dye. It came from the microscopic structure of the feathers, which reflected and scattered light in extraordinary ways. This phenomenon, known as structural colour, gave the ornaments their distinctive iridescent appearance, making the blue particularly difficult to reproduce using conventional materials.

Although the technique had much older roots, it reached remarkable levels of refinement during China's Ming (1368-1644) and Qing (1644-1912) dynasties. Kingfisher feather decoration was not restricted to tiny hairpins. It appeared on elaborate headdresses, earrings, hair ornaments, fans and other luxury objects.

Qing dynasty jewellery often combined these vivid blue feathers with gold, pearls, coral, glass and semi-precious stones. The contrast between the metallic settings and the shimmering feathers created elaborate ornaments that reflected the craftsmanship and aesthetic preferences of the imperial elite.

The trade behind this fashion also had an international dimension. Kingfisher feathers were sourced through networks extending beyond China, including Southeast Asian regions such as Cambodia and Siam, present-day Thailand. The demand for these feathers connected Chinese luxury craftsmanship with wider regional trading networks.

However, the beauty of dian cui came at a cost. The process required real feathers, and thousands of birds were killed to supply the luxury trade over time. As conservation awareness and changing attitudes towards wildlife grew, the use of kingfisher feathers declined.

Today, surviving examples of dian cui jewellery are valued as remarkable records of traditional Chinese craftsmanship. Their extraordinary blue remains a reminder of how artisans once transformed something as delicate as a bird's feather into an object of dazzling luxury.





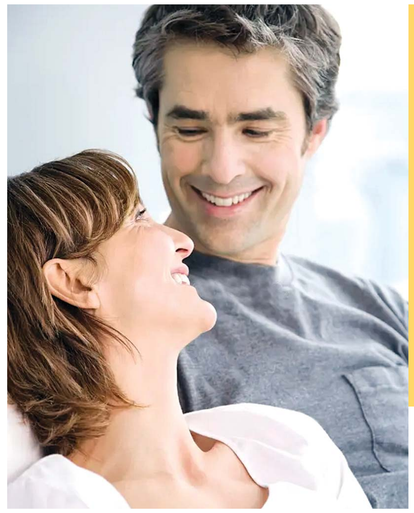

Holding hands is one of the simplest and most powerful gestures. Young couples may hold hands because they are in love; older couples sometimes hold hands because they have become accustomed to facing the world together. There is a subtle difference. For an elderly couple, holding hands may contain memories of decades of journeys, hospital visits, family celebrations and difficult moments.

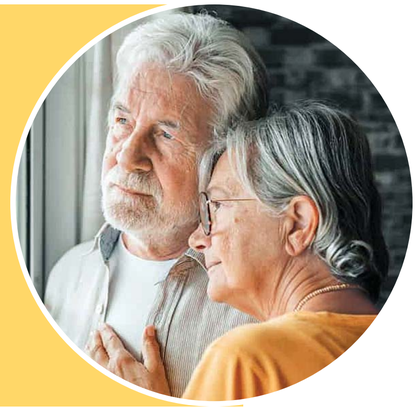

Not a word spoken





Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

There is something fascinating about the way married couples communicate. After years of living together, they seem to develop a non-verbal private language for which no dictionary exists. A raised eyebrow, a pause, a glance across the dining table or even the way one puts down a cup of tea can convey a message far more clearly than a long conversation.

I have often wondered at this silent communication between husband and wife. They can sometimes complete each other's sentences, know what the other is about to say, and understand a thought that has not yet been expressed. It is almost as though two people, who have lived together for decades, gradually acquire a common vocabulary of gestures, expressions and silences.

The remarkable thing is that this language is not confined to affection. Love and anger are communicated with equal efficiency. A husband may merely look at his wife when a guest says something amusing and she immediately understands what he is thinking. The same husband may give her a particular look when she is about to reveal something he would rather keep private. She needs no explanation.

One look says, "Please stop."

Another says, "I told you so."

A third may say, "Let us discuss this later."

Sometimes, the communication is in the wrinkled forehead. At other times, it is in the eyes. Most dangerously, it is in the silence.

There are several other fascinating forms of communication that develop between couples.

One of them is anticipation. After many years together, spouses begin to know each other's requirements before they are expressed. A wife may notice that her husband has started looking around the room and quietly bring his reading glasses. A husband may see his wife searching through a cupboard and say, "It is on the second shelf," even before she asks where a particular item is.

This can look almost like mind-reading to an outsider. In reality, it is accumulated observation. Years of living together have taught them the other person's habits.

The same anticipation can extend to food. A wife knows that her husband will remove the chilies from his plate. A husband knows that his wife will leave the last piece of the favourite sweet for him, although she will insist that she did not want it. The plate itself becomes a means of communication.

Then, there is the communication of routine. Every household develops rhythms that outsiders may not notice. The sound of the front door closing may tell one spouse whether the other is tired, cheerful or irritated. The manner in which the newspaper is folded may indicate whether the reader is relaxed or preoccupied. Even the morning cup of tea can become a ritual with its own grammar.

"Tea?"

"No."

"Are you sure?"

"Yes."

A few minutes later, the cup arrives anyway.

That is not merely hospitality. It is communication based on experience. A marriage gradually develops its own vocabulary of touch. In the beginning, physical gestures may be deliberate and self-conscious. Holding hands, touching an arm or putting a hand on a shoulder can carry the excitement of a new relationship. With the passage of years, however, touch becomes almost unconscious. It becomes part of the daily rhythm of life.

A hand on the back while walking through a crowded place can say- I am here; stay with me. It may also gently guide the other person through a doorway or across a road. There is no announcement of affection. The gesture is so natural that the couple may not even realise they have made it.

Holding hands is one of the simplest and most powerful gestures. Young couples may hold hands because they are in love; older couples sometimes hold hands because they have become accustomed to facing the world together. There is a subtle difference. For an elderly couple, holding hands may contain memories of decades of journeys, hospital visits, family celebrations and difficult moments.

Even the way hands are held can communicate something. A firm grip may mean reassurance. A brief squeeze may mean - I agree. A hand suddenly reaching for the other during an anxious moment can say - Don't worry; we will manage this together.

Then, there is the hand on the shoulder. It is remarkably versatile. It can be affectionate, reassuring, congratulatory or apologetic. A husband returning from a difficult day may sit beside his wife and simply rest his hand on her shoulder. He may not say, "I know you have had a difficult day too." The gesture says it.

The reverse is equally common. A wife may put her hand on her husband's shoulder when he is telling a story to guests, perhaps without even thinking about it. It may mean affection, but it can also carry a warning:

'Enough. Do not tell them that story.'

The remarkable thing is that the husband may understand immediately.

Then, there is the reassuring pat. It is particularly common when one spouse is distressed. A few gentle pats on the back can accomplish what a long speech cannot. "I am with you" is sometimes better communicated by a hand than by a sentence. And there is a wonderful variation: the silent embrace.



#MARRIAGE



A hug between husband and wife is not always romantic. It may follow an achievement, a bereavement, a frightening experience or simply a long separation. Sometimes, one spouse returns from a journey and the first communication is an embrace. No report of the journey is required. The embrace says- You are home!

With age, such gestures can become even more meaningful. The dramatic romance of youth may gradually give way to a quiet physical companionship, sitting close together, touching feet under a blanket, resting a head on a shoulder, or instinctively reaching for the other person's hand.

There is also the protective gesture. At a busy railway station, airport or crowded market, one spouse may automatically move slightly closer to the other. A hand may rest lightly on the other's arm. While crossing a busy road, one may instinctively hold the other's elbow.

It is not necessarily about physical strength or protection in a literal sense. It is an old reflex that says: We are responsible for each other.

Straightening someone's clothes is especially revealing. A wife may notice that her husband's collar is crooked and correct it before he meets guests. A husband may notice that his wife's dupatta or sari has become misplaced and quietly alert her. There is something almost parental about the gesture, but between spouses it often means - I notice you.

Another fascinating gesture is the touch of the feet, not in a ceremonial sense, but in ordinary domestic life. One spouse may massage the other's feet after a tiring day, rub a cramped leg, or apply balm to a sore shoulder. Such gestures can be more eloquent than declarations of love because they involve effort.

There is a beautiful Indian expression for this kind of affection: seva. Caring for the other person becomes almost instinctive. A glass of water, a pillow adjusted under the head, a blanket pulled up during sleep, these are not grand romantic acts, but they are the physical grammar of companionship. Just a touch!

Shared humour is another expressive gesture. Couples who have lived together for decades accumulate hundreds of private jokes. A particular name, incident or expression may make them laugh when nobody else understands why. Someone at the dinner table may innocently mention a place they once visited and husband and wife exchange a glance and suddenly begin smiling.

The others wonder what happened. Nothing has happened.

Everything has happened, twenty years ago.

Their laughter is a form of communication based on a shared history.

A marriage creates a strange division of memory. One remembers dates, another remembers faces. One remembers where the keys were kept five years ago; the other remembers the exact words spoken during an argument ten years ago.

Arguments bring us to another remarkable language: the language of anger.

Long-married couples often do not need words to show irritation. The volume of a cupboard door closing can become a declaration. The distance maintained at the dining table can become a diplomatic signal. A wife who normally asks, "Would you like some tea?" and suddenly asks 'nothing' has communicated something quite effectively.

There are also degrees of silence.

There is the comfortable silence of two people reading in the same room.

There is the tired silence of two people who have had a long day.

There is the thoughtful silence in which both are considering important issues.

And then, there is the famous marital silence which says, with remarkable clarity, "You know exactly what you have done."

Shared humour is another expressive gesture. Couples who have lived together for decades accumulate hundreds of private jokes. A particular name, incident or expression may make them laugh when nobody else understands why. Someone at the dinner table may innocently mention a place they once visited and husband and wife exchange a glance and suddenly begin smiling. The others wonder what happened. Nothing has happened. Everything has happened, twenty years ago. Their laughter is a form of communication based on a shared history. A marriage creates a strange division of memory. One remembers dates, another remembers faces. One remembers where the keys were kept five years ago...

Yet, anger too develops its own rules. Couples who have lived together long enough may know when an argument is serious and when it is merely theatrical. They may quarrel fiercely at breakfast and sit together watching television in the evening as though a diplomatic treaty has been signed.

Sometimes, reconciliation itself is wordless.

A cup of tea appears.

A favourite snack is placed on the table.

That apparently ordinary question can mean: I am still angry, but I am not prepared to stop caring for you.

Perhaps, that is one of the deepest forms of communication in marriage.

There is also the communication of sacrifice. Much of married life consists of tiny acts which are never announced. One person takes the less comfortable chair. One gives the larger portion to the other. An outing is quietly postponed because the other is tired.

The act itself is the message.

Another remarkable form is communication through absence. When one spouse travels, the other often discovers how many things were silently being done every day. The missing person may have been the one who switched off the lights, checked the doors, filled the water bottles, reminded everyone about an appointment or knew where the spare batteries were kept.

Only when that person is away does the household realise how much unspoken communication was taking place through routine.

Modern technology has added another dimension. Couples now communicate through WhatsApp messages, emojis and photographs.

A photograph of lunch may say, "This is what I am eating." A photograph of a queue may say, "Look at what I am suffering through." A photograph of a beautiful sunset may simply say, "I wish you were here."

Even emojis acquire a private marital vocabulary.

But perhaps, the most extraordinary communication is knowing when not to communicate.

There are moments when advice is unnecessary. A person may return home after a difficult day and simply want to sit quietly. A spouse who has lived with him or her for many years learns not to ask twenty questions.

Often, love means knowing when to speak.

At other times, it means knowing what to say.

Finally, it means knowing that nothing should be said at all.

The longer a marriage lasts, the more communication seems to move from the spoken word to the unspoken understanding. In the early years, couples may spend hours explaining themselves to each other. Later, a sentence may be reduced to a gesture.

This private language is not necessarily romantic. It is built from ordinary life, illnesses, journeys, children, bills, celebrations, quarrels, relatives, disappointments, holidays, successes and thousands of unremarkable evenings. Every shared experience adds another word to the speechless dictionary.

Perhaps, that is why old married couples sometimes appear to communicate so effortlessly. They are not really communicating only in the present. They are communicating with the accumulated knowledge of their entire shared past.

A stranger sees a glance.

The spouse sees twenty years behind it.

A stranger hears silence.

The spouse knows what that silence means.

A stranger hears an ordinary question, "Did you have lunch?"

The spouse may hear, "I was thinking about you."

And perhaps, that is the greatest achievement of a long marriage: not that two people always agree, but that they gradually learn to understand what the other means, even when nothing is said. Then comes the language of proximity.

Notice an old married couple sitting in a room. They may not be touching at all. Yet, their chairs are often closer than necessary. One may be reading while the other watches television. They may be doing completely different things, but neither feels the need to be elsewhere.

That physical closeness itself communicates comfort.

Young lovers often want to be together because they have something to say to each other. Long-married couples may want to be together even when they have nothing to say.

And sometimes, distance communicates more than closeness.

After an argument, one spouse may deliberately sit at the other end of the sofa. The gesture is unmistakable.

The sofa has suddenly become a diplomatic frontier.

Yet, even during an argument, physical habits often survive. One may angrily refuse to speak but still put a cup of tea beside the other's chair. Another may be furious but still remind the spouse to take her doses of medicines.

This is one of the amusing contradictions of marriage: the mouth may declare war while the hands continue providing domestic services.

There is also the extraordinary gesture of reaching for someone in sleep. A couple may have been married for forty years and still instinctively reach across the bed when one wakes during the night. Sometimes, there is no conscious awareness of the gesture.

It is perhaps one of the purest forms of physical communication because there is no audience and no performance. Another subtle form is the glance accompanied by a touch. At a family gathering, one spouse may touch the other's arm while someone is speaking. To an outsider, it is meaningless. To the couple, it could mean anything:

Let us leave soon.
Don't interrupt him.
I agree with you.
I am embarrassed.
Look at what he is saying.
We will discuss this later.

The gesture becomes a private code developed over years.

And perhaps, the most touching physical communication is the gesture that replaces a question.

A husband sees his wife looking tired and brings her a chair.

A wife sees her husband rubbing his neck and begins massaging his shoulders.

One notices that the other is cold and quietly closes the window.

Neither asks, "Are you uncomfortable?"

They have already answered the question.

This is why physical communication in marriage can become so rich. It is not simply about romantic touch. It encompasses care, reassurance, humour, protection, apology, companionship, irritation, forgiveness and habit.

After decades together, a married couple may speak thousands of sentences every year. But some of the most important messages may never be spoken.

Perhaps, that is the secret of physical communication between couples: the gesture becomes meaningful not because of what the hand does, but because of all the years behind that touch.

rajeshsharma1049@gmail.com



THE WALL

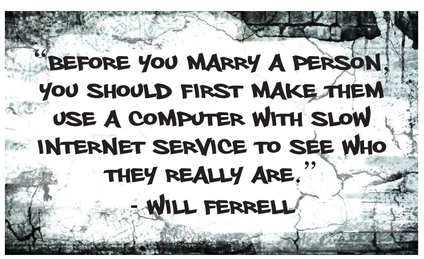

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

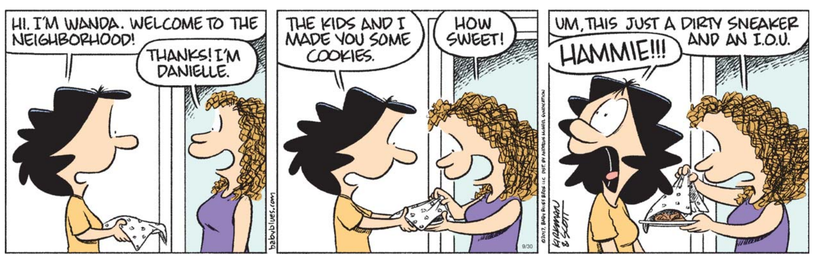

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

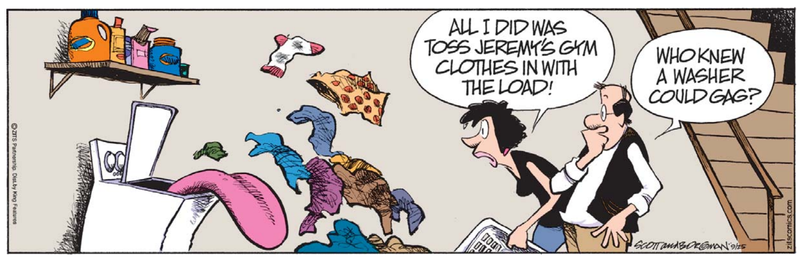

चूरू में चला राठौड़ का जादू, बहुमत के बाद भी कांग्रेस से छीनी जिला प्रमुख की कुर्सी

चूरू, (निसं)। चूरू जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर चूरू जिला परिषद में बुधवार को हुए चुनाव में ऐसा सियासी उलटफेर देखने को मिला, जिसने जिले सहित पूरे राजस्थान की राजनीति में हलचल मचा दी।

जिला परिषद में बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस अपना जिला प्रमुख नहीं बना पाई। भाजपा प्रत्याशी कनिका सिंह ने कांग्रेस की प्रकाश देवी बुडानिया को 5 मतों से शिकस्त देकर जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा कर लिया। इस अप्रत्याशित नतीजे के पीछे कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग को बड़ी वजह माना जा रहा है। मतदान में भाजपा प्रत्याशी कनिका सिंह को 22 मत मिले, जबकि कांग्रेस की प्रकाश देवी बुडानिया को 17 मतों से ही संतोष करना पड़ा। जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने मतगणना के बाद कनिका सिंह को विजयी घोषित किया। नतीजे सामने आते ही कांग्रेस खेमे में मायूसी छा गई, वहीं भाजपा खेमे में जश्न शुरू हो गया।

चुनाव से पहले कांग्रेस अपने बहुमत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही थी। पार्टी खेमे में जीत का भरोसा इतना था कि जश्न की तैयारियां भी शुरू हो गई थीं, लेकिन मतदान के परिणाम ने पूरे समीकरण बदल दिए। कांग्रेस के खेमे से हुई क्रॉस वोटिंग ने भाजपा की राह आसान कर दी। बहुमत के बावजूद जिला प्रमुख का पद गंवाना कांग्रेस के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। खास बात यह रही कि धर्मेंद्र बुडानिया के राजनीतिक खेमे को एक बार फिर भीतरघात का सामना करना पड़ा। कनिका सिंह की जीत की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। वहीं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ढोल बजाकर कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। इस दौरान पद्मश्री देवेंद्र झाझड़िया, विधायक हरलाल सहारण और जिला परिषद सदस्य पराक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। पराक्रम सिंह ने राठौड़ ने अपनी पत्नी नवनिर्वाचित जिला प्रमुख कनिका सिंह को गुलाब का फूल भेंट कर बधाई दी। राठौड़ के निवास के बाहर कार्यकर्ताओं ने पटाखे चलाकर जीत की खुशी मनाई और विजयी जुलूस निकाला।

जीत के बाद कनिका सिंह ने अपने ससुर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड और सास चांद कंवर के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। भावुक माहौल के बीच कनिका सिंह ने अपनी जीत को जनता को समर्पित करते हुए कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है।

चूरू में बुधवार को जिला प्रमुख के चुनाव हुए। जिसमें कांग्रेस से प्रकाश देवी बुडानिया तथा भाजपा से पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड की पुत्रवधु कनिका सिंह ने नामांकन दाखिल किया था। कांग्रेस के पास 22 सीटें थी और भाजपा के पास केवल 17 ही सीट थी। इसके बावजूद कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। पूर्ण बहुमत होने के बावजूद भी भाजपा ने कांग्रेस के अंदरखाने में सेंध मारकर 5 वोटों से कनिका सिंह को जीताकर जिला प्रमुख बनाया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह जीत भाजपा संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि जिले के विकास को नई गति देने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे। जिला परिषद सदस्य पराक्रम सिंह ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर काम किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख विजय शर्मा, पदम सिंह राठौड़, वासुदेव चावला, सुरेश सारस्वत, पूर्व प्रधान दीपचन्द राहड़, करणी सिंह रायपुरिया, विमला गढवाल, रणवीर कस्वां, नरेन्द्र सैनी, सुरेश बूंटिया, नरेन्द्र सिंह राठौड़, जंगशेर खान, अख्तर खान, अश्वनी बुडानिया, सुनील ढाका, रजत शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।



कनिका सिंह की जीत की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई।

- क्रॉस वोटिंग ने बिगाड़ा कांग्रेस का खेल, जीत के जश्न की तैयारी में जुटी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा
- जिला प्रमुख चुनाव में सीटों का उलटफेर, भाजपा को 22 और कांग्रेस को 17 वोट, कनिका जिला प्रमुख बनीं

निवाई में ट्रेलर से टकराई बेकाबू कार, एक युवक की मौत

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरथल तिराहे के समीप स्थित दीक्षा पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को कूदते हुए दूसरी तरफ से आ रहे एक ट्रेलर से जा टकराई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में दो जने घायल हो गये।

- हादसे में दो जने घायल, प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया

बरोनी थानाधिकारी जयमलसिंह राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरथल तिराहे के समीप स्थित दीक्षा पेट्रोल पंप के समीप चालक का कार पर से नियंत्रण हट गया, जिससे कार डिवाइडर को पार करते हुए सामने से गुजर रहे ट्रेलर से टकरा गई। इस भीषण दुर्घटना में देशराज मरेठा (23) पुत्र किशनलाल मरेठा निवासी मण्डावर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वहीं कार में सवार अजय गुर्जर पुत्र रामभजन गुर्जर निवासी हमीदपुरा उर्फ बासड़ा व राजू धोबी पुत्र सुवालाल धोबी निवासी आंचेर चौथ का बरवाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई एवं स्थानीय लोगों व राहगीरों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला तथा 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें निवाई के उप जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार करके जयपुर रेफर कर दिया। मृतक देशराज मरेठा के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह मय पुलिस जाब्ते के साथ उप जिला अस्पताल पहुंचे एवं घटनाक्रम का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



सड़क हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई।

विवाद के चलते नौ दिन की बच्ची मां की गोद से गिरी, मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ स्थित गुजरावास खुर्द गांव में झोपड़पट्टी में रहने वाले दो पड़ौसियों के बीच विवाद हो गया। विवाद के चलते नौ दिन की बच्ची अपनी मां की गोद से नीचे गिर गई और उसकी मौत हो गई। बच्ची के परिजन ने मारपीट का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज किया है। बच्ची के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। जांच एसीपी मंडोर अनिल शर्मा की तरफ से की जा रही है।

बनाड़ थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि गुजरावास खुर्द गांव में झोपड़पट्टी में रहने वाले परिवार का आरोप है कि उसके पड़ौस में एक अन्य परिवार झोपड़पट्टी में रहता है। 23-24 नवंबर की मध्य रात को पड़ौस के परिवार के लोग उसकी झोपड़ी पर आए विवाद किया। परिवार पर मारपीट का भी आरोप लगाया गया। इस बीच विवाद में पीड़ित परिवार की नौ दिन की बच्ची गोद से गिर गई और उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि बच्ची के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया गया है, हालांकि शरीर पर जाहिरा कोई चोट के निशान नहीं मिले है। दोनों के बीच आपसी विवाद हुआ था, झगड़ा होने जैसी बात पर भी संशय बना है। फिलहाल प्रकरण दर्ज किया गया है।

बराबर सीटें होने के बावजूद भाजपा की सुशीला देवी बालोतरा जिला प्रमुख बनीं

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिला परिषद के जिला प्रमुख चुनाव में बुधवार को बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला। भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी ने कांग्रेस प्रत्याशी फूलाराम को महज एक वोट से पराजित कर जिला प्रमुख पद पर कब्जा जमा लिया। सुशीला देवी बालोतरा जिले की पहली जिला प्रमुख निर्वाचित हुई हैं।

गौरतलब है कि जिला प्रमुख पद को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। जिला परिषद की कुल 31 सीटों में भाजपा और कांग्रेस के पास 12-12 सीटें थीं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सात सदस्य निर्णायक भूमिका में थे। जिला प्रमुख बनाने के लिए 16 मतों की आवश्यकता थी। बुधवार को हुए मतदान में भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी को 16 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी फूलाराम को 15 मत प्राप्त हुए। इस तरह भाजपा ने एक वोट से जीत दर्ज कर जिला परिषद की सत्ता अपने नाम कर ली।

आरएलपी के समर्थन से बदला चुनावी गणित :-चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा आरएलपी के सात सदस्यों की भूमिका को लेकर रही। राजनीतिक समीकरणों में आरएलपी के समर्थन को लेकर कांग्रेस गठबंधन की चर्चाएं थीं, लेकिन मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग ने पूरा गणित बदल दिया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार आरएलपी के चार सदस्यों के वोट भाजपा और तीन के वोट कांग्रेस के पक्ष में गए। बालोतरा जिला प्रमुख चुनाव में भाजपा की इस जीत को जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। बराबर सीटें होने के बावजूद भाजपा ने रणनीतिक बढ़त बनाते हुए जिला प्रमुख की कुर्सी हासिल कर ली।

- भाजपा की सुशीला देवी ने कांग्रेस के फूलाराम को एक वोट से पराजित किया
- जिला परिषद की 31 सीटों में भाजपा और कांग्रेस के पास 12-12 सीटें थीं, जबकि आरएलपी के सात सदस्य निर्णायक भूमिका में थे

तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रोले में घुसी, तीन युवकों की मौत

दो युवक घायल, पांचों युवक भगवाड़ी से मुंडनवाड़ा लौट रहे थे

कोटपुतली-बहरोड़/जयपुर। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर बहरोड़ क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दहमी फ्लाईओवर के पास रात करीब एक बजे हुआ, जहां तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रोले में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार युवक अंदर फंस गए।

बहरोड़ कोतवाली के कार्यवाहक थाना अधिकारी सूबे सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में मुंडनवाड़ा निवासी हरीश कुमार पुत्र राजेश यादव, देवेंद्र पुत्र छोटेलाल प्रजापत और हेमंत पुत्र ओमप्रकाश प्रजापत की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पांचों युवक बहरोड़ के भगवाड़ी से कार में सवार होकर अपने गांव मुंडनवाड़ा लौट रहे थे। हादसे के बाद तीनों शव बहरोड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए। बुधवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव सौंप दिए गए। एक साथ तीन युवकों की मौत से मुंडनवाड़ा गांव में शोक की लहर छा गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार युवक अंदर फंस गए

अज्ञात वाहन की टक्कर से छात्र की मौत

अलवर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के किथूर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 16 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक हरियाणा के पिनहवा (गूगलहेड़ी) निवासी अरसलान था। वह 11वीं कक्षा में पढ़ता था और बचपन से ही अलवर में अपनी मां के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था।

जानकारी के अनुसार 24 नवंबर की रात करीब नौ बजे अरसलान किसी काम से बाइक लेकर घर से निकला था। इसी दौरान किथूर गांव के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे लहूलुहान हालत में अलवर जिला अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

साइबर ठगों ने किसान को लाखों रुपये की चपत लगाई

किसान के किसान क्रेडिट कार्ड और खाते से 23.70 लाख रुपये पार हुये, मामला दर्ज

छबड़ा, (निसं)। साइबर ठगों ने एक किसान को लाखों रुपये की चपत लगा दी। छबड़ा क्षेत्र के खेड़ली निवासी किसान के किसान क्रेडिट कार्ड और बचत खाते से 23 लाख 70 हजार 643 रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। किसान को कई दिनों तक खाते से हो रहे लेनदेन की भनक तक नहीं लगी। बैंक पहुंचकर खाते की जानकारी लेने पर मामले का खुलासा हुआ।

खेड़ली निवासी राधेश्याम खरवाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका क्रेडिट कार्ड आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की छबड़ा शाखा में संचालित है। कार्ड की सीमा 50 लाख रुपये है। किसान ने पुलिस को बताया कि 4 नवंबर को बैंक पहुंचकर खाते की जानकारी ली तो पता चला कि उसके किसान क्रेडिट कार्ड और बचत खाते से उसकी जानकारी और अनुमति के बिना ऑनलाइन लेनदेन किए गए हैं। 17 जुलाई से 12 अगस्त के बीच अलग-अलग तारीखों में कई बार ऑनलाइन लेनदेन कर कुल 23,70,643 रुपये की राशि दूसरे खातों में भेज दी गई। किसान का कहना है कि उसने किसी भी प्रकार के लेनदेन की अनुमति नहीं दी थी और न ही उसे इस संबंध में कोई सूचना मिली। पीड़ित की शिकायत पर बारां साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ठगी की रकम किन बैंक खातों में भेजी गई और इसके लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया।

हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। इंद्रगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इंद्रगढ़ थानाधिकारी दीनदयाल वैष्णव के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए मनीष मीणा पुत्र कालूलाल मीणा, निवासी फटुकड़ा, थाना करवर तथा मनराज उर्फ मैनेजर पुत्र भैरूलाल मीणा, निवासी चमनगंज, थाना इंद्रगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

बीकानेर : जिला प्रमुख चुनाव में बगावत करने पर सरिता चौहान कांग्रेस से छह साल के लिये निष्कासित

बीकानेर, (निसं)। जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी निकिता डूडी की जीत के बाद राजस्थान कांग्रेस ने बड़ा संगठनात्मक फैसला लिया है। पार्टी ने जिला परिषद सदस्य और पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की पुत्री सरिता चौहान को छह साल के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। इस संबंध में एआईसीसी की ओर से 25 नवंबर को आधिकारिक आदेश जारी किया है।

जानकारी के अनुसार बीकानेर जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस ने निकिता डूडी को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। वहीं पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की पुत्री सरिता चौहान ने पार्टी से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया था। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधि माना गया। बुधवार को हुए मतदान में निकिता डूडी ने 23 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि सरिता चौहान को 18 वोट मिले। इस तरह निकिता डूडी ने 5 वोटों के अंतर से जिला प्रमुख का चुनाव जीत लिया। चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने सरिता चौहान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। जारी आदेश में सरिता चौहान पुत्री गोविंदराम मेघवाल, जिला परिषद सदस्य बीकानेर को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया गया है। यह आदेश एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की ओर से जारी किया गया है। इस कार्रवाई के जरिए कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने वालों को स्पष्ट संदेश दिया है। एक तरफ निकिता डूडी की जीत से कांग्रेस खेमे में उत्साह है, वहीं दूसरी तरफ सरिता चौहान के निष्कासन ने बीकानेर कांग्रेस की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जिला प्रमुख चुनाव में शुरू हुई राजनीतिक खींचतान अब पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई तक पहुंच गई है।

- जिला परिषद सदस्य और पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की पुत्री सरिता चौहान को छह साल के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया

ई-रिक्शा में सवार महिला की लाखों की सोने की चेन चोरी

अलवर, (निसं)। शहर में ई-रिक्शा में सफर कर रही एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी होने का मामला सामने आया है। शालीमार से घंटाघर जाते समय ई-रिक्शा में छोटे बच्चे के साथ सवार हुई दो अज्ञात महिलाओं पर चोरी का संदेह जताया गया है। चोरी हुई चेन का वजन करीब 22 ग्राम और कीमत 2 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है। पीड़िता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार अपना घर शालीमार निवासी नीलम शर्मा पत्नी राजीव शर्मा ने रिपोर्ट में बताया कि 18 नवंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे वह शालीमार के गेट नंबर-3 से घंटाघर जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठी थीं। रास्ते में तिजारा फाटक की पुलिया पार करने से पहले दो अज्ञात महिलाएं एक छोटे बच्चे के साथ ई-रिक्शा में सवार हो गईं। कुछ देर बाद दोनों महिलाएं जेल सर्किल स्थित हरिश हॉस्पिटल के पास उतर गईं। उस समय पीड़िता को चेन गायब होने का पता नहीं चला। घंटाघर पहुंचने पर जब उन्होंने अपने गले की तरफ ध्यान दिया तो सोने की चेन गायब मिली। आसपास तलाश करने के बावजूद चेन का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि ई-रिक्शा में उनके अलावा केवल दोनों महिलाएं ही बच्चे के साथ सवार हुई थीं। ऐसे में उन्हें दोनों महिलाओं पर चेन चोरी करने का संदेह है। कोतवाली थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- ई-रिक्शा में छोटे बच्चे के साथ सवार हुई दो अज्ञात महिलाओं पर चोरी का संदेह जताया

लॉटरी से डीडवाना-कुचामन के पहले जिला प्रमुख बने भाजपा के बुधाराम गरवा

कांग्रेस-भाजपा में 14-14 वोट से मुकाबला टाई रहा, लॉटरी से फैसला हुआ

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना-कुचामन जिला परिषद में जिला प्रमुख चुनाव का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी के बीच मुकाबला टाई होने के बाद लॉटरी से फैसला हुआ। कांग्रेस की पूनम गोयल और भाजपा के बुधाराम गरवा को 14-14 वोट मिले, जबकि आरएलपी प्रत्याशी शिवपाल को 7 वोट मिले। इसके बाद छोटी बच्ची के हाथों से लॉटरी निकाली गई, जिसमें भाजपा प्रत्याशी बुधाराम गरवा के नाम की पर्ची निकली। इस तरह लॉटरी के जरिए भाजपा की किस्मत चमकी और बुधाराम गरवा डीडवाना-कुचामन जिला परिषद के पहले जिला प्रमुख निर्वाचित हुए।

जानकारी के अनुसार बुधाराम गरवा जैसे ही जिला प्रमुख चुने गए, वैसे ही भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई और उन्होंने जमकर जश्न मनाया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नए जिला प्रमुख ने कहा कि ग्रामीण विकास पर उनका फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला प्रमुख ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के प्रयास किए जाएंगे। सभी ग्राम पंचायतों को साथ लेकर विकास कार्यों की योजनाएं बनाई जाएंगी और अधिकारियों के साथ समन्वय कर योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे ग्रामीण तक पहुंच सके।



भाजपा के बुधाराम गरवा को जीत का प्रमाण पत्र दिया गया।

- छोटी बच्ची के हाथों निकली पर्ची, भाजपा प्रत्याशी के नाम पर मुहर लगी

पथराव व तोड़फोड़ के मामले में चार गिरफ्तार

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। गांव भवनपुरा में सरकारी रास्ते में नाली निकालने के विवाद में पथराव व तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

हैड कास्टेबल खजान सिंह ने बताया कि गांव भवनपुरा निवासी कैलासी पुत्र राजाराम की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि गांव के ही भानू और प्रवीण घर के सामने सरकारी रास्ते में नाली निकाल रहे थे। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। इसके बाद केदार, जगदीश, बत्तू, रमेश, दिनेश, कृष्णा, सुधीर, संजय, राजवीर सहित अन्य लोग लाठी-डंडे व पत्थर लेकर मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए कैलासी के भाई कुमरपाल व परिवार के अन्य सदस्यों से मारपीट की। इसके बाद हमलावर घर में घुस गए और अंकित, पुखराज, सुजान, उदयसिंह व सुमन कुमारी समेत अन्य लोगों से मारपीट की। इन लोगों ने घर में घुसकर वॉशिंग मशीन, कमरों के शीशे समेत अन्य सामान तोड़ दिए और घर के बाहर खड़े ट्रैक्टरों में भी तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपित गांव भवनपुरा निवासी कुलभान सिंह, सुधीर कुमार, बच्चूराम, कृष्ण विहारी लोधा को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस कैंप में फायरिंग का आरोप

आहोर, (निसं)। आहोर पंचायत समिति में प्रधान चुनाव को लेकर कांग्रेस कैंप में फायरिंग व धावा बोलने का मामला सामने आया है। कुछ बदमाश लोगों पर एक होटल में बाडाबंदी में ठहरे कांग्रेस के दो विजयी प्रत्याशियों को उठाकर ले जाने का आरोप लगाया जा रहा है। कांग्रेस नेता उमसिंह राठौड़ ने आहोर थाने में इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश की है। आहोर थानाधिकारी करणसिंह ने बताया कि रिपोर्ट में चांदराई स्थित एक होटल में वाहनों में भरकर कुछ बदमाश लोग अनाधिकृत प्रवेश कर फायरिंग करने लगे तथा होटल में मौजूद लोगों को डराने धमकाने लगे। इस दौरान कांग्रेस कैंप में ठहरे दो सदस्यों को उठाकर ले गए।

जिले में ऑन लाइन होगी घर बैठे खाद की बुकिंग

टोंक। राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा किसानों को उर्वरक वितरण में पारदर्शी, सरल एवं तकनीक आधारित सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल्स एप योजना का बुधवार को टोंक जिले में पुनः शुभारंभ किया गया।

खोया पाया

मेरा प्लॉट नं.13, गोरक्ष नगर-2, ब्लॉक-B, नांगल सुसावतान का मूल पट्टा दिनांक 03/11/2026 को कहीं गुम हो गया है। इस संबंध में पुलिस थाना- आमेर, जयपुर (उत्तर) में गुमशुदगी रिपोर्ट (क्रमांकः 44) दर्ज करा दी गई है। किसी को मिलने पर कृपया नीचे दिए गए पते या मोबाइल नंबर 9827441251 पर सूचित करें। प्रार्थीः स्टेफी रोजारियो (पत्नी एडवर्ड रोजारियो), पताः सुभाष चौक, जयपुर

आम सूचना मेरे अभिभाष्य श्री महेन्द्र कुमार बुनकर पुत्र श्री साधुराम बुनकर उम्र 55 वर्ष निवासी-प्लाट नं. 89, सीताराम पुरी, सिमेन्ट गोदाम के पास, हरमाडा, जयपुर के निर्देशानुसार सभी आमजन को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र भूपेश बॉयल उर्फ आकाश व उसकी पत्नी अर्चना बैरवा मेरे अभिभाष्य के कहे में नहीं है। भविष्य में उक्त भूपेश बॉयल उर्फ आकाश व उसकी पत्नी अर्चना बैरवा का मेरे अभिभाष्य की चल व अचल सम्पत्ति व परिवार से कोई सम्बन्ध नही होगा। जो कोई भी उक्त भूपेश बॉयल उर्फ आकाश व उसकी पत्नी अर्चना बैरवा से किसी प्रकार का लेन देन या व्यवहार करेगा वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
(मोहित सेहरा) एडवोकेट, 8559955146

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री दिनेश चन्द्र गुप्ता एवं उनकी पत्नि श्रीमती चन्द्रकान्ता गुप्ता निवासीगण - 22 वेंकटेश्वर कॉलोनी न्यू सांगानेर रोड सोडाला जयपुर की पुत्रवधू दीप्ति सिंघल पत्नी ध्रुव गुप्ता के द्वारा मेरे अभिभाष्यगण के साथ आये दिन लड़ाई झगड़ा किया जाकर उनको अत्यधिक हैरान परेशान किया जाता है, जिसमे मेरे अभिभाष्यगण का पुत्र ध्रुव गुप्ता भी उसका ही साथ देता है। दीप्ति सिंघल द्वारा मेरे अभिभाष्यगण को उनके पौत्र से भी अलग कर दिया है। इससे परेशान होकर मेरे अभिभाष्यगण द्वारा अपने पुत्र ध्रुव गुप्ता एवं उसकी पत्नी दीप्ती सिंघल से समस्त सम्बन्ध तोड़ते हुए इन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इनके द्वारा यदि किसी व्यक्ति, संस्था, सरकारी व अर्धसरकारी विभाग से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार किया जाता है तो मेरे अभिभाष्यगण की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।
जयपुर (अविनाश वशिष्ठ) एडवोकेट
मो.-9413488007

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:4804 जाहिर आम-सूचना दिनांक:23.11.2026
श्री रतन लाल सेन पुत्र श्री किशन राम सेन को आवास / फ्लैट संख्या 174 / 141 (LIG), (क्षेत्रफल 60.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर में आवंटन किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1284 दिनांक 30.06.2006 को जारी किया गया। त्पोपरान्त उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1889 / 573 दिनांक 19.04.2010 के द्वारा श्री ओम प्रकाश मीणा पुत्र श्री जगदीश नारायण मीणा के पक्ष मे जारी किया गया। जिसके पंजीयन प्रपत्र श्री ओम प्रकाश मीणा के नाम दिनांक 24.05.2010 को उप पंजीयक सांगानेर- अण्डम् के यहा पंजीकृत करवाया गया। श्री ओम प्रकाश मीणा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 19.08.2013 को श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री विष्णु चन्द गुप्ता को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर- प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती विमला देवी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 17.12.2013 को श्रीमती किरन पत्नी श्री मोहन सिंह को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती किरन पत्नी श्री मोहन सिंह कि मृत्यु दिनांक 25.04.2026 को हो जाने के कारण उनके पति श्री मोहन सिंह पुत्र श्री रामेश्वर राम द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर पंजीकृत हक त्याग के आधार पर स्वयं का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ व्यक्तिगण को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री मोहन सिंह पुत्र श्री रामेश्वर राम का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 61/2026
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम भजनान्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण
विवाद स्थान प्लाट नं. H 1-1047 सीतापुरा जयपुर
मृतक अभिषेक शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 04.01.2027
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम अभिषेक शर्मा पुत्र स्व.श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी 6/420 SFS अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 01 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 23 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय जयपुर
मोहर अदालत

न्यायालय तहसीलदार महोदय टपूकडा जिला खैरथल तिजारा
सुशीला देवी वगैराह बनाम परमेश्वरी देवी वगैराह
प्रार्थना पत्र एल.आर. एक्ट 135 (2)
प्रकरण संख्याः- 60/26
1. परमेश्वरी देवी पत्नी धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ
2. सुनीता पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ पत्नी रामस्वरूप
3. मंगल पुत्र धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ
4. बल्ले पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ पत्नी राजकुमार
5. गोगा पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ
6. उर्मिला पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ जाति स्वामी निवासी ग्राम झिवाणा तहसील टपूकड़ा जिला खैरथल-तिजारा।
7. सरोज पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ पत्नी हरीराम जाति स्वामी निवासी नेहचाना मार्ग के पास, दुर्गा कॉलोनी, बावल जिला रेवाड़ी हरियाणा।
8. रीना पुत्री धर्मपाल उर्फ धर्मचन्द पुत्र श्योनाथ पत्नी जगदीश प्रसाद जाति स्वामी निवासी नेहचाना वार्ड नम्बर 5, महावा, जिला सीकर राजस्थान।
9. राजबाला पुत्री शान्ति पत्नी विशम्बर जाति स्वामी निवासी कोटपुतली जिला जयपुर
10. उत्तम पुत्री शान्ति पत्नी विश्म्बर जाति स्वामी निवासी ग्राम डुंगरवास तहसील व जिला रेवाड़ी हरियाणा।
अप्रार्थीगण
11. दौलतराम पुत्र मामला जाति स्वामी निवासी ग्राम ईसरोदा तहसील तिजारा जिला खैरथल-तिजारा राजस्थान।
तरवीजी अप्रार्थीगण
प्रार्थीगण ने इस न्यायालय मे वाके ग्राम छपर मे स्थित आराजी बाबत नामान्तरण मे माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल अजमेर द्वारा अपने निर्णय दिनांक 27.08.2026 मे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, जयपुर द्वारा पारित निर्णय दिनांक 31-01-2025 मे संशोधन किया जाकर ग्राम पंचायत, ततारपुर को प्रतिप्रेषित किये जाने के स्थान पर तहसीलदार, टपूकड़ा को प्रतिप्रेषित किये जाने के आदेश दिये गये है कि विवादित आराजियात का मूल खातेदार मामला था जिसके विधिक वारिसान की जांच किया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार धर्मपाल या धर्मचन्द एक ही व्यक्ति है अथवा अलग-अलग व्यक्ति हैं, इसी प्रकार धर्मपाल या धर्मचन्द मामला का पुत्र है अथवा श्योनाथ का। उक्त तथ्य उभयपक्ष को साक्ष्य, सबूत एव सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर तथा विस्तृत जांच उपरांत ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना-पत्र राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 135 (2) के तहत पेशकर निवेदन है कि माननीय न्यायालय के निर्णय दिनांक 27.08.2026 की पालना मे पुनः निर्णय किया जाने का प्रार्थना-पत्र सस्थित किया है जिसमें आप प्रतिवादी/ अप्रार्थीगण की जद मे पक्षकर मुकदमा है। मुकदमे मे तारीख 02/12/2026 समय सुबह 10 बजे सुनवाई के लिये नियत है। आप उक्त तारीख एवं समय पर असातत्न अथवा वकातत्न उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे एवं मुकदमे से संबंधित जो भी दस्तावेज हो, वो उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे एवं मुकदमे से संबंधित जो भी दस्तावेज हो, वो न्यायालय मे प्रस्तुत करे। अन्यथा आपकी अनुपस्थिती मे वाद की सुनवाई कर उसका निपटारा कर दिया जावेगा।
यह अखबार स्याहा नोट मेरे द्वारा आज दिनांक 2.5-11.2026 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।
मोहर अदालत
तहसीलदार टपूकड़ा जिला खैरथल-तिजारा (राज.)

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस का परचम

भरतपुर (निसं)। जिला प्रमुख की निर्वाचन की प्रक्रिया बुधवार को जिला परिषद सभागार में सम्पन्न हुई जिसमें काँग्रेस प्रत्याशी रानूवाला ने 3 मतों से विजय प्राप्त की।

जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि जिला प्रमुख पद के लिए आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में कांग्रेस की रानू वाला जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित हुई हैं। निर्वाचन में रानू वाला को कुल 17 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी पूजा कुमारी को 14 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार रेनू वाला ने 3 मतों के अंतर से जिला प्रमुख पद पर विजय प्राप्त की। निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार सम्पन्न कराई गई।

जिला प्रमुख चुनाव में कुल 31 जिला परिषद सदस्यों ने मतदान किया। इनमें कांग्रेस की रानू बाला को 17 और भाजपा की पूजा कुमारी जाटव को 14 वोट मिले। इससे पूर्व निर्वाचन अधिकारी ने सभी नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को कलक्ट्रेट में पद, गोपनियता एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई। कांग्रेस की जीत के बाद धौलपुर-करौली सांसद भजनलाल जाटव ने इसे लोकतंत्र और भरतपुर की ग्रामीण जनता की जीत बताया। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह और सांसद संजना जाटव सहित पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। भजनलाल जाटव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के स्पष्ट बहुमत के बावजूद धनबल के आधार पर उनके चार वोटों की चोरी की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तमाम दबाव और चुनौतियों के बावजूद यह चुनाव जीता है। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान कांग्रेस के जिला परिषद सदस्यों को लगातार होटल बदलने पड़े और पुलिस उनका पीछा कर रही थी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष की माइंस पर रेड और पेनल्टी लगाए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि कांग्रेस के 18 सदस्य अंदर गए थे, लेकिन रानू वाला को 17 वोट ही मिले, यानी एक वोट क्रॉस हुआ है, तो उन्होंने कहा कि उन्हें अभी यह जानकारी नहीं है कि क्रॉस वोट किसका हुआ है, लेकिन कांग्रेस की जीत सबसे बड़ी बात है। उन्होंने भाजपा के सेमीफाइनल वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यह जीत 2028 के विधानसभा चुनाव के फाइनल का संकेत है और जनता इसका जवाब देगी। नवनिर्वाचित जिला प्रमुख रानू वाला ने जीत के बाद कांग्रेस पार्टी और सभी जिला परिषद सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर विश्वास जताते हुए जिला प्रमुख पद का प्रत्याशी बनाया और सदस्यों ने उन्हें समर्थन देकर विजयी बनाया है। रानू वाला ने कहा कि उन्हें 17 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी पूजा कुमारी को 14 मत मिले। उन्होंने इस जीत को पार्टी के विश्वास और सदस्यों के समर्थन की जीत बताते हुए सभी का धन्यवाद किया।

- रानू वाला ने 17 वोट लेकर भाजपा की पूजा कुमारी को मात दी


जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला प्रमुख को प्रमाण जत्र सौंपा।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, जिला जयपुर अध्यक्ष तारा अग्रवाल एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने जय भारती विद्यामंदिर बिशनगढ़ मे शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक भंवर सिंह कसाना द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रिंसिपल शशी बाल अग्रवाल भी उपस्थित रही।अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने शिविर में बताया कि हमारे बाल-विद्यार्थियो, युवाओं के भविष्य के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा बाल विद्यार्थियों के कानूनी अधिकार, एवं उनके "बचपन सुरक्षित,तो देश सुरक्षित" के लिए नालसा योजनाओं में "नशा मुक्त भारत अभियान" एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए बाल्यावस्था से ही जागरूक करना होगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के तत्वावधान में देशव्यापी सघन अभियान चलाया जा रहा है। हमारे युवाओं को नशा के दुष्प्रभाव से बचाना है। गाय बैल लावारिस पशुओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के द्वारा घर-घर में मिष्ठान पदार्थों को थैली सहित फैक देने से पशुओं द्वारा खाने से उनकी मृत्यु को बचाने के लिए बहिष्कार हर घर घर से होना आवश्यक है। इसके लिए बाल्यावस्था से स्कूल के विद्यार्थियों को विधिक जागरूकता जानकारी से अवगत कराया जाता है। सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को नशा नहीं स्वास्थ्य चुने, नशा नहीं भविष्य के सपने चुने। बाल्यावस्था में दिशा-निर्देश अगर सही शिक्षा ग्रहण करने पर ही भविष्य सुखद होगा।"नशा को कहो ना, शिक्षा को कहो हाँ, "परम्पराओं को सभी सरकारी स्कूलों, प्राइवेट स्कुलो के विद्यार्थियों को "नालसा शिक्षा स्कीम 2026 " के प्रति अभियान चलाया जाना अनिवार्य रूप से आवश्यक है।

मत्स्य उत्सव में योग, प्रकृति व अंतरिक्ष विज्ञान का संगम

अलवर। मत्स्य उत्सव-2026 के तहत बुधवार को अलवर में विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक, शैक्षिणक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया गया। उत्सव के कार्यक्रमों में सुबह से ही लोगों की भागीदारी देखने को मिली। कंपनी बाग में योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया, वहीं नमो वन स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में नेचर वॉक और वन विभाग की गतिविधियों के जरिए लोगों को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया गया। दूसरी ओर मोती डूंगरी पर आयोजित अंतरिक्ष दर्शन कार्यक्रम ने बच्चों, विद्यार्थियों और विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों को ब्रह्मांड की दुनिया से परिचित होने का अवसर दिया।

मत्स्य उत्सव के तहत बुधवार सुबह 7 बजे कंपनी बाग में योगा फॉर ऑल कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक फिटनेस, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को नियमित योग के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग की विभिन्न क्रियाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। सुबह 9 बजे नमो वन स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में नेचर वॉक एवं वन विभाग की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- कंपनी बाग में योगाभ्यास से दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश, नमो वन में नेचर वॉक और मोती डूंगरी पर अंतरिक्ष दर्शन बना आकर्षण

जिला परिषद के उप प्रमुख चुनाव की बैठक आज

दौसा (निसं.)। पंचायत आम चुनाव-2026 अंतर्गत जिला परिषद दौसा के उप प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए 26 नवंबर को निर्वाचन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिला परिषद दौसा के सभा भवन में सुबह 10 बजे से बैठक आयोजित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे से निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र सुबह 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा सुबह 11.30 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थी दोपहर 1 बजे तक अपनी अभ्यर्थिता वापस ले सकेंगे। अभ्यर्थिता वापसी के तुरंत बाद चुनाव लडने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। आवश्यकता होने पर मतदान दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे के मध्य कराया जाएगा।

आत्मरक्षा मानसिक सतर्कता और आत्मविश्वास का नाम है : रविप्रकाश शर्मा

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीएसपी रविप्रकाश शर्मा रहे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मीनाक्षी बघेल ने की।

- रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शुरू

कार्यक्रम संयोजक डॉ. उषा बागड़ी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। मुख्य अतिथि डीएसपी रविप्रकाश शर्मा ने कहा कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक बल ही नहीं, बल्कि मानसिक सतर्कता और आत्मविश्वास का नाम है। उन्होंने छात्राओं को विपरित परिस्थितियों में निडर रहने, पुलिस हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने एवं कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रोफेसर मीनाक्षी बघेल ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई के आदर्शों से प्रेरणा लेकर छात्राओं को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से प्रशिक्षण के तहत आयोजित होने वाले शिविर में बढ़-चढक़र भाग लेने का आ ान किया। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. उषा बागड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन ने किया। इस दौरान सह संयोजक डॉ. सोना अग्रवाल, प्रोफेसर मदन मोहन महावर, प्रोफेसर प्रभा गुप्ता, राजेश कुमार मीणा व रूपा चौधरी सहित सभी संकाय मौजूद थे।



राजकीय महाविद्यालय में आयोजित, आत्मरक्षा शिविर को डीवाईएसपी रविप्रकाश ने संबोधित किया।

टोंक में पायलट समर्थक बीना बैरवा निर्विरोध जिला प्रमुख बनीं

दौसा (निसं)। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कडी सुरक्षा के बीच बुधवार को दौसा जिला परिषद के जिला प्रमुख के चुनाव सम्पन्न हुये। चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी बीना बैरवा निर्विरोध जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित हुई। इधर बीना बैरवा के निर्विरोध जिला प्रमुख निर्वाचित होने के साथ ही कांग्रेसियों ने आतिशबाजी कर जमकर जश्न मनाया। उधर बीना बैरवा के जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर पायलट खेमें खुशी की लहर दौड गई है।

उल्लेखनीय है कि दौसा जिला परिषद 37 सदस्यों में से कांग्रेस के 35 तथा भाजपा के दो सदस्य चुनाव जीत कर आये है। कांग्रेस ने काफी जद्दोजहद के बाद सर्व सम्मति से दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा की पत्नी बीना बैरवा को जिला प्रमुख पद के लिए अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया। बीना बैरवा बुधवार को जिला परिषद पहुंची तथा कांग्रेस की ओर से जिला प्रमुख पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इधर भाजपा में एससी महिला चुनाव जीतकर नही आई जिसके चलते कांग्रेस की ओर से एक ही नामांकन दाखिल किया गया। जिला प्रमुख पद के लिए कांग्रेस की ओर से एक ही नामांकन दाखिल होने पर नामांकन वापसी का समय पूर्ण होने के साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने बीना बैरवा को जिला प्रमुख हेतु निर्वाचित घोषित किया तथा पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई। इधर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा द्वारा विधिवतरुप से बीना बैरवा के निर्वाचन की घोषणा किये जाने के साथ ही जिला परिषद के बाहर खडे सैंकडो काग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियो ने ढोल-नगाडों तथा आतिशबाजी के साथ जमकर खुशी मनाई।

- पूर्व मंत्री परसादीलाल मीणा ने बाजी पलटी

पायलट गुट से आती है बीना बैरवा: नवनिर्वाचित जिला प्रमुख बीना बैरवा पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट गुट से आती है। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा एवं बीना बैरवा पायलट के कट्टर समर्थको में गिने जाते है। नवनिर्वाचित जिला प्रमुख बीना बैरवा ग्राम पंचायत जीरोता खुर्द की सरपंच एवं पंचायत समिति लवाण की प्रधान रह चुके है। बीना बैरवा के पति वर्तमान में दौसा से कांग्रेस के विधायक है, दीनदयाल बैरवा को उपचुनाव में सचिन पायलट ने चुनावी मैदान में उतारा था।

पूर्व मंत्री परसादीलाल मीणा ने पटली बाजी: कांग्रेस में दौसा जिला प्रमुख पद के लिए दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा की पत्नी बीना बैरवा एवं पूर्व मंत्री ममता भूपेश की पुत्री देवांगना भंडारी ने जबरदस्त दावेदारी प्रस्तुत कर रखी थी। दोनो की दावेदारी स्थानीय एवं प्रदेश स्तरीय नेताओं के लिए गले की फांस बन चुकी थी। बताया जाता है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दबाव के चलते देवांगना भंडारी का नाम लगभग तय माना जा रहा था। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटाडरा ने सभी नेताओं एवं सभी जिला परिषद सदस्यो को वन-टू-वन के लिए जयपुर बुलाया। सूत्रो ने बताया कि वन-टू-वन के दौरान पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने सख्त टिप्पणी करते हुये प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा से कहा कि दौसा जिला परिषद गठन के बाद दौसा विधानसभा क्षेत्र से एक बार भी जिला प्रमुख नही बना है, ऐसे में बीना बैरवा को प्रत्याशी बनाया जाना चाहिये। सूत्रो ने बताया कि पूर्व मंत्री परसादीलाल मीणा ने वर्ष 2000 मे हुये जिला प्रमुख चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग का जिक्र करते हुये क्रॉस वोटिंग करने वालो का प्रत्याशी नही बनाये जाने का दबाव बनाया।

पंचायत समिति चुनाव 27 एवं 28 नवंबर को

दौसा (निसं.)। पंचायत राज आम चुनाव-2026 के तहत जिले की पंचायत समितियों में प्रधान एवं उप प्रधान पदों के लिए निर्वाचन 27 एवं 28 नवंबर को कराया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 नवंबर को प्रधान तथा 28 नवंबर को उप प्रधान पद के लिए चुनाव होंगे। निर्वाचन प्रक्रिया संबंधित पंचायत समिति मुख्यालय अथवा अन्य निर्धारित निर्वाचन स्थल पर संपन्न होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने बताया कि दोनों ही दिनों में सुबह 10 बजे से निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होगी। अभ्यर्थी सुबह 11 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा सुबह 11.30 बजे से होगी तथा अभ्यर्थिता दोपहर 1 बजे तक वापस ली जा सकेगी। अभ्यर्थिता वापसी के तुरंत बाद चुनाव लडने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। आवश्यकता होने पर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा।

कार्यशाला में उच्च रक्तचाप व कैंसर पर चर्चा की

टोंक। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को एनसीडी (गैर संचारी रोग) कार्यक्रम को लेकर जिला स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सीएमएचओ कार्यालय के मीटिंग हॉल में किया गया। कार्यशाला में राज्य नोडल अधिकारी (एनसीडी) डॉ. सुनील सिंह और स्टेट एनसीडी सेल टीम ने कार्यक्रम के एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं कैंसर सहित गैर संचारी रोगों की रोकथाम, समय पर स्क्रीनिंग, रोग की पहचान, उपचार एवं नियमित फॉलोअप की जानकारी दी। उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप स्क्रीनिंग एवं मरीजों के पंजीकरण की प्रगति बढाने तथा उपचार एवं फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्टेट टीम ने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग, शीघ्र पहचान एवं बचाव संबंधी जानकारी दी। सी-बैक (ब-ठाब) फॉर्म, ऑनलाइन डाटा एंट्री एवं निर्धारित रिपोर्टिंग फॉर्मेट की तकनीकी जानकारी देते हुए समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नानूराम कुलदीप ने कहा कि 30 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की एनसीडी के तहत नियमित स्क्रीनिंग अत्यंत आवश्यक है। इस आयु वर्ग के लोगों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं ओरल, ब्रेस्ट तथा सर्वाइकल कैंसर की समय पर जांच करवानी चाहिए। एनसीडी से बचाव के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम एवं शारीरिक गतिविधियां अपनाने, तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों तथा शराब के सेवन से दूर रहने, वजन नियंत्रित रखने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. सुनील सिंह राज्य नोडल अधिकारी एनसीडी, दीपक शर्मा कंसलटेंट कैंसर सर्वाइकल, दीपेंद्र सिंह तंवर टेक्निकल टीम टाटा ट्रस्ट, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नानूराम कुलदीप, डॉ. अंशुल शर्मा, डॉ. छगनलाल मीणा, लोकेश सिंघल सहित समस्त ब्लॉकों के बीसीएमओ, बीपीएम, चयनित चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ, एएनएम एवं एनसीडी कार्यक्रम से जुड़े कार्मिक उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता व पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल का आकस्मिक निधन, न्यायिक कार्य स्थगित

कोटपूतली। वरिष्ठ कर अधिवक्ता (टैक्स एडवोकेट), पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल निवासी आदर्श नगर, वार्ड नं. 40 का मंगलवार 24 नवंबर को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र के न्यायिक, राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

दिवंगत अग्रवाल का अंतिम संस्कार बुधवार 25 नवंबर को दोपहर 03 बजे किया जाएगा। वे अपने पीछे भाई किशन लाल बंसल व सुरेश चंद्र अठावाल तथा पुत्र एड. मनोज अठावाल व दीपक अठावाल सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। अठावाल वकालत के पेशे के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी अत्यंत सक्रिय रहे। उन्होंने पूर्व पार्षद, कोटपूत

सार-समाचार

निगम ने ट्रांसफार्मरों के चारों तरफ रैलिंग लगाना शुरू किया

सांभरझील, (निसं)। इंसानों व निराश्रित घूमते पशुओं को संभावित ख़तरों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के स्तर से सराहनीय पहल शुरू कर सड़कों के नजदीक व घनी आबादी के आसपास स्थापित छोटे व बड़े ट्रांसफरों के चारों तरफ रैलिंग लगाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर अभियान विशेष के तहत किया जा रहा है। इस कार्य को यहां के लोगों ने तारीफे काबिल बताया है। कनिष्ठ अभियंता सुरेश विश्नोई बताते हैं कि सांभर में चालीस के करीब ऐसे टांसफार्मर चिन्हित भी कर लिए गए हैं, जिनके चारों तरफ रैलिंग लगाना सुरक्षा के लिहाज से काफी जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि फुलेरा में भी 40 के करीब ट्रांसफार्मरों के चारों रेलिंग लगाई जाएगी तथा इसी प्रकार रेनवाल व जोबनेर क्षेत्र में भी इस काम को प्रभावी ढंग से किया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला प्रमुख की जीत पर हर्ष जताया

सांभरझील। जिला प्रमुख के पद पर यशवीर सुरा के निर्वाचित होने पर यहां के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त हर्ष की लहर दौड़ गई। इस खुशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए इसे भाजपा की तानाशाही सरकार के लिए करारा तमाचा बताया। कांग्रेस नेता नजमुल हसन उस्मानी का कहना है कि प्रदेश के मुखिया को यह भली भांति से पता था कि पंचायत चुनाव में उनकी पराजय को कोई नहीं टाल सकता इसलिए वे बार-बार चुनाव करवाने से बचते रहे लेकिन हाईकोर्ट की दखलअंदाजी के बाद आखिरकार उनको चुनाव करवाने का प्रदेश में निर्णय लेना पड़ा और जिसका परिणाम आज सबके सामने है। पूर्व पार्षद सिराजुद्दीन मंसूरी का कहना है कि भाजपा की कमर तोड़ महंगाई से जनता त्रस्त है, इसलिए पंचायत चुनाव में क्षेत्र की जनता ने भाजपा को अपना असली आइना दिखाने का काम किया है। कांग्रेस नेता कैलाश शर्मा, दिनेश शर्मा, पंडित रतनलाल शर्मा, अरविंद मेहरडा, कैलाश सकरवाल, नवल किशोर सोनी, इरफान कुरैशी, मंजूर अली एडवोकेट ने बाड़मेर के गफूर अहमद के जिला प्रमुख बनने पर हर्ष जताया तथा दोनों ही निर्वाचितों को अपनी-अपनी ओर से बधाई संदेश प्रेषित किया। कांग्रेसियों कहना है कि कांग्रेस की प्रचंड जीत से यह सिद्ध हो गया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पर्ची वाली सरकार की विदाई को कोई दुनिया की ताकत नहीं रोक सकती है।

संविधान की पहल को घर-घर पहुंचाने में जुटे है : डॉ बुनकर

शाहपुरा। नगर परिषद् के गांव बिदारा निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरण मल बुनकर द्वारा घर-घर संविधान पहल कर छात्रों,नागरिकों और हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच संविधान के मूल्यों,मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गांव गांव जाकर जन्मदिन,सेवानिवृत्ति समारोह,वैवाहिक वर्षगांठ,प्रतिभा सम्मान समारोह आदि में पिछले 7 वर्षों से संविधान प्रस्तावना,डॉ अम्बेडकर जीवनी आदि का नि:शुल्क वितरण कर रहे है। डॉ बुनकर के बताया कि संविधान प्रस्तावना,डॉ अम्बेडकर जीवनी नागरिकों को सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ मौलिक स्वतंत्रता, समानता और विविधता में एकता की गारंटी देता है। घर-घर संविधान का उद्देश्य आम जन को संविधान के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। इस पहल का उद्देश्य संविधान के सिद्धांतों,जैसे धर्मनिरपेक्षता,समाजवाद, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के बारे में गहरी समझ को बढ़ावा देना है। इस पहल से नागरिक के रूप में उनके मौलिक अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने में मदद करने के महत्व पर जोर दिया गया है,साथ ही इस प्रयास से न केवल उनका संवैधानिक ज्ञान बढ़ेगा बल्कि सामाजिक न्याय,एकता और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना भी विकसित होगी।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया, आकर्षक झांकी सजाई

फुलेरा। सिंघानिया धर्मशाला के पास नाका भवन में राजस्थान गौड़ विप्र महासभा फुलेरा शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्व. श्रीनारायण नाका की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायक दिनेश सुरेलिया, महेश कुमार शर्मा, दीपक शर्मा, रामगोपाल शर्मा एवं लेखराज सैनी ने चौपाइयों की मधुर प्रस्तुतियां दीं। वहीं गायक कमलेश शर्मा एवं मोहित नायक ने भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान शैलेंद्र शर्मा नाका, संजय शर्मा, तनिष्क, हर्षिक, देवांशी एंव श्रेयांशी गौड़ ने गायकों का स्वागत किया। भगवान श्रीराम एवं बालाजी की आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम के समापन पर आरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका मंडल अध्यक्ष राजू दाधीच, निर्मल शर्मा, सुरेशचंद सारस्वत, नवनीत शर्मा, अनिल शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, दामोदर कुमावत, मुरारीलाल सिंवाल, सीएल गोठवाल, रामलीला निर्देशक राजेश शर्मा, सचिव देवकीनंदन जांगिड़, कृष्णगोपाल जांगिड़, प्रमोद माथुर, राकेश शर्मा, मोनू सोनी, एवं दीनदयाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टोंक में अलका बैरवा बनी जिला प्रमुख

टोंक। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जिला प्रमुख पद का निर्वाचन बुधवार को सम्पन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी ने बताया कि टोंक जिला परिषद के जिला प्रमुख पद के निर्वाचन में डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या 31 थी। इसमें कांग्रेस की अलका बैरवा को 26 मत एवं बीजेपी की प्रियंका बैरवा को 5 मत प्राप्त हुए। इस तरह जिला परिषद टोंक के जिला प्रमुख के पद पर पूर्व निवाई प्रधान अलका बैरवा निर्वाचित हुई है। वही जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस की रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की गई है। 10 साल बाद जिला परिषद की सीट पर कांग्रेस ने कब्जा कियाहै। कांग्रेस प्रत्याशी अलका बैरवा ने भाजपा प्रत्याशी प्रियंका बैरवा को 21 मतों से शिकस्त दी। इस दौरान पूर्व निवाई विधायक प्रशांत बैरवा की पत्नी सुषमा बैरवा ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और अलका बैरवा को शुभकामनाएं देते हुए जिले के बेहतर विकास के लिए एकजुट होकर काम करना हैं।

प्रधान पद की कुर्सी को लेकर विराटनगर में सियासी संग्राम

- **गुर्जर समाज की मांग पर पानी की टंकी पर चढ़े पूर्व सरपंच शीशराम दायमा**
- **सुबह 11 बजे टंकी पर चढ़कर जताया विरोध, शाम 5 बजे तक प्रशासन की समझाइश बेअसर; प्रधान पद पर समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर अड़े रहे दायमा, मौके पर जुटी लोगों की भीड़**

पावटा। विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर चल रही सियासी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। प्रधान की कुर्सी पर किस समाज का प्रतिनिधित्व होगा, इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। गुर्जर समाज को प्रधान पद नहीं मिलने से उपजे असंतोष ने बुधवार को उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष एवं छितौली के पूर्व सरपंच, जिला परिषद वार्ड न.15 से कांग्रेस प्रत्याशी शीशराम दायमा विरोध जताते हुए पानी की टंकी पर चढ़ गए। सुबह करीब 11 बजे दायमा के अचानक पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और विराटनगर में प्रधान पद को लेकर चल रहा सियासी घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। जानकारी के अनुसार विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक जोड़-तोड़ और सामाजिक समीकरणों का दौर चल रहा है।

पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के बाद प्रधान पद को लेकर अलग-अलग समाजों की ओर से अपने प्रतिनिधित्व की मांग उठाई जा रही है। इसी बीच गुर्जर समाज को प्रधान पद नहीं मिलने से समाज के लोगों में

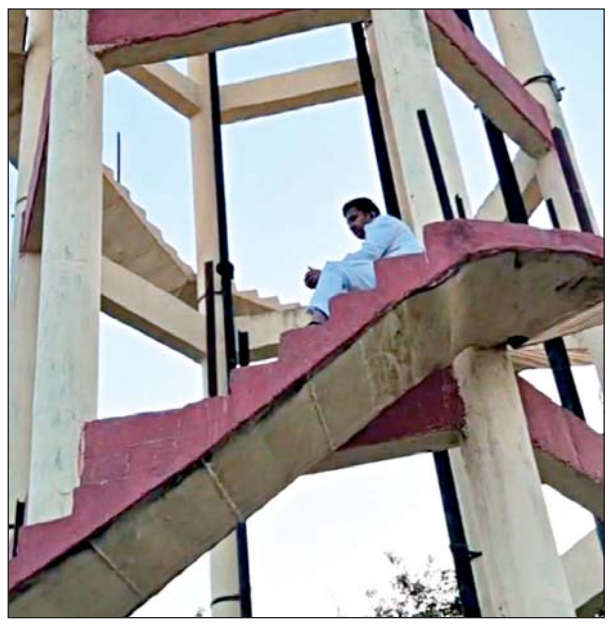

टंकी पर चढ़े दायमा।

नाराजगी सामने आई।

समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर पूर्व सरपंच शीशराम दायमा ने पानी की टंकी पर चढ़कर अपना विरोध दर्ज करवाया। दायमा के टंकी पर चढ़ने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्रों से लोग मौके पर पहुंचने लगे। वार्ड नंबर 15 से शीशराम दायमा कांग्रेस प्रत्याशी थे भाजपा के रोहिताश सिंधु से चुनाव हारे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी तत्काल मौके पर पहुंचे।

वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश निठारवाल, तहसीलदार राजेंद्र तथा विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दायमा से बातचीत की और उन्हें नीचे उतरने के लिए समझाइश की। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ यह घटनाक्रम शाम तक जारी रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार बातचीत कर मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किया। अधिकारियों की ओर से समझाइश का दौर चलाया गया, लेकिन शाम करीब 5 बजे तक कोई सफलता नहीं मिल पाई। शीशराम दायमा अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका विरोध गुर्जर समाज को प्रधान पद पर प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने को लेकर था।

वही शाम करीब 5.15 बजे शीशराम दायमा की माताजी व समाज के गणमान्य लोगों द्वारा एक मंच पर समाज की इस समस्या के निस्तारण की समझाइश के बाद शीशराम दायमा टंकी से नीचे उतरे। विराटनगर पंचायत समिति में प्रधान पद को लेकर उपजा यह विवाद अब केवल राजनीतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी बनता नजर आ रहा है। एक ओर प्रधान पद को लेकर राजनीतिक दलों और पंचायत समिति सदस्यों के बीच समीकरण साधने की कवायद जारी है, वहीं दूसरी ओर गुर्जर समाज की ओर से अपने समाज को प्रधान बनाने की मांग ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है।

पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध जताने की घटना ने पूरे क्षेत्र का ध्यान विराटनगर की राजनीति की ओर खींच दिया है। देर शाम तक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस मामले को किस तरह सुलझाता है और प्रधान पद को लेकर चल रही सियासी उठापटक आखिर क्या नया मोड़ लेती है।

सरपंच पुष्पा बैरवा ने पदभार ग्रहण किया

निवाई। ग्राम पंचायत पलेई की नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा ने विधिवत पूजा अर्चना करके पदभार ग्रहण किया है। सरपंच पुष्पा बैरवा ने पदभार से पूर्व गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना करके जुलूस के साथ सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की। इस दौरान गांव में जगह-जगह पर ग्रामीणों ने सरपंच पुष्पा बैरवा का स्वागत करके बधाई दी। सवा 11 बजे पंडित अजय शर्मा के सानिध्य में मंत्रोचारण के साथ विधिवत पूजा अर्चना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रशासक भवानी सिंह राजावत ने नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई दीं। नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा का माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पा बैरवा ने सभी ग्रामीणों, वार्ड पंचों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पलेई ग्राम पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे एवं ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांव में स्वच्छता, पेयजल, सडक़, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। इस अवसर पर किसान महापंचायत ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह पलेई, शंकरलाल मीणा, पूर्व सरपंच भवानी

आशा देवी सवाई माधोपुर की जिला प्रमुख बनीं

सवाई माधोपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद सवाई माधोपुर के जिला प्रमुख पद का निर्वाचन बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इंडियन नेशनल कांग्रेस की प्रत्याशी आशा देवी जिला प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुईं।

- **जिला प्रमुख का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न**
- **जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई**

जिला परिषद सभागार में आयोजित प्रमुख के पद पर निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान परिषद के 31 नवनिर्वाचित सदस्यों में से एकमात्र प्रत्याशी आशा देवी का नामांकन प्राप्त हुआ। जांच में नामांकन वैध पाए जाने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सवाई माधोपुर जिला परिषद के प्रमुख का पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है, जिस पर अनुसूचित जाति महिला जिला प्रमुख चुनी गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने नवनिर्वाचित जिला प्रमुख श्रीमती आशा देवी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित कासनिया सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए।

राम निवास कोटपूतली-बहरोड़ के जिला प्रमुख बने

कोटपूतली-बहरोड़। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के प्रमुख पद के निर्वाचन का परिणाम घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता द्वारा जारी परिणाम के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी राम निवास जिला परिषद प्रमुख पद पर निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

निर्वाचन में राम निवास को कुल 20 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बलवान सिंह को 7 मत मिले। इस प्रकार राम निवास ने 13 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

निर्वाचन में कुल 27 मत डाले गए। सभी 27 मत वैध पाए गए। कोई भी मत निरस्त अथवा निविदत्त नहीं हुआ। वहीं नोटा के पक्ष में भी कोई मत नहीं डाला गया।

अलवर में कांग्रेस की अनीता मीणा बनीं जिला प्रमुख, भाजपा को करारी शिकस्त

अलवर। अलवर जिला परिषद में जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस ने अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस की अनीता मीणा जिला प्रमुख निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने भाजपा की संतोष मीणा को 23 वोटों के बड़े अंतर से हराया। अनीता मीणा को कुल 39 में से 31 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी संतोष मीणा को केवल 8 वोट हासिल हुए। चुनाव परिणाम ने जिला परिषद में कांग्रेस के मजबूत बहुमत पर मुहर लगा दी।

- **39 में से 31 वोट हासिल कर दर्ज की जीत, भाजपा की संतोष मीणा को मिले महज 8 वोट; कांग्रेस के दो सदस्यों ने क्रॉस वोटिंग कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में किया मतदान**

मतदान के दौरान कांग्रेस के 31 सदस्य बस में सवार होकर जिला परिषद पहुंचे। वहीं भाजपा के 8 सदस्य मतदान के लिए पहुंचे। जिला परिषद की कुल 39 सीटों में कांग्रेस के 33 सदस्य चुनाव जीतकर आए थे, जबकि भाजपा के 4 और दो निर्दलीय सदस्य निर्वाचित हुए थे। इसके बावजूद भाजपा प्रत्याशी को मिले 8 वोटों ने चुनाव में क्रॉस वोटिंग की तस्वीर भी साफ कर दी।

कांग्रेस के दो सदस्यों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। ये दोनों सदस्य पहले ही भाजपा की बाड़ेबंदी में चले गए थे। वहीं दो निर्दलीय सदस्यों ने भी भाजपा प्रत्याशी का साथ दिया। इस तरह भाजपा के चार सदस्यों के साथ कांग्रेस के दो और निर्दलीय दो सदस्यों के वोट मिलाकर संतोष मीणा को कुल 8 वोट मिले।

मतदान से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने दावा किया था कि कांग्रेस के पास 31 सदस्यों का समर्थन है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा ने कांग्रेस के दो सदस्यों को तोड़ने की कोशिश की है। साथ ही उन्होंने भाजपा के भी दो सदस्यों का समर्थन मिलने की उम्मीद जताई थी। हालांकि, परिणाम में कांग्रेस को 31 वोट मिले और भाजपा प्रत्याशी के खाते में 8 वोट आए।

भाजपा ने जिला प्रमुख पद के लिए संतोष मीणा को प्रत्याशी बनाया था। जिला परिषद में भाजपा की ओर से निर्वाचित एसटी वर्ग की वह एकमात्र महिला सदस्य थीं। वहीं कांग्रेस के पास 33 सदस्यों का बहुमत था। दो निर्दलीय सदस्यों की जीत के बाद मुकाबले को लेकर राजनीतिक हलचल बनी हुई थी, लेकिन मतदान के परिणाम ने कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट कर दी।

पीपल विवाह में उमड़ा सैलाब

निवाई। भरकुआं तालाब रोड पर स्थित भोमिया जी महाराज के मंदिर में बुधवार को आचार्य पंडित केदार नारायण शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पीपल विवाह महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

- **शाही लवाजमे के साथ निकली भगवान लक्ष्मीनाथजी की बारात**



पीपल विवाह को लेकर यज्ञ में आहुतियां देते हुए श्रद्धालु।

बुधवार को सुबह पंडित शंकरलाल दुबे ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान का पंचामृत अभिषेक कर विशेष पोशाक धारण करवाई। इसके बाद भगवान को सजी-धजी ट्रैक्टर-ट्रॉली में विराजमान किया गया। जिसके बाद पालिका अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा ने आरती करके बारात को रवाना किया। बारात शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए भौमिया जी के मंदिर पहुंची। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु व युवक-युवतियां डीजे के मधुर भजनों पर नाचते-गाते चल रहे थे। मंदिर परिसर में शिवदयाल सैनी व प्रहलाद सैनी के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का भव्य स्वागत किया। वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में तोरण की रस्म एवं पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। पीपल का कन्यादान मुख्य यजमान पूर्व पार्षद प्रहलाद सैनी ने किया। इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करके 151 दीपकों से महाआरती की गई। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर संत मनीष दास महाराज, पार्षद तनीषा, केशवप्रसाद, पंडित रामअवतार , कमलेश, पार्षद राहुल, शिवदयाल नेता, पार्षद दुर्गालाल, लालचंद, शिवदयाल व हीरालाल सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

जिला अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव 11 दिसंबर को

कोटपूतली। जिला अभिभाषक संघ, कोटपूतली के वार्षिक चुनाव (सत्र 2026-27) आगामी 11 दिसंबर को होना प्रस्तावित है। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने और नई मतदाता सूची तैयार करने के उद्देश्य से संघ की कार्यकारिणी ने सभी सदस्य अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. बजरंगलाल शर्मा व सचिव एड. मुकेश कुमार यादव ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केवल एक ही बार एसोसिएशन की मतदाता सूची में नाम रखने का फोटोयुक्त शपथ-पत्र जमा कराना अनिवार्य है। सभी सदस्य अधिवक्ताओं को 25 से 30 नवंबर की शाम 05 बजे तक जिला अभिभाषक संघ कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों अथवा कार्यालय

- **30 नवंबर तक जमा होंगे शपथ-पत्र**

कर्मचारी महेश स्वामी के समक्ष अपना शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। शपथ-पत्र के साथ एडवोकेट आईडी/सनद की प्रति तथा एआईबीई पास प्रमाण-पत्र (जिन पर लागू हो) संलग्न करना आवश्यक है। एआईबीई प्रमाण-पत्र का मिलान बार कौंसिल ऑफ राजस्थान की सूची से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शपथ-पत्र जमा करते समय संबंधित अधिवक्ता का लाईव फोटो भी लिया जाएगा। अधिवक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संघ ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के अवकाश वाले दिन भी कार्यालय में शपथ-पत्र जमा कराए जा सकेंगे। संघ के उपाध्यक्ष एड. नरेन्द्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष एड. अजय सिंह तँवर, पुस्तकालय सचिव एड. रेखा

आबकारी अधिनियम में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतला। जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत निकटवर्ती सरुण्ड थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने आबकारी अधिनियम के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार तथा एएसपी नाजिम अली खान एवं डीएसपी मदनलाल जैफ के सुपरविजन व सरुण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा बुधवार 25 नवंबर को थाना क्षेत्र में फरार अपराधियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि वांछित आरोपी कुजोता मोड़ के पास मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर संदिग्ध को डिटेन किया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रामनिवास (42) पुत्र जयमल उर्फ जगमाल बावरिया निवासी अजीतपुरा कलां, पुलिस थाना सरुण्ड के रूप में हुई है। पुलिस अब आरोपी से मामले में आगे की पूछताछ कर रही है।

देवली में मंदिर से चांदी के छत्र चोरी होने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

- **लेकिन चोरी हुए चांदी के छत्र चोर से बरामद किया जाना अभी बाकी ।**

देवली (निसं)। पिछले कई दिनों से शहर में एक के बाद एक हो रही चोरी के एक मामले मे पुलिस को फोरी फोरी सफलता मिली है। इस मामले में देवली पुलिस ने चोर तक पहुंचने में जरूर थोड़ी फुर्ती दिखाई है। शायद इसलिए कि यह चोरी पुलिस थाने के बेहद करीब स्थित बावड़ी बालाजी मंदिर मैं हुई थी। यहां बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी के बाद से पुलिस की साख पर गंभीर सवाल उठना शुरू हो गए थे। शायद इसी के मध्य नजर देवली पुलिस ने बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी के मामले में अपनी सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी कैमरो की मदद लेते हुए आखिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बावड़ी बालाजी में हुई चोरी के मामले में बनाई गई स्पेशल टीम ने जिस युवक चोर को गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी के खिलाफ पहले से ही चोरी इत्यादि अपराध के 13 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज हे।

शहर के बावड़ी बालाजी मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद बुधवार को



पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

देवली पुलिस ने इस मामले में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। लेकिन चोरी हुए दो चांदी के छत्र चोर से बरामद किया जाना फिलहाल बाकी है। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपी आदतन अपराधी बताया गया है। पुलिस ने बताया कि उक्त आरोपी चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रहा करता था। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में 18 नवंबर को देवली शहर के प्रसिद्ध बावड़ी बालाजी मंदिर से अज्ञात चोर चांदी के दो 500 ग्राम वजनी छत्र चोरी कर ले गए थे। इस मामले में मंदिर पुजारी के द्वारा घटना की रिपोर्ट देवली पुलिस थाने में दर्ज करवा दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने थाने में मामला दर्ज कर तुरंत प्रभाव से अनुसंधान शुरू कर दिया इसी के साथ उक्त मामले में टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा और देवली सर्किल इंचार्ज डीएसपी मदन ढाका के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर देवली थाना प्रभारी प्रीती रत्नू ने एक विशेष टीम गठित की और चोरी की वारदात का खुलासा करने के निर्देश दिए। इसी के चलते अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शहर के उक्त स्थान के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की मदद लेना शुरू कर दिया। इसी के साथ विशेष टीम ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ शुरू कर दी और शहर के, संदिग्धों पर निगरानी रखना शुरू कर दिया। इसी बीच पुलिस जांच में आरोपी से जुड़ा मामला यह सामने आया कि बावड़ी बालाजी मंदिर से चांदी के दो छत्र चोरी करने वाला आरोपी मोग्या जाति का होने के कारण स्थायी आवास पर नहीं रहता था। और चोरी की वारदात के बाद अलग-अलग स्थानों पर जंगलों में छिपकर पुलिस को चकमा देने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच विशेष टीम पुलिस ने उक्त आरोपी को देवली उपखंड क्षेत्र के दूनी की पहाड़ियों के पास से गिरफ्तार कर लिया है । देवली पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुशीराम उर्फ अंकेश पुत्र रतनलाल मोग्या निवासी चराई, थाना सदर जिला टोंक के रूप में की है। मंदिर से चोरी के इस मामले मे गिरफ्तार आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। और चोरी हुए चांदी के दो छत्रों की बरामदगी तथा उसके अन्य साथियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

रणथम्भौर में पुराने पर्यटक वाहनों का होगा पंजीकरण

सवाई माधोपुर। रणथम्भौर में पर्यटन व्यवस्था के सुचारू संचालन एवं पर्यटक वाहनों की निर्धारित मानकों के अनुरूप फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन सत्र 2026-27 में 11 वर्ष से अधिक पुराने 109 वाहनों का पंजीकरण/नवीनीकरण किया जाएगा।

- **फिटनेस जांच के बाद ही मिलेगी पर्यटन सत्र 2026-27 में पार्क भ्रमण की अनुमति, आवेदन 2 दिसंबर तक जमा कर सकेंगे वाहन मालिक**

उप वन संरक्षक (पर्यटन) रणथम्भौर बाघ परियोजना संजीव शर्मा ने बताया कि पर्यटन के सुगम संचालन के लिए पर्यटन सत्र 2026-27 में 11 वर्ष से अधिक पुराने होने के कारण बाहर हुए 109 वाहनो को जब तक नवीन वाहनों का पंजीकरण नहीं होता है केवल तब तक के लिए इस पर्यटन सत्र 2026-27 (30 जून 2027 तक) हेतु पार्क में पर्यटक के भ्रमण के लिए फिटनेस जांच के उपरान्त नवीनीकरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वाहन मालिकों को पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए निर्धारित आवेदन पत्र के साथ वाहन के आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां कार्यालय में जमा करवानी होंगी। आवेदन एवं वाहन को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण कार्यात्मक निरीक्षण के लिए पंजीकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

आवेदन पत्र 200 रुपये शुल्क नकद जमा करवाकर 27 नवंबर 2026 तक कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। आवेदन 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2026 को शाम 5 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। निर्धारित अवधि के बाद आवेदन विलंब शुल्क 2 हजार रुपये के साथ 5 दिसम्बर, 2026 तक जमा करवाए जा सकेंगे।

उप वन संरक्षक (पर्यटन) ने संबंधित वाहन मालिकों से निर्धारित समयावधि में आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करवाकर पंजीकरण/नवीनीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।



मुझे हमेशा से पैट कमिंस एक इंसान और एक लीडर के तौर पर बहुत पसंद रहे हैं, वे शानदार हैं। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि वे इस तरह सामने आकर मुझ पर व्यक्तिगत हमला करेंगे।

- उस्मान ख्वाजा

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, पैट कमिंस के व्यक्तिगत हमले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



वैभव सूर्यवंशी

भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह की बल्लेबाजी संबंधी सलाह ने उनकी ऐतिहासिक पारी में अहम भूमिका निभाई। वैभव ने बताया कि पिछले कुछ मैचों में रन नहीं बनने के कारण वह काफी परेशान थे और बल्लेबाजी के दौरान उनका ध्यान बार-बार भटक रहा था। ऐसे में युवराज सिंह से हुई बातचीत ने उन्हें अपनी गलतियां समझने और खेल में सुधार करने में मदद की। युवराज ने उनकी तकनीकी खामियां बताईं और सुधार के सुझाव दिए।

क्या आप जानते हैं ?... कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट (434 विकेट) लेने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था, जिससे उन्होंने रिचर्ड हैडली का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा

गेंदबाजी में बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई, 25 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में देखने को मिला है। वेलिंगटन में खेला गया यह मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने अपनी बेहतरीन पारियों के दम पर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल अब शीर्ष 10 में शामिल हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में ऋषभ पंत सबसे आगे बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 128 रन की आकर्षक पारी खेलने वाले पंत एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान शुभमन गिल ने 98 रन की पारी के दम पर तीन स्थान की छलांग लगाई और सातवें स्थान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 85 रन बनाने के बाद पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर आ गए हैं। इस तरह अब तीन भारतीय बल्लेबाज टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। वेलिंगटन में भारत की पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित किए गए स्कोर में सर्वाधिक 136 रन बनाने वाले केएल राहुल को भी फायदा हुआ है। वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्हें 15 स्थान का फायदा हुआ और वह 39वें नंबर पर आ गए हैं।

आईपीएल 2027 की नीलामी के लिये 1220 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण, 66 स्थानों के लिये लगेगी बोली

सूची में 939 भारतीय और 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल, 25 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 66 स्थान खाली

नई दिल्ली, 25 नवंबर। टाटा आईपीएल-2027 की खिलाड़ी नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी ने 184 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है या चुना है। ऐसे में नीलामी के दौरान अधिकतम 66 स्थान भरे जाने हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ियों के स्थान शामिल हैं। पंजीकृत खिलाड़ियों में 184 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ी,



994 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और 42 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ियों में 925 भारतीय हैं। इनमें से 127 खिलाड़ी पहले भी आईपीएल के किसी सत्र में खेल चुके हैं। विदेशी खिलाड़ियों के पंजीकरण में ऑस्ट्रेलिया सबसे आगे है। वहां के 53 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए नाम दिया है। द. अफ्रीका के 40, वेस्टइंडीज के 36, न्यूजीलैंड के 25 और अफगानिस्तान के 23 खिलाड़ी सूची में शामिल हैं। एसोसिएट देशों में अमेरिका के 13 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के 10-10 खिलाड़ी नीलामी की दौड़ में हैं।

छह श्रेणियों में बांटे गए खिलाड़ी

नीलामी के लिए पंजीकृत 1220 खिलाड़ियों को छह श्रेणियों में रखा गया है। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके 14 भारतीय और 170 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। एसोसिएट देशों के 42 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इसके अलावा, पहले आईपीएल खेल चुके 127 गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय, 798 अन्य गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय और 69 गैर-अंतरराष्ट्रीय विदेशी खिलाड़ी सूची में शामिल हैं।

ग्वालियर कप पोलो : विमल एरियन अचीवर्स और रामबाग/स्वराज की जीत से शुरुआत



जयपुर, 25 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन-2026 के तहत छह गोल के 'द ग्वालियर कप' टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को हुई। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में विमल एरियन अचीवर्स और रामबाग/स्वराज ने जीत दर्ज की। पीपीसी ग्राउंड पर पहले मुकाबले में विमल एरियन अचीवर्स ने जयपुर टीम को 8-7.5 गोल से हराया। विजेता टीम के लिए ध्रुवपाल गोदारा ने 3, क्रिस ल्यूक और रणवीर सहारण ने 2-2 तथा साविर मेहराज गोदारा ने एक गोल किया। जयपुर की ओर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने सर्वाधिक 5 गोल दागे। दूसरे मुकाबले में रामबाग/स्वराज ने जगत पोलो को 8-4.5 गोल से शिकस्त दी। जुआन जोस डियाज अल्बर्डी ने 4 गोल किए। हुर्र अली ने 2 तथा सिद्धांत सिंह और प्रताप सिंह कानोता ने एक-एक गोल किया। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल 26 नवंबर को शाम 4 बजे पीपीसी ग्राउंड पर जगत पोलो और विमल एरियन अचीवर्स के बीच खेला जाएगा।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए भारत आईओसी के समक्ष पेश करेगा अपना दावा

नई दिल्ली, 25 नवंबर। ओलंपिक खेलों 2036 की मेजबानी के लिये भारत बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष ऑनलाइन अपना दावा पेश करेगा जहां उसे छह अन्य देशों से टक्कर मिलेगी। भारत इस दौरान वैश्विक खेल आयोजनों के सफल संचालन के अपने समृद्ध अनुभव और हाल के वर्षों में विकसित आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के दम पर अंतरराष्ट्रीय संस्था को प्रभावित करने का प्रयास करेगा।

भारत को ओलंपिक की मेजबानी के लिए जर्मनी, हंगरी, कतर, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और तुर्किये से चुनौती मिल रही है। इस तरह कुल सात देश 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी पेश कर रहे हैं। भारतीय दल का प्रतिनिधित्व केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय ओलंपिक संघ की निवर्तमान अध्यक्ष पीटी उषा, आईओए एथलीट आयोग की प्रमुख एवं दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी और आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर सहित अन्य अधिकारी करेंगे। इस प्रस्तुति में भारत के पूर्व रिकॉर्ड के साथ-साथ अहमदाबाद की तैयारियों को भी प्रमुखता दी जाएगी।

संभावित मेजबान शहर अहमदाबाद को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पहले ही मिल चुकी है। ऐसे में 2036 ओलंपिक के आयोजन तक यहां बड़े पैमाने पर आधुनिक खेल सुविधाएं और बुनियादी ढांचा पूरी तरह विकसित हो जाने की उम्मीद है। इसके अलावा गुजरात का यह शहर वर्ष 2029 में द्विवार्षिक विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों की भी मेजबानी करेगा।

भारत ने जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच 15 से अधिक शहरों में 36 अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है। इसके अलावा वर्ष 2027 और 2028 में होने वाली 19 अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी के अधिकार भी भारत हासिल कर चुका है। मामले से जुड़े एक वरिष्ठ सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''हमारी जानकारी के मुताबिक, अब तक केवल तुर्किये ने आईओसी के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी है।

घुटने की सर्जरी के बाद छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे जेवियर बार्टलेट

नई दिल्ली, 25 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के टेस्ट टीम में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद वह करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस चोट के कारण वह आगामी बिग बैश लीग के शुरुआती मुकाबलों में भी नहीं खेल पाएंगे। बार्टलेट को इस टूर्नामेंट में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। बार्टलेट को पिछले सप्ताह होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा था और टीम ने श्रृंखला भी गंवा दी थी। चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद बार्टलेट दोबारा गेंदबाजी करने लौटे और तीन ओवर किए।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान ने पहले दिन बनाए 135/2, वशिष्ठ का अर्धशतक



जयपुर, 25 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान और उत्तराखंड के बीच लखनऊ में शुरू हुए मुकाबले के पहले दिन राजस्थान ने मजबूत शुरुआत की। राजस्थान ने टॉस जीतकर उत्तराखंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उत्तराखंड की टीम पहली पारी में 215 रन पर आउट हो गई। साकेत चौहान ने 111 रन बनाए। राजस्थान की ओर से लवमीत गुर्जर और हर्षित यादव ने 4-4 तथा आंजनेय शर्मा ने 2 विकेट लिए। जवाब में राजस्थान ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 135 रन बना लिए। वशिष्ट शर्मा ने 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि निश्छल शर्मा 39 और तविष शर्मा 34 रन बनाकर क्रीज पर डटे रहे।

टेबल टेनिस में जयपुर का दोहरा खिताब, महिला और पुरुष दोनों वर्गों में बना चैम्पियन



जयपुर, 25 नवंबर। भरतपुर में आयोजित राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष दोनों वर्गों की टीम चैंपियनशिप जीत ली। महिला वर्ग के फाइनल में जयपुर ने कोटा और पुरुष वर्ग में बीकानेर को हराकर खिताब अपने नाम किया। डबल्स मुकाबलों में महिला वर्ग में समृद्धि और डिम्पी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। राधिका-अनुष्का की जोड़ी दूसरे और आरना-प्रत्युषा की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। पुरुष डबल्स में विवेक-गुरप्रीत की जोड़ी दूसरे तथा राहुल-तुषार की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। मिक्स्ड डबल्स में सौरभ-राधिका ने दूसरा और अक्षत-समृद्धि ने तीसरा स्थान हासिल किया। टीम ने अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी एवं कोच विवेक भार्गव के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह 27 नवंबर को होगा।

सिंधु पिंक सिटी हॉफ मैराथन की इंटरनेशनल एंबेसडर होंगी

जयपुर, 25 नवंबर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 29 नवंबर को आयोजित होने वाली 11वीं वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन की इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर होंगी। वह अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के रन फॉर जीरो हंगर अभियान का समर्थन करेंगी। इस पहल के तहत वेदांता प्रत्येक किलोमीटर की दौड़ पर एक जरूरतमंद बच्चे या पशु के लिए एक भोजन उपलब्ध कराएगा। मैराथन में 21.1 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी कूल रन और 5 किमी ड्रीम रन श्रेणियों में हजारों धावक हिस्सा लेंगे।

अंडर-14 मानसून कप : क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की जीत



जयपुर, 25 नवंबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में क्रिकेट अकादमी ने देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब को 17 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए क्रिकेट अकादमी ने गौरव प्रजापत के शानदार 94 रनों की बदौलत 34.1 ओवर में 157 रन बनाए। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की ओर से पीयूष सैनी और कल्पित ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की टीम 40 ओवर में 7 विकेट पर 140 रन ही बना सकी। कल्पित कुमार ने 30 और लोकेश ने 29 रन बनाए। की ओर से वैभव सैनी और जयेश सिंह ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच गौरव प्रजापत रहे।

अंडर-15 गर्ल्स चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए ट्रायल कल

दौसा, 25 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से 30 नवंबर से जयपुर में आयोजित होने वाली अंडर-15 गर्ल्स चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए महिला खिलाड़ियों के ट्रायल 27 और 28 नवंबर को आरसीए एकेडमी में होंगे। दौसा जिले की खिलाड़ियों के ट्रायल 27 नवंबर को सुबह 9 बजे होंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के बीच जन्मी खिलाड़ी ट्रायल में भाग ले सकती हैं। खिलाड़ियों को कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, पिछले तीन वर्षों की मार्कशीट तथा स्वयं और माता-पिता के आधार कार्ड साथ लाने होंगे। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लगभग 15-16 टीमें बनाई जाएंगी। इनके बीच 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक चैलेंजर मुकाबले होंगे। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर राजस्थान की अंडर-15 टीम का चयन किया जाएगा।

जहीर खान की नई पहल 'इक्वल' से क्रिकेट में आएगा बड़ा बदलाव, एक ही टीम में खेलेंगे महिला और पुरुष खिलाड़ी

मुंबई, 25 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और 2011 विश्व कप विजेता जहीर खान को नई मिश्रित टी20 क्रिकेट लीग 'इक्वल' की अपार संभावनाओं पर पूरा भरोसा है। यह महत्वाकांक्षी पहल क्रिकेट के पारंपरिक प्रारूप को चुनौती देते हुए महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक ही एकादश में खेलने का अवसर देगी। इस पहल की परिकल्पना एंकर स्पोर्ट्स ने की है, जिसके सह-मालिक जहीर खान और सूचना प्रौद्योगिकी उद्यमी नागेंद्र सिद्धौताम हैं। इसे जर्मन क्रिकेट महासंघ के साथ साझेदारी में विकसित किया जा रहा है। पहली बार इस तरह की मिश्रित महिला-पुरुष क्रिकेट लीग शुरू करने की तैयारी है। 'इक्वल' में पेशेवर महिला और पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे। इससे टी20 प्रारूप को एक नया और समावेशी स्वरूप मिलेगा। पुरुष और महिला क्रिकेट के अलग-अलग टूर्नामेंटों की परंपरा से हटकर इस प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी एक ही लीग में हिस्सा लेंगे। इसमें एक ही अंकतालिका होगी और एक ही टीम चैंपियन बनेगी। प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार, पहले संस्करण में पांच टीमें कुल 12 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी



होंगे। हर मैच की एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। टी20 क्रिकेट के मौजूदा नियमों को बरकरार रखते हुए इस प्रारूप में खेलने के स्पष्ट नियम, खिलाड़ियों की सुरक्षा के उपाय और स्थानापन्न खिलाड़ियों से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए जाएंगे, ताकि प्रतियोगिता को व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। एंकर स्पोर्ट्स के सह-मालिक जहीर खान ने कहा, क्रिकेट में लोगों को एकजुट करने की ताकत है। खासकर यूरोप जैसे उभरते बाजारों में इस खेल का विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि हम इसे कितने व्यापक दर्शक वर्ग के लिए सुलभ बना पाते हैं। 'इक्वल' जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह सभी लिंगों के लोगों को खेल में हिस्सा लेने, योगदान देने और क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनने का अवसर देती है।" उन्होंने कहा, 2028 में क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में वापसी के साथ इस खेल को नए समुदायों तक पहुंचाने और इसकी वैश्विक पहुंच बढ़ाने का अवसर है। 'इक्वल' को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें एक महिला और एक पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

// बिम्सटेक अंडर-23 एथलेटिक्स //

100 मीटर दौड़ में भारत और श्रीलंका ने जीते स्वर्ण पदक

भुवनेश्वर, 25 नवंबर। बिम्सटेक अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन भारत और श्रीलंका के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। कलिंगा स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में भारत की मृत्तिका टी. और पुरुष वर्ग में श्रीलंका के दिनिथ इंदुवारा वीरारत्न ने स्वर्ण पदक जीते। पहले दिन कुल छह स्वर्ण पदकों का फैसला हुआ, जिनमें से चार भारत और दो श्रीलंका के खिलाड़ियों के खाते में गए। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में मृत्तिका ने 12.02 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। श्रीलंका की के. रिसांसा हिरुपमा 12.07 सेकंड के साथ दूसरे और बांग्लादेश की देवान सुमाया 12.24 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में श्रीलंका के वीरारत्न ने 10.35 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत के ऋषिप्रसाद देसाई ने 10.46 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता, जबकि श्रीलंका के साद जमालदीन 10.57 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के नील समराज 10.67 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। भारत के अन्य स्वर्ण पदक पुरुष शॉटपुट, ट्रिपल जंप और 1500 मीटर दौड़ में आए। अनुराग सिंह कलेर ने 18.34 मीटर गोला फेंककर शॉटपुट का स्वर्ण जीता। दक्ष बिश्नोई ने 15.58 मीटर की छलांग के साथ ट्रिपल जंप में पहला स्थान हासिल किया, जबकि हितेश ने 3 मिनट 56.72 सेकंड में 1500 मीटर दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। महिला डिस्कस थ्रो में भारत ने दोहरा प्रदर्शन किया। प्रिया ने 52.03 मीटर के साथ स्वर्ण और निकिता कुमारी ने 50.02 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया।

भारत करेगा 2028 में थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी, बीडब्ल्यूएफ ने बदला प्रारूप

नई दिल्ली, 25 नवंबर। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बुधवार को घोषणा की कि भारत 2028 में थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी करेगा। यह पुरुष और महिला टीम की विश्व चैंपियनशिप का पहला सत्र होगा जिसमें संशोधित 24 टीम का प्रारूप लागू होगा और मुकाबले तीन मैच के आधार पर खेले जाएंगे। वर्ष 2028 में होने वाला यह टूर्नामेंट भारत में दूसरी बार आयोजित किया जाएगा। इससे पहले 2014 में नयी दिल्ली के सिरी फोर्ट खेल परिसर में थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स का आयोजन हुआ था। उस समय भारतीय महिला टीम ने पहली बार उबेर कप में कांस्य पदक जीता था। भारत की महिला टीम ने 2016 में भी कांस्य पदक हासिल किया था। वहीं पुरुष टीम ने 2022 में थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था। भारतीय पुरुष टीम ने 2026 में डेनमार्क के हॉर्सन्स में आयोजित प्रतियोगिता में फ्रांस से सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक जीता था। नयी दिल्ली ने इस साल की शुरुआत में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की भी मेजबानी की थी। बीडब्ल्यूएफ ने 2027 से अपनी प्रमुख चैंपियनशिप के प्रारूप में व्यापक बदलावों को भी मंजूरी दी है। इसके साथ ही महासंघ ने 2030 तक की कई प्रमुख प्रतियोगिताओं के मेजबान देशों की घोषणा की। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्तरी अमेरिका, एशिया और यूरोप में होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में पहली बार पांचवें स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली, 25 नवंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की विश्व रैंकिंग में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल किया है। टीम ने मंगलवार को भोपाल में जारी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में चीन को 6-2 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। मुकाबला भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में खेला गया। भारतीय महिला हॉकी के सफर में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है।

राजस्थान यूनाइटेड ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 4-0 से हराया



जयपुर, 25 नवंबर। इंडियन फुटबॉल लीग 2026-27 में राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने कोलकाता में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब को 4-0 से करारी शिकस्त दी। किशोर भारती क्रीरंगन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन दूसरे हाफ में राजस्थान ने चार गोल दागे। एड्रियन कैस्टेलानो ने 63वें, बृजेश गिरी ने 68वें, जुडाह गार्सिया ने 76वें और थोम्यो शिमरे ने 90 3वें मिनट में गोल किया। कैस्टेलानो को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। राजस्थान का अगला मुकाबला 29 नवंबर को शिलांग लाजोंग एफसी से होगा।

यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट : नैना, एलबीएस और संस्कार एकेडमी की शानदार जीत



जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में नैना एकेडमी ने जयपुरिया विद्यालय को 9 विकेट, एलबीएस एकेडमी ने एनबी एकेडमी को 9 विकेट तथा संस्कार एकेडमी ने मिनर्वा क्लब को 216 रन से हराकर जीत दर्ज की। नैना ग्राउंड पर खेले गए मैच में जयपुरिया विद्यालय की टीम 71 रन पर सिमट गई। आयुष शर्मा ने 22 रन देकर 5 विकेट और इजहार खान ने 2 विकेट लिए। जवाब में नैना एकेडमी ने अव्यान शर्मा (नाबाद 32) और आरव चौधरी (नाबाद 16) की पारियों से 12.5 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरडी ग्राउंड पर एनबी एकेडमी ने रोहन मीणा के 132, गौरव सिंह के 67 और आरव शर्मा के नाबाद 71 रनों की मदद से 331/6 रन बनाए। जवाब में एलबीएस एकेडमी ने प्रतुल शर्मा के नाबाद 139 और परसुराम शर्मा के नाबाद 100 रनों की शतकीय पारियों तथा मोहम्मद साद खान के 67 रनों की बदौलत 30.3 ओवर में एक विकेट पर 337 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। मोहम्मद साद ने गेंदबाजी में भी तीन विकेट लिए। आरजे-14 ग्राउंड पर संस्कार एकेडमी ने रिदिमा शेखावत (43), अजात शत्रु (67) और दक्ष सेन (32) के योगदान से 273/7 रन बनाए। जवाब में मिनर्वा क्लब की टीम 57 रन पर आउट हो गई। केशव ने 2 रन देकर 5 विकेट और रिदिमा शेखावत ने 6 रन देकर 2 विकेट झटके।

राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 25 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत नेशनल क्रिकेट ग्राउंड, बेनाड़ पर खेले गए पूल-बी के मुकाबले में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने केंडलविक क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केंडलविक क्रिकेट एकेडमी ने पलक भौकाल (49), देवांग डंगायच (20) और औशनिक ग्रोवर (16) की पारियों की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 134 रन बनाए। राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी के अथर्व सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 13 रन देकर 5 विकेट झटके। श्याम सुंदर ने 2 विकेट लिए। जवाब में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने शिफान खान के 27 गेंदों पर 65 रन (3 चौके, 7 छक्के) और रक्षित लूणावत के 34 गेंदों पर नाबाद 54 रन (3 चौके, 5 छक्के) की पारियों की बदौलत 10.2 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। गेंदबाजी में औशनिक ग्रोवर ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी के अथर्व सिंह को दिया गया।

पारस म्हांब्रे को पंजाब किंग्स ने दी गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 25 नवंबर। पंजाब किंग्स ने 2027 इंडियन प्रीमियर लीग सीज़न से पहले पारस म्हांब्रे को अपना तेज़ गेंदबाज़ी कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइज़ी ने 25 नवंबर को इस नियुक्ति की घोषणा की और म्हांब्रे का स्वागत करते हुए कहा, "हमारी टीम में आपका स्वागत है, पारस पाजी!" म्हाम्ब्रे, जो पहले भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए बॉलिंग कोच रह चुके हैं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स की जगह लेंगे। वह हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम करेंगे, जिनके साथ वह पहले मुंबई इंडियंस में भी काम कर चुके हैं। वह 2021 से 2024 तक भारत के बॉलिंग कोच रहे। इस दौरान टीम 2023 आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची; टीम ने फाइनल से पहले लगातार 10 मैच जीते थे, लेकिन अहमदाबाद में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। इसके अगले साल, भारत ने कैरेबियन में 20 वर्ल्ड कप जीता, जो 11 सालों में उनकी पहली आईसीसी ट्रॉफी थी। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में, म्हांब्रे ने मुंबई इंडियंस के साथ दो बार कोचिंग की है। हाल ही में, 2026 सीजन में टीम के नौवें स्थान पर रहने और 14 मैचों में केवल चार जीत हासिल कर पाने के बाद, वे पिछले महीने टीम से अलग हो गए।

डरबन सुपर जायंट्स ने केन विलियमसन को हेड कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, 25 नवंबर। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन अपने करियर के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्हें आगामी 20 2027 सीजन के लिए डरबन सुपर जायंट्स का हेड कोच नियुक्त किया जाना तय है। हालांकि वे अभी भी एक सक्रिय क्रिकेटर हैं, लेकिन इस कदम के साथ ही वे खिलाड़ियों के समूह से कोचिंग स्टाफ की भूमिका में आ जाएंगे। टीम प्रबंधन अब उन्हें टीम की कमान सौंपने के लिए तैयार है, क्योंकि वे लांस क्लूजनर से अलग होने जा रहे हैं।

6 दिसंबर को होगा गुरु सम्मान कप, क्रिकेट गुरुओं का होगा सम्मान

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान में क्रिकेट की गुरु-शिष्य परंपरा को सम्मान देने के उद्देश्य से 6 दिसंबर को गुरु सम्मान कप-2026 का आयोजन किया जाएगा। सुबह 9 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन की थीम 'तारे ज़मीं पर' रखी गई है। इसमें खिलाड़ियों को तराशने वाले क्रिकेट गुरुओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के पूर्व क्रिकेट कोच शब्बीर हुसैन पिछले करीब 10 वर्षों से इस आयोजन को लगातार करवा रहे हैं। इस बार आयोजन में पूर्व रणजी खिलाड़ी, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, वरिष्ठ



रेलवे और प्रशासनिक अधिकारी सहित क्रिकेट जगत की प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रसिद्ध पत्रकार रुबिका लियाकत के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। शब्बीर हुसैन ने बताया कि प्रत्येक सफल खिलाड़ी के पीछे उसके गुरु की वर्षों की मेहनत, त्याग और मार्गदर्शन होता है। इसी योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। उनका कहना है कि जिन गुरुओं ने खिलाड़ियों को सितारा बनाया, उन्हें सम्मानित करना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

देश-विदेश में ''राजस्थान फाउंडेशन'' का दायरा बढ़ा, अब 51 चैप्टर - भजनलाल

मुख्यमंत्री के प्रभाव से गत तीन वर्ष में 39 चैप्टर नए बनाए गए

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''राजस्थान फाउंडेशन'' के विस्तार से विश्व भर में बसे प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद, समन्वय और सहभागिता को नई गति मिलेगी।

जयपुर, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए पिछले 3 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस क्रम में, प्रवासियों के लिए नए विभाग का गठन, राजस्थान फाउंडेशन द्वारा नए चैप्टर का गठन, जिलों में प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन, प्रवासी राजस्थानी दिवस, प्रवासियों के साथ निरंतर संवाद, देश-विदेश में प्रवासी मीट सहित, कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

राजस्थान फाउंडेशन का नेटवर्क अब 51 चैप्टर तक विस्तारित हो गया है। इनमें 25 राष्ट्रीय और 26 अंतरराष्ट्रीय चैप्टर शामिल हैं। वर्ष 2023 में राजस्थान फाउंडेशन के केवल 12 चैप्टर थे तथा वे भी क्रियाशील नहीं थे। इन सभी को क्रियाशील करने के साथ ही, पिछले तीन वर्षों में 39 नए चैप्टर बनाए गए हैं।

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए नए चैप्टर्स का



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

निरंतर विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 16 अक्टूबर, 2026 को प्रवासी राजस्थानी संवाद कार्यक्रम के दौरान 11 नए चैप्टर गठित करने की घोषणा की थी। इन सभी चैप्टर्स के गठन तथा अध्यक्षों के मनोनयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राजस्थान फाउंडेशन के विस्तार से विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद, समन्वय और सहभागिता को नई गति मिलेगी। इससे प्रवासी समुदाय को राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और निवेश संबंधी विकास कार्यों से जोड़ने में भी मदद मिलेगी। इन चैप्टर्स के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के बीच मजबूत नेटवर्क विकसित होगा। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, निवेश प्रोत्साहन, कौशल एवं तकनीकी सहयोग, शिक्षा, पर्यटन तथा समाजसेवा के क्षेत्रों में नई संभावनाओं का विस्तार होगा।

दिल्ली दंगों के आरोपियों की जमानत याचिका पर पुलिस को नोटिस जारी

- दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत याचिका खारिज करने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई की।

नई दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपी शरजील इमाम और उमर खालिद की ओर से दाखिल नयी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। शरजील इमाम और उमर खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 30 सितंबर को इन दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि उच्च, न्यायालय उच्चतम न्यायालय के आदेश से बंधा है और न्यायिक अनुशासन का पालन करना जरूरी है।

इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने 4 जुलाई को उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

पंचायती राज चुनाव परिणाम भाजपा के खिलाफ जनादेश हैं - सचिन पायलट

पायलट ने पंचायती राज में जीत को पूरी टीम राजस्थान की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया



कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिले तथा मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि यह जीत राजस्थान की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि पंजाब में कृषि कानूनों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अलग हुए भाजपा व अकाली दल अब सत्ता के लिए फिर साथ आ गए हैं।

जयपुर, 25 नवंबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पंचायतीराज चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को जनता की जीत बताते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला। बुधवार को जयपुर में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता ने भाजपा के अहंकार और नाकामियों का जवाब दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना प्रदेश की तीन साल की सरकार और केन्द्र की डबल इंजन सरकार की विफलता का प्रमाण है। भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि यह पूरी टीम राजस्थान की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निकाय चुनावों में भाजपा ने पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल कर कांग्रेस पार्षदों पर दबाव बनाया तथा धांधली की कोशिश की। इसके बावजूद, शहरी क्षेत्रों में दोनों दलों के वोटों का अंतर एक प्रतिशत से कम रहा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस को करीब पांच प्रतिशत अधिक वोट मिले।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन और विकास को प्राथमिकता देगी। मनरेगा को दोबारा लागू करने और किसानों को एमएसपी की गारंटी दिलाने के मुद्दे उठाए जाएंगे। राजस्थान में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव अभी करीब दो साल दूर हैं। कांग्रेस अगला चुनाव इससे अधिक बहुमत के साथ जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि 2029 में केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

केन्द्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन पर सवाल उठाते हुए पायलट ने कहा कि पहले जनगणना और फिर परिसीमन आयोग की सिफारिशों के आधार पर प्रक्रिया पूरी होती है। महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है, जबकि महिला आरक्षण का कांग्रेस विरोध नहीं करती। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है।

पंजाब में भाजपा-अकाली दल गठबंधन को अवसरवादिता का उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों दल पहले कृषि कानूनों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अलग हुए थे, लेकिन अब सत्ता के लिए फिर साथ आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, सचिन पायलट ने बुधवार को अपने आवास पर पर ही अपना अधिकांश समय बिताया, क्योंकि प्रदेश भर के कार्यकर्ता उनसे लगातार मिलने के लिए आ रहे थे, इसलिए पायलट बुधवार को दिनभर कार्यकर्ताओं से मुलाकात में ही व्यस्त रहे।

आज बुधवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर सड़कों पर उतरेंगे। जब तक ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने के मुद्दे का कोई समाधान नहीं निकलता, तब तक यह स्पष्ट है कि वे संसद को चलने नहीं देंगे। एक नए और बदले हुए रूप में, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अब विरोध प्रदर्शन करने वाली एक मशीनरी बन गई है। राहुल गांधी चाहते हैं कि देशभर में ऐसा ही हो, ताकि यह संदेश जाए कि ये प्रदर्शन तब तक जारी रहेंगे, जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते और एसआईआर के मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता।

'विधानसभा चुनाव में,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तयशुदा परंपरा का पालन करती है और चुनाव से पहले कभी भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा नहीं करती।ष्हालांकि उसी कार्यक्रम में जब आदित्यनाथ से मुख्यमंत्री पद को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री ''कौन है और आगे कौन होगा।''

बांग्लादेश में थानों पर हमलों की घटनायें बढ़ीं, हालात बिगड़े

जनता के जान माल की रक्षा करने वाली पुलिस की खुद की सुरक्षा चिन्ता का विषय बनी

- बांग्लादेश पुलिस एसोसिएशन के अनुसार हमलों में थानों के बुनियादी ढ़ांचे व वाहनों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। सरकारी हथियारों के साथ आम लोगों द्वारा जमा कराये गये हथियार भी लूटे जा रहे हैं।

ढ़ाका (बांग्लादेश), 25 नवंबर । देश में अपराधियों को गिरफ्तार करने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों की हत्या की जा रही है। हथकड़ी लगे संदिग्धों को पुलिस हिरासत से छुड़ाया जा रहा है। पुलिस के गश्ती दलों पर हमले हो रहे हैं। सरकारी हथियार लूटे जा रहे हैं और पुलिस थानों को आग के हवाले किया जा रहा है। बिगड़ रहे हालात में लोगों की जान-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के सामने खुद की सुरक्षा बड़ी चिंता का विषय बन गई है। छुटपुट आपराधिक घटनाओं से लेकर राजनीतिक हिंसा तक, पुलिस पर लगातार हो रहे हमले न केवल पुलिसकर्मियों को बड़े खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था लागू करने की क्षमता और अधिकार की भी परीक्षा ले रहे हैं।

''ढ़ाका ट्रिब्यून'' की रिपोर्ट के अनुसार, 17 फरवरी को प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से नौ महीने से अधिक का समय बीत चुका है। इस दौरान मार्च से अक्टूबर के बीच पूरे देश में पुलिस पर 400 हमले दर्ज किए गए। जनवरी से अक्टूबर के बीच यह संख्या बढ़ कर 484 हो गई। नवंबर में भी देश के विभिन्न हिस्सों में हमले जारी हैं। हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। गोपालगंज में दो पुलिस थानों पर हमले किए गए। उन्हें आग लगा दी गई । लूटपाट की गई। अन्य जगहों पर पुलिस की गाड़ियों और परिसरों को निशाना बनाया गया।

गुरुवार को लखनऊ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया है कि मार्च की अनुमति नहीं देना सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के दबाव को दर्शाता है। लखनऊ का यह कार्यक्रम कांग्रेस के देशव्यापी ''संविधान रक्षा मार्च'' का हिस्सा है। इन कार्यक्रमों में संविधान की प्रस्तावना पढ़ी जाएगी और संविधान की रक्षा की शपथ ली जाएगी। यह अभियान मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ पार्टी के विरोध के बीच चलाया जा रहा है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी का घोषणापत्र जारी करने वाले हैं। इसे 'जन-मन का घोषणापत्र' नाम दिया गया है। इसका फोकस सामाजिक न्याय, आरक्षण, लोकतंत्र, रोजगार और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण पर है।

दिन की राजनीतिक गहमागहमी को और तेज करते हुए, असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ''सामाजिक परिवर्तन मोर्चा'' के बैनर तले रमाबाई अम्बेडकर मैदान में अपनी पहली बड़ी संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे। दोनों नेताओं ने इसी महीने की शुरुआत में अपने गठबंधन को औपचारिक रूप दिया था, जिसमें चंद्रशेखर आज़ाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया गया है और राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा की गई है। आयोजकों ने ''बहुजन स्वराज संकल्प महारैली'' में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने का दावा किया है। इस रैली में दलितों, मुसलमानों और अन्य वंचित समुदायों से जुड़े मुद्दों पर गठबंधन की रणनीति सामने रखी जायेगी। साथ ही, यह गठबंधन खुद को एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करेगा।

डीजे बंद कराने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी। पुलिसकर्मियों ने समझाइश करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने। आरोप है कि वर्दी और नेम प्लेट पहने होने के बावजूद, पुलिसकर्मियों के साथ बार-बार मारपीट की गई। एसआई रामफूल की शिकायत पर 24 नवंबर को खो नागोरियान थाने में कल्लू हाजी, शौकीन, मिशा, बाबू खान, कबीर खान, इकराम खान, मोहसिन, मिशा पुत्र कबीर और गद्दाम खान सहित, 12 से अधिक लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन आरोपियों को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

प्यूर्टो रिको की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वेनेजुएला की क्लारा वेगास सेकेंड रनर-अप रहीं।

जम्मू-कश्मीर के पांच आतंकवादियों की सम्पत्ति जब्त होगी

- ये पांचों अपनी ज़मीन बेच कर आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने की कोशिश कर रहे थे
- पुलिस महानिदेशक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ये लोग हिजबुल मुजाहिदीन के लिए काम कर रहे थे। ये संगठन को हथियार, गोला-बारूद और पैसा मुहैय्या कराते थे।

जम्मू, 25 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने रियासी जिले में पांच आतंकवादियों की 28 कनाल और 14.5 मरला जमीन को जब्त करने की मंजूरी दे दी है। जांच में पता चला है कि ये आतंकवादी अपनी संपत्तियों को बेचकर आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने की कोशिश कर रहे थे। आदेश के अनुसार, यह मंजूरी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 25 के तहत दी गई है। यह मामला पुलिस स्टेशन महोर में दर्ज एफआईआर नंबर 70/2024 से जुड़ा है। आदेश के अनुसार मोहम्मद कय्यूम उर्फ अब्दुल कय्यूम पुत्र गुलाम मोहम्मद, निवासी शाडोल, तहसील महोर, बशीर अहमद उर्फ मासूम पुत्र कमर दीन, निवासी बड्डर, शौकत अली पुत्र रोशन दीन, निवासी हुंडर, तहसील अरनास, मंजूर अहमद उर्फ मंजूर हुसैन पुत्र मोहम्मद दीन निवासी खंती, तहसील थुरू, और इम्तियाज अहमद पुत्र मोहम्मद मकबूल निवासी थुरू, तहसील थुरू हथियारों और गोला-बारूद का प्रशिक्षण लेने के लिए पाकिस्तान चले गए थे और सीमा पार से इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने की कोशिशों में शामिल थे।

जांच से पता चला है कि ये आरोपी अपनी जमीनों को बेचने की कोशिश कर रहे थे, ताकि उससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ ावा देने के लिए किया जा सके।

राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत

नई दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में राहत दी है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में राहुल गांधी के खिलाफ लंबित मामलों को निरस्त करने का आदेश दिया है। राहुल गांधी ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल कई याचिकाओं के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास आय ज्यादा संपत्ति है। राहुल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस मामले को दिल्ली उच्च न्यायालय में ट्रांसफर करने भी मांग की है। मई में इलाहाबाद उच्च न्यायालय केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को निर्देश दिया था कि वे राहुल गांधी की संपत्तियों का पता करें।

दिल्ली में दस में से नौ महिलाएं, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुविधाएं, सामाजिक व्यवहार और सरकारी संस्थाओं की नाकामी सार्वजनिक स्थानों तक महिलाओं के आवागमन को प्रभावित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, लैंगिक हिंसा और महिला अधिकारों के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था सीक्विन ने अपनी सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट को सौंपी हैं।

ये निष्कर्ष दिल्ली-एनसीआर में दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न की कई घटनाओं के सामने आने के बीच आए हैं। इनमें आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना भी शामिल है। सितंबर के पहले तीन सप्ताह में इस तरह के कम से कम 13 मामले सामने आए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर को इस मामले पर स्वत: संज्ञान लिया था और अधिकारियों को असुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की पहचान करने तथा सुरक्षा उपाय मजबूत करने का निर्देश दिया था।

सीक्विन ने कहा कि यह अध्ययन अदालत के हस्तक्षेप के बाद किया गया। इसमें लैंगिक हिंसा और महिला अधिकारों के क्षेत्र में संस्था के 17 वर्षों के काम का भी सहारा लिया गया। अध्ययन में यह देखा गया कि सार्वजनिक स्थानों की बनावट और रखरखाव, सामाजिक व्यवहार तथा जवाबदेही की कमी, किस तरह महिलाओं की आने-जाने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकती है।

सीक्विन की सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक लोरा के. प्रभु ने कहा, ''जब 80 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाता महिलाओं को यह भी पता नहीं होता कि इन कमियों को दूर करने के लिए कौन-सी नागरिक एजेंसी जिम्मेदार है, तो शहर की व्यवस्था में ही लोगों को बाहर रखने की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने कहा कि संस्था को उम्मीद है कि उसकी सिफारिशों से ऐसे शहरी सुधार होंगे, जिनके परिणामों को मापा जा सके और जो अलग-अलग लैंगिक वर्गों की जरूरतों को पूरा करें।''

रिपोर्ट में ''राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो'' के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2024 में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 13,396 मामले दर्ज किए गए थे। यह भारत के 19 प्रमुख महानगरों में सबसे बड़ी संख्या थी।

रिपोर्ट में महिलाओं की रोजगार में भागीदारी के बीच अंतर को भी उजागर किया गया है। 2023-24 में दिल्ली में महिलाओं की लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन दर 14.5 प्रतिशत थी, जबकि पुरुषों के लिए यह 54 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं और आने-जाने पर लगी पाबंदियों का असर महिलाओं के रोजगार के अवसरों तक पहुंच पर पड़ता है। हालांकि, इन आंकड़ों से दोनों के बीच सीधे कारण-परिणाम संबंध साबित नहीं होता।

सीजेपी के सौरभ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी गई है।

उल्लेखनीय है कि सौरभ दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने से रोका गया था। 23 नवंबर को देर रात एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन की जांच के दौरान उनको रोका गया था। उनके खिलाफ

नागरिकता और पासपोर्ट को लेकर एक मामला मद्रास उच्च न्यायालय में लंबित है। सौरभ दास का कहना था कि वे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में लेक्चर देने जा रहे थे।

क्रॉस वोटिंग और सियासी खींचतान के बावजूद कांग्रेस ने 24 जिलों में जिला प्रमुख बनाए

मात्र 5 सीटों पर स्पष्ट बहुमत था, लेकिन भाजपा ने भी 10 सीटों पर कब्जा जमाया

-कार्यालय संवाददाता-

- सीकर और झुंझुनूं में भीतरघात नहीं रोक पाई कांग्रेस की जीत, बीकानेर में निकिता डूडी बनीं जिला प्रमुख।
- नागौर में रालोपा और बांसवाड़ा-डूंगरपुर में बीएपी का कब्जा।

जयपुर, 25 नवम्बर। राजस्थान के 37 जिला प्रमुखों के चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 जिला परिषदों में अपना परचम फहराया, जबकि भाजपा 10 जिलों में ही जिला प्रमुख बना सकी। चुनाव में कांग्रेस को सीकर और झुंझुनूं जैसे जिलों में क्रॉस वोटिंग के बावजूद जीत मिली, वहीं बीकानेर में निकिता डूडी की जीत ने पार्टी के भीतर चल रही खींचतान पर विराम लगा दिया। दूसरी ओर, भाजपा को प्रतापगढ़ में भारत आदिवासी पार्टी के सदस्यों का समर्थन मिला। नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और बांसवाड़ा व डूंगरपुर में भारत आदिवासी पार्टी ने जिला प्रमुख पद हासिल किया। नतीजों ने प्रदेश की ग्रामीण राजनीति में कांग्रेस की मजबूत वापसी के संकेत दिए हैं।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले सीकर में कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता गठाला 37 वोट लेकर विजयी रहीं, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 16 वोट मिले। यहां कांग्रेस के तीन वार्ड सदस्यों की क्रॉस वोटिंग की चर्चा रही, लेकिन इससे जीत प्रभावित नहीं हुई। झुंझुनूं में भी कांग्रेस प्रत्याशी कोमल भंवरिया ने जीत दर्ज की। यहां भाजपा प्रत्याशी को 12 वोट मिले।

बीकानेर में दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू निकिता डूडी जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं। यहां पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की बेटी सरिता चौहान ने कांग्रेस से दावेदारी की थी, लेकिन पार्टी ने निकिता डूडी को सिंबल दिया। इसके विरोध में सरिता चौहान ने निर्दलीय नामांकन दाखिल किया, इसके बावजूद निकिता चुनाव जीत गईं। ब्यावर में भी स्पष्ट बहुमत नहीं होने के बावजूद कांग्रेस, प्रत्याशी ममता गुर्जर ने जीत दर्ज की।

जिले-वार कांग्रेस के निर्वाचित जिला प्रमुख इस प्रकार हैं - जयपुर में यशवीर सूरा, जालौर में आशु देवासी, चित्तौड़गढ़ में रत्नीदेवी, टोंक में अलका बैरवा, सलूंबर में पुष्पा देवी, फलोदी में यशवंत कंवर, बूंदी में हंसा गुर्जर, बीकानेर में निकिता डूडी, बाड़मेर में गफूर अहमद, सीकर में सुनीता गठाला, झुंझुनूं में कोमल भंवरिया, राजसमंद में सुंदर देवी, जोधपुर में प्रमिला चौधरी, ब्यावर में ममता गुर्जर, हनुमानगढ़ में रेनू जांगू, धौलपुर में अनिशा कुमारी, भरतपुर में रेनू बाला और अलवर में अनीता मीणा। बालोतरा में कांग्रेस प्रत्याशी सुशीला भील विजयी रहीं।

भाजपा के जिले-वार निर्वाचित जिला प्रमुख इस प्रकार हैं - अजमेर में पूजा भंसाली, पाली में सीता बावरी, उदयपुर में हिम्मत सिंह झाला, डीग में रेनू सिंह, चूरू में कनिका सिंह राठौड़, खैरथल-तिजारा में इंद्रजीत यादव और प्रतापगढ़ में हकरी देवी। प्रतापगढ़ में भाजपा को भारत आदिवासी पार्टी के वार्ड सदस्यों का समर्थन मिला। यहां कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा के सामने भाजपा का जिला प्रमुख बनवाने की चुनौती थी।

कुचामन-डीडवाना जिला परिषद में दोनों पक्षों को समान वोट मिलने पर पर्ची से फैसला हुआ। एक बालिका द्वारा निकाली गई पर्ची में भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम का नाम आने पर उन्हें जिला प्रमुख घोषित किया गया।

नागौर जिला परिषद में स्पष्ट बहुमत के चलते राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पांचूराम जिला प्रमुख चुने गए। बांसवाड़ा में भाजपा के समर्थन से भारत आदिवासी पार्टी की रीना रावत और डूंगरपुर में बीएपी के अनुतोस रोत जिला प्रमुख निर्वाचित हुए।

पूर्व आईएएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की खंडपीठ ने यह आदेश सुबोध अग्रवाल व अन्य की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए दिए।

गौरतलब है कि सुबोध अग्रवाल को एसीबी ने 9 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908